खण्ड–503, अंक–5
गुरुवार, 26 माघ, शक संवत् 1939
(15 फरवरी, 2018 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

-: 0 :-

(अधिकृत विवरण)

(सत्रहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2018)

(खण्ड 503 में 10 अंक हैं)

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2018

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे ।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 रुपये, महसूल सहित रु0 724.25 रुपये ।

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
उपस्थित सदस्य	1-6
अधिकांश सदस्यों के श्री राज्यपाल के अभिभाषण के चर्चा में बोलने की इच्छा के कारण कार्य-सूची के सभी प्रश्नों को उत्तरित माना जाना....	7
प्रश्नोत्तर	8-27
मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड लखनऊ का आठवां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा 2010-2011 (सदन के पटल पर रखा गया)	27
मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड लखनऊ का नवां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा-2011-2012 (सदन के पटल पर रखा गया)	27
मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड लखनऊ का दसवां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा 2012-2013 (सदन के पटल पर रखा गया)	27
उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन लिमिटेड का पन्द्रहवां वार्षिक प्रतिवेदन 2013-2014 (सदन के पटल पर रखा गया)	28
उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमीशन कार्पोरेशन लिमिटेड का दसवां वार्षिक लेखा प्रतिवेदन 2013-2014 (सदन के पटल पर रखा गया)	28
उत्तर प्रदेश वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2008-2009 (सदन के पटल पर रखा गया)	28
उत्तर प्रदेश वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2009-2010 (सदन के पटल पर रखा गया)	28
उत्तर प्रदेश वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2010-2011 (सदन के पटल पर रखा गया)	28
उत्तर प्रदेश वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2011-2012 (सदन के पटल पर रखा गया)	28
उत्तर प्रदेश वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2012-2013 (सदन के पटल पर रखा गया)	29
उत्तर प्रदेश वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2013-2014 (सदन के पटल पर रखा गया)	29
जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र तमकुहीराज में ट्रामा सेन्टर स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में श्री छोटे लाल यादव आदि निवासीगण जनपद कुशीनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका (उपस्थित की गयी)	29

विषय	पृष्ठ-संख्या
गेंदा सिंह गन्ना अनुसंधान केन्द्र सेवरही जनपद कुशीनगर को कृषि विश्वविद्यालय का दर्जा दिये जाने के सम्बन्ध में श्री व्यास कुशवाहा आदि निवासीगण जनपद कुशीनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका (उपस्थित की गयी)	29
नियम-301 के अन्तर्गत सूचनायें	29-31
जनपद चित्रकूट के मऊ ब्लाक के पास बरियारी कैम्प कैनाल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	31-32
जनपद कानपुर देहात के मरहन्ताबाद अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यातायात व्यवस्था प्रारम्भ/सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	32
जनपद मेरठ शहर के पानी की निकासी हेतु ओ0डी0एन0 नाले को पक्का बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	32
जनपद अलीगढ़ के विधान सभा क्षेत्र बरौली के कतिपय मार्गों के पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	32-33
जनपद लखीमपुर खीरी के विकास खण्ड ईसानगर व धौरहरा विकास खण्ड धरौरा के प्रधानमंत्री आवास योजना में हो रही अनियमितता के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	33
जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र किठौर के कस्बा शाहजहांपुर में बड़े सरकारी अस्पताल की स्थापना के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	33-34
जनपद बुलन्दशहर के किसान इण्टर कालेज विद्या नगर चोला में कतिपय कर्मचारियों की नियुक्ति किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	34
जनपद आगरा में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	34
जनपद गोण्डा के विकास खण्ड बभनजोत के कार्यालय एवं आवास का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	34
जनपद शाहजहांपुर की ग्राम कुण्डरियां में बाढ़ से बचाव हेतु ठोकरों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	35
जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी अन्तर्गत ग्राम रोहाना में एस0एच0-59 पर पुल हेतु पिलर के निर्माण से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	35
जनपद आजमगढ़ के तहसील मार्टिनगंज पर फायर स्टेशन के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	35-36

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र रूदौली में कार्यदायी संस्था द्वारा छूटे हुये मजरों की विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	36
जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र मझवा के कतिपय ग्रामों में लिंक नहर का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	36-37
जनपद जौनपुर के श्री कृष्णा नगर रेलवे स्टेशन की क्रासिंग संख्या-23 स पर ओवर ब्रिज के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	37
जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मड़ियाहूं में कतिपय पुल एवं पुलिया बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	37-38
श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा... ...	38-92
कैन्टीन में मिलने वाले भोज की गुणवत्ता के सम्बन्ध में व्यवस्था का प्रश्न ...	92-100
श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नेता विरोधी दल की अस्वस्थता के कारण सदन का स्थगन	100-102
कल (दिनांक 16 फरवरी, 2018) का एजेण्डा यथावत् रखते हुये श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा को स्थगित करके दिनांक 26 फरवरी, 2018 को लिये जाने का प्रस्ताव (स्वीकृत)	102-103
नियम-51 के अन्तर्गत सूचनायें	103-104
जनपद फैजाबाद के विधान सभा क्षेत्र अयोध्या के अन्तर्गत परिक्रमा मार्ग पर अर्द्धनिर्मित प्रवेश द्वार के निर्माण कार्य को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वेद प्रकाश गुप्ता द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य	104-105
जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्द्राबाद के अन्तर्गत सुनपेड़ा विकास खण्ड के गंगनहर खुर्जा के क्षतिग्रस्त पुल का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती विमला सिंह सोलंकी द्वारा दिनांक 09 फरवरी, 2018 को दी गयी सूचना पर नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य .....(व्यपगत)...	106
जनपद मिर्जापुर के तहसील चुनार विकास खण्ड के अन्तर्गत नरायनपुर के ग्राम शिवपुर को गंगा की कटान से बचाये जाने के सम्बन्ध में श्री अनुराग सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का केवल वक्तव्य	106-107

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सत्रहवीं विधान सभा

गुरुवार, दिनांक 15 फरवरी, 2018 ई0

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप लखनऊ में दिन के 11 बजे अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य-351

1. अक्षयवर लाल गोंड, श्री — बहराइच
2. अगयश राम सरन वर्मा, श्री — पीलीभीत
3. अजय कुमार, डॉ0 — इलाहाबाद
4. अजय कुमार लल्लू, श्री — कुशीनगर
5. अजय कुमार सिंह ''अजय सिंह'', श्री — बस्ती
6. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
7. अजीत पाल सिंह, श्री — कानपुर देहात
8. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
9. अदिति सिंह, सुश्री — रायबरेली
10. अनिल कुमार, श्री — बुलन्दशहर
11. अनिल कुमार मौर्य, डा0 — सोनभद्र
12. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
13. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
14. अनिल सिंह, श्री — उन्नाव
15. अनीता, श्रीमती — अम्बेडकर नगर
16. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
17. अनूप प्रधान, श्री — अलीगढ़
18. अबरार अहमद, श्री — सुल्तानपुर
19. अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा, श्री — प्रतापगढ़
20. अभिजीत सिंह सांगा, श्री — कानपुर नगर
21. अमन मणि त्रिपाठी, श्री — महाराजगंज
22. अमर सिंह, श्री — फर्रुखाबाद
23. अमर सिंह चौधरी, श्री — सिद्धार्थनगर
24. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
25. अम्बरीश सिंह पुष्कर एडवोकेट, श्री — लखनऊ
26. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती — कन्नौज
27. अलका राय, श्रीमती — गाजीपुर
28. अवधेश सिंह, प्रो0 (डा0) — वाराणसी
29. अवस्थी बाला प्रसाद, श्री — खीरी
30. अविनाश त्रिवेदी, श्री — लखनऊ
31. अशोक कुमार सिंह चन्देल, श्री — हमीरपुर
32. असलम अली, श्री — हापुड़
33. आनन्द स्वरूप शुक्ल, श्री — बलिया
34. आर0 के0 सिंह पटेल, श्री — चित्रकूट
35. आलमबदी, श्री — आजमगढ़
36. आशीष कुमार सिंह ''आशू'', श्री — हरदोई
37. आशुतोष टण्डन ''गोपाल जी'', श्री — लखनऊ
38. इकबाल महमूद, श्री — सम्भल
39. इकराम कुरैशी, हाजी — मुरादाबाद
40. इन्द्र प्रताप उर्फ खब्बू तिवारी, श्री — फैजाबाद
41. इरफान सोलंकी, हाजी — कानपुर नगर
42. उज्जवल रमण सिंह, श्री — इलाहाबाद
43. उपेन्द्र सिंह, श्री — बाराबंकी

44. उमाशंकर सिंह, श्री बलिया
45. उमेश मलिक, श्री मुजफ्फरनगर
46. ओमकुमार, श्री बिजनौर
47. ओम प्रकाश राजभर, श्री गाजीपुर
48. कपिल देव अग्रवाल, श्री मुजफ्फरनगर
49. कमलेश शुक्ल, श्री देवरिया
50. कमलेश सैनी, श्रीमती बिजनौर
51. करण सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
52. कल्पनाथ पासवान, श्री आजमगढ़
53. कारिन्दा सिंह, श्री मथुरा
54. काली प्रसाद, श्री देवरिया
55. किशन लाल राजपूत, श्री पीलीभीत
56. कुलदीप सिंह सेंगर, श्री उन्नाव
57. कुशाग्र सागर, श्री बदायूं
58. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
59. केसर सिंह, श्री बरेली
60. कैलाश नाथ शुक्ल, श्री बलरामपुर
61. कैलाश नाथ सोनकर, श्री वाराणसी
62. कैलाश सिंह राजपूत, श्री कन्नौज
63. गंगा, श्री कुशीनगर
64. गरिमा सिंह, श्रीमती अमेठी
65. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
66. जी0 एस0 धर्मेश, डॉ0 आगरा
67. गुलाब देवी, श्रीमती सम्भल
68. गौरी शंकर, श्री जालौन
69. चन्द्रपाल कुशवाहा, श्री बांदा
70. चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल, श्री बस्ती
71. चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, श्री चित्रकूट
72. चेतन चौहान, श्री अमरोहा
73. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
74. छत्रपाल सिंह गंगवार, श्री बरेली
75. जगन प्रसाद गर्ग, श्री आगरा
76. जटाशंकर त्रिपाठी, श्री कुशीनगर
77. जन्मेजय सिंह, श्री देवरिया
78. जमुना प्रसाद सरोज, डॉ0 इलाहाबाद
79. जय कुमार सिंह (जैकी), श्री फतेहपुर
80. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
81. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
82. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी
83. जितेन्द्र पाल सिंह उर्फ बिल्लू, श्री मेरठ
84. जितेन्द्र वर्मा, श्री आगरा
85. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
86. ज्ञानेन्द्र, श्री महाराजगंज
87. डी0 सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
88. डेनजिल जे0 गोडिन, डा0 नाम-निर्देशित
89. तसलीम अहमद, श्री बिजनौर
90. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्ध नगर
91. तेजेन्द्र निर्वाल, श्री शामली
92. त्रिवेणी राम, श्री गाजीपुर
93. दयाराम चौधरी, श्री बस्ती
94. दल बहादुर, श्री रायबरेली
95. दलवीर सिंह, श्री अलीगढ़
96. दारा सिंह चौहान, श्री मऊ
97. दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे, श्री सन्तकबीर नगर
98. दिनेश चौधरी, श्री जौनपुर
99. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही
100. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
101. देवमणि द्विवेदी, श्री सुल्तानपुर
102. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
103. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री कासगंज
104. देवेन्द्र सिंह राजपूत, श्री कासगंज
105. देवेन्द्र सिंह लोधी एडवोकेट, श्री बुलन्दशहर

106. धनन्जय कन्नौजिया, श्री बलिया
107. धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव, श्री बाराबंकी
108. धर्मेन्द्र कुमार सिंह शाक्य ''पप्पू भइया'', श्री बदायूं
109. धीरेन्द्र बहादुर सिंह, श्री रायबरेली
110. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्ध नगर
111. नन्द किशोर गुर्जर, श्री गाजियाबाद
112. नफीस अहमद, श्री आजमगढ़
113. नरेन्द्र पाल सिंह, कुँ0 जालौन
114. नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री सीतापुर
115. नरेश सैनी, श्री सहारनपुर
116. नवाब जान, श्री मुरादाबाद
117. नसीर अहमद खाँ श्री रामपुर
118. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
119. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
120. निर्मला संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
121. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
122. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
123. नीलम करवरिया, श्रीमती इलाहाबाद
124. नील रतन सिंह पटेल 'नीलू', श्री वाराणसी
125. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
126. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
127. पंकज सिंह, श्री गौतमबुद्ध नगर
128. पक्षालिका सिंह, रानी आगरा
129. पवन कुमार, श्री कुशीनगर
130. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
131. पारसनाथ यादव, श्री जौनपुर
132. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
133. प्रकाश चन्द्र द्विवेदी, श्री बांदा
134. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
135. प्रतीक भूषण सिंह, श्री गोण्डा
136. प्रदीप कुमार, श्री सहारनपुर
137. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
138. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
139. प्रभुनारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
140. प्रमोद उटवाल, श्री मुजफ्फरनगर
141. प्रवीण कुमार सिंह, श्री इलाहाबाद
142. प्रेम नारायण पाण्डेय, श्री गोण्डा
143. प्रेमसागर पटेल, श्री महाराजगंज
144. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
145. फागू चौहान, श्री मऊ
146. बजरंग बहादुर सिंह, श्री महाराजगंज
147. बन्दना सिंह, श्रीमती आजमगढ़
148. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
149. बहोरन लाल मौर्य, श्री बरेली
150. बाबा गोरखनाथ, श्री फैजाबाद
151. बाबू राम पासवान, श्री पीलीभीत
152. बावन सिंह, श्री गोण्डा
153. बिमला सिंह सोलंकी, श्रीमती बुलन्दशहर
154. बिहारीलाल आर्य, श्री झांसी
155. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
156. बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया, श्री महोबा
157. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
158. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
159. बृजेश कुमार प्रजापति, श्री बांदा
160. बैजनाथ रावत, श्री बाराबंकी
161. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
162. ब्रिजेश, श्री सहारनपुर
163. भगवती प्रसाद सागर, श्री कानपुर नगर
164. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
165. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद

166. मनीषा अनुरागी, श्रीमती हमीरपुर
167. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
168. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
169. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
170. मन्जू शिवाज, डॉ0 गाजियाबाद
171. ममतेश शाक्य, श्री कासगंज
172. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री रायबरेली
173. मसूद अखतर, श्री सहारनपुर
174. महबूब अली, श्री अमरोहा
175. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
176. महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री सीतापुर
177. महेन्द्र सिंह खडगवंशी, श्री अमरोहा
178. महेश कुमार गोयल, श्री आगरा
179. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
180. माधवेन्द्र प्रताप, कुंवर हरदोई
181. माधुरी वर्मा, श्रीमती बहराइच
182. मानवेन्द्र सिंह, श्री शाहजहांपुर
183. मुकुट बिहारी, श्री बहराइच
184. मुकेश चन्द्र वर्मा, श्री फिरोजाबाद
185. मूलचन्द्र सिंह, श्री जालौन
186. मो0 आजम खां, श्री रामपुर
187. मो0 मुजतबा सिद्दीकी, श्री इलाहाबाद
188. मोहम्मद असलम ''राइनी'' (एडवोकेट), श्री श्रावस्ती
189. मोहम्मद रिजवान, श्री मुरादाबाद
190. मो0 फईम इरफान, श्री मुरादाबाद
191. मौहम्मद अब्दुल्ला आजम खां, श्री रामपुर
192. यासर शाह, श्री बहराइच
193. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
194. योगेश धामा, श्री बागपत
195. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
196. रजनीकान्त मणि त्रिपाठी, श्री कुशीनगर
197. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
198. रणवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ धुन्नी भइया, श्री फतेहपुर
199. रत्नाकर मिश्र, श्री मिर्जापुर
200. रफीक अन्सारी, श्री मेरठ
201. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
202. रमाशंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
203. रमेश चन्द्र दिवाकर, श्री औरैया
204. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
205. रवि कुमार सोनकर, श्री बस्ती
206. रविन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री भदोही
207. रवि शर्मा, श्री झांसी
208. रवीन्द्र जायसवाल, श्री वाराणसी
209. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री महोबा
210. आर0 के0 वर्मा, डॉ0 प्रतापगढ़
211. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
212. राकेश सिंह, श्री रायबरेली
213. राकेश सिंह बघेल, श्री सन्तकबीर नगर
214. राघवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
215. राज करन कबीर, श्री बांदा
216. राजकुमार अग्रवाल, श्री हरदोई
217. राजकुमार उर्फ राजू यादव, श्री मैनपुरी
218. राजबाला, श्रीमती रामपुर
219. राजमणि कोल, श्री इलाहाबाद
220. राजवीर दिलेर, श्री अलीगढ़
221. राजीव तरारा, श्री अमरोहा
222. राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
223. राजीव सिंह ''पारीछा'', श्री झांसी
224. राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती, श्री प्रतापगढ़
225. राजेश अग्रवाल, श्री बरेली

226. राजेश कुमार मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल, श्री बरेली
227. राजेश कुमार सिंह (चुन्नू), श्री मुरादाबाद
228. राजेश गौतम, श्री सुल्तानपुर
229. राधा मोहन दास अग्रवाल, डॉ0 गोरखपुर
230. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकर नगर
231. रामकुमार वर्मा, पटेल, श्री खीरी
232. राम कृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
233. राम गोविन्द चौधरी, श्री बलिया
234. राम चन्द्र यादव, श्री फैजाबाद
235. राम नरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
236. राम नरेश रावत, श्री रायबरेली
237. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
238. राम प्रताप सिंह, श्री आगरा
239. राम प्रताप उर्फ शशिकांत वर्मा, श्री बलरामपुर
240. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
241. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
242. रामानन्द बौद्ध, श्री कुशीनगर
243. राहुल प्रकाश, श्री मिर्जापुर
244. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
245. रितेश पाण्डेय, श्री अम्बेडकर नगर
246. रीता बहुगुणा जोशी, प्रो0 लखनऊ
247. रोशन लाल वर्मा, श्री शाहजहांपुर
248. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
249. लाखन सिंह, श्री औरैया
250. लाल जी वर्मा, श्री अम्बेडकर नगर
251. लाल बहादुर, श्री कौशाम्बी
252. लीना तिवारी, श्रीमती जौनपुर
253. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
254. लोकेन्द्र सिंह, श्री बिजनौर
255. विक्रम सिंह, श्री फतेहपुर
256. विक्रम सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
257. विक्रमाजीत मौर्य, श्री इलाहाबाद
258. विजय कुमार कश्यप, श्री मुजफ्फरनगर
259. विजय पाल (आढती), श्री हापुड़
260. विजेन्द्र सिंह, श्री बुलन्दशहर
261. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
262. विनय शंकर तिवारी, श्री गोरखपुर
263. विनय शाक्य, श्री औरैया
264. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
265. विपिन कुमार 'डेविड', श्री एटा
266. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
267. विमलेश पासवान, डा0 गोरखपुर
268. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
269. वीर विक्रम सिंह, प्रिंस शाहजहांपुर
270. वीरेन्द्र, श्री एटा
271. वीरेन्द्र सिंह सिरोही, श्री बुलन्दशहर
272. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री फैजाबाद
273. शरद कुमार अवस्थी, श्री बाराबंकी
274. शरदवीर सिंह, श्री शाहजहांपुर
275. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
276. शारदा प्रसाद, श्री चन्दौली
277. शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली, श्री आजमगढ़
278. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा
279. शीतला प्रसाद, श्री कौशाम्बी
280. शुचिस्मिता मौर्या, श्रीमती मिर्जापुर
281. शैलेन्द्र यादव ललई, श्री जौनपुर
282. शैलेश कुमार सिंह ''शैलू'', श्री बलरामपुर
283. शोभा सिंह चौहान, श्रीमती फैजाबाद
284. श्याम धनी, श्री सिद्धार्थनगर
285. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
286. श्याम बिहारी लाल, डॉ0 बरेली
287. श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
288. श्रीकान्त शर्मा, श्री मथुरा
289. श्रीराम सोनकर, श्री मऊ
290. संगम लाल गुप्ता, श्री प्रतापगढ़

291. संग्राम यादव, डॉ0 आजमगढ़
292. संगीता बलवन्त, डा0 गाजीपुर
293. संगीता यादव, श्रीमती गोरखपुर
294. संजय, श्री बुलन्दशहर
295. संजय कुमार, श्री कौशाम्बी
296. संजय गर्ग, श्री सहारनपुर
297. संजय प्रताप जायसवाल, श्री बस्ती
298. संजय यादव, श्री बलिया
299. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत
300. संजीव कुमार, श्री सोनभद्र
301. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
302. संजीव राजा, श्री अलीगढ़
303. संजू देवी, श्रीमती अम्बेडकर नगर
304. सतीश चंद्र शर्मा, श्री बाराबंकी
305. सतीश चन्द्र द्विवेदी, डॉ0 सिद्धार्थनगर
306. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
307. सत्यदेव पचौरी, श्री कानपुर नगर
308. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
309. सत्य प्रकाश अग्रवाल ''कैलाश डेरी वाले'', श्री मेरठ
310. सत्यवीर त्यागी, श्री मेरठ
311. सन्त प्रसाद, श्री गोरखपुर
312. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा
313. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री बाराबंकी
314. साधना सिंह, श्रीमती चन्दौली
315. सावित्री कठेरिया, श्रीमती इटावा
316. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री इलाहाबाद
317. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
318. सुखदेव राजभर, श्री आजमगढ़
319. सुनीता, श्रीमती गाजीपुर
320. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
321. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर फर्रुखाबाद
322. सुनील वर्मा, श्री सीतापुर
323. सुभाष त्रिपाठी एडवोकेट, श्री बहराइच
324. सुरेन्द्र नाथ सिंह, श्री बलिया
325. सुरेन्द्र नारायण सिंह, श्री वाराणसी
326. सुरेश कुमार, श्री शामली
327. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
328. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
329. सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री लखनऊ
330. सुरेश तिवारी, श्री देवरिया
331. सुरेश राही, श्री सीतापुर
332. सुरेश्वर सिंह, श्री बहराइच
333. सुशान्त कुमार सिंह, कुँ0 बिजनौर
334. सुशील कुमार शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
335. सुषमा पटेल, श्रीमती जौनपुर
336. सूर्य प्रताप शाही, श्री देवरिया
337. सूर्यभान सिंह, श्री सुल्तानपुर
338. सोमेन्द्र तोमर, डॉ0 मेरठ
339. सोवरन सिंह यादव, श्री मैनपुरी
340. सोहिल अख्तर अंसारी, श्री कानपुर नगर
341. सौरभ श्रीवास्तव, श्री वाराणसी
342. सौरभ सिंह, श्री खीरी
343. स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री कुशीनगर
344. हरगोविन्द भार्गव, डॉ0 सीतापुर
345. हरिशंकर माहौर, श्री हाथरस
346. हरीराम, श्री सोनभद्र
347. हरेन्द्र प्रसाद सिंह, डॉ0 जौनपुर
348. हर्षवर्धन बाजपेयी, श्री इलाहाबाद
349. हाकिम लाल बिन्द, श्री इलाहाबाद
350. हेमलता दिवाकर कुशवाहा, श्रीमती आगरा
351. हृदय नारायण दीक्षित, श्री उन्नाव

नोटः- मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ), लोक निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण उप मुख्य मंत्री (केशव प्रसाद मौर्य), तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मुस्लिम वक्फ, हज राज्य मंत्री (श्री मोहसिन रजा) भी सदन में उपस्थित थे।

[11.00 बजे] अधिकांश सदस्यों के श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के बोलने की इच्छा के कारण कार्य-सूची के सभी प्रश्नों की उत्तरित माना जाए

श्री अध्यक्ष-

श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर सभी माननीय सदस्यगण बोलना चाहते थे। इस दृष्टि से जितने प्रश्न पूछे गये है, उनको हम उत्तरित मान लेते है और वह कार्यवाही का भाग होंगे।

श्री अध्यक्ष-

माननीय पारसनाथ यादव जी।

श्री पारस नाथ यादव-

माननीय अध्यक्ष जी आपके आदेश का पालन होगा, किया जाता रहा है और किया जाता रहेगा। लेकिन संसदीय व्यवस्थाओं में जो एजेण्डे छपते हैं, उसी के अनुसार जो कार्यवाही का संचालन होता है। चूंकि एजेण्डे में अल्पसूचित तारांकित तथा तारांकित ये दोनों नं0 1 और 2 छपा है और नं0-20 पर कार्य-स्थगन छपा है। लेकिन एजेण्डा छपने के पहले यह निर्णय जब आपका हुआ तो एजेण्डे में यह चीजें आ गई तो इसको मेरा आग्रह और निवेदन होगा कि यह जो प्रश्न बहुत महत्वपूर्ण है, इनको यदि आप ले लें तो चर्चा जिस तरीके से होती है ये आप भी जानते हैं, लिखित भी चर्चा सम्मिलित की जाती है और प्रश्नों को छोड़ देने से फिर ये प्रश्न दोबारा नहीं लिये जाते हैं। इसलिये प्रश्नों का उत्तर आ जायेगा तभी ये प्रश्न अल्पसूचित तारांकित और तारांकित माने जा सकते है। मेरा आग्रह है कि इन प्रश्नों पर विचार करें।

श्री अध्यक्ष-

पूरे सदन के सभी दलों के माननीय सदस्यगण बोलना चाहते हैं।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, आदेश किया गया था कि हम एजेण्डे से चलेंगे और आज एजेण्डे से नहीं चला जा रहा है। ऐसी कौन-सी विसंगति आ गई है ?

श्री अध्यक्ष-

ऐसी कोई विसंगति नहीं आई है। हम लोगों में आपस में परामर्श हुआ था, उस परामर्श का यहां उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है।

नोट :-उ0प्र0 विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली, 1958 के नियम-41 के अन्तर्गत सभी प्रश्न उत्तरित माने गये।

प्रश्नोत्तर

नत्थी (क)

अल्पसूचित तारांकित प्रश्न

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हेतु प्रदेश में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों उनको प्रोत्साहित करने विषयक

****01-सुश्री अदिति सिंह-**

क्या औद्योगिक विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा एफ0डी0आई0 (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) हेतु उनको प्रोत्साहित करने की सरकार की कोई योजना प्रचलित है ? यदि हां, तो प्रदेश के समुचित विकास करने तथा उसको मुख्य धारा में लाने हेतु क्या सरकार द्वारा कम्पनियों को प्रोत्साहित करने के लिये समय-समय पर उनके साथ बैठकें आयोजित की गयी हैं ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

औद्योगिक विकास मंत्री (श्री सतीश महाना)-

प्रदेश में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा एफ0डी0आई0 (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) हेतु उनको प्रोत्साहित करने के लिये पृथक से कोई नीति नहीं है। परन्तु भारत सरकार की नीति के अन्तर्गत जो प्रस्ताव प्रदेश में आयेंगे उन्हें उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2017 के अन्तर्गत सुविधायें प्रदान की जायेंगी। बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के प्रतिनिधियों के साथ समय-समय पर बैठकें आयोजित की जाती हैं। इस सम्बन्ध में अमेरिका, नीदरलैण्ड्स, फिनलैण्ड, थाइलैण्ड, मलेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, चेकोसलोवाकिया इत्यादि देशों की कम्पनियों के साथ बैठकें आयोजित की गई हैं एवं इन्हें प्रदेश में निवेश हेतु आमंत्रित किया गया है।

नत्थी (ख)

तारांकित प्रश्न

[उ0प्र0 विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-38(2) के अन्तर्गत प्राथमिकता प्राप्त तारांकित प्रश्न]

प्रदेश में प्रधानमंत्री योजना के अन्तर्गत उद्योग लगाने के लिये वित्तीय वर्ष 2014-15, 2015-16, 2016-17 में कुल प्राप्त प्रस्तावों के सम्बन्ध में

***01-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-**

क्या सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में प्रधानमंत्री योजना के अन्तर्गत उद्योग लगाने के लिये वित्तीय वर्ष 2014-15, 2015-16, 2016-17 में कुल कितने प्रस्ताव प्राप्त हुये, उसमें से कितने स्वीकृत हुये तथा कितने युवाओं को प्रशिक्षणोपरान्त रोजगार प्रदान किया गया ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

खादी ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, वस्त्र उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं माध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन (श्री सत्यदेव पचौरी)-

प्रदेश में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के अन्तर्गत उद्योग लगाने के लिये वित्तीय वर्ष 2014-15, 2015-16, 2016-17 में प्राप्त/बैंकों को संस्तुत/स्वीकृत एवं प्रशिक्षणोपरान्त रोजगार सृजन का विवरण निम्नवत् है :-

वर्ष	प्राप्त प्रस्ताव	बैंकों को संस्तुति	स्वीकृत	वितरण	रोजगार सृजन
2014-15	43657	20715	5569	4941	48557
2015-16	38887	15767	5466	4339	42369
2016-17	46235	11565	4873	3766	38433
योग	128779	48047	15908	13046	129259

हां।

विवरण उपर्युक्तानुसार अंकित है।

प्रश्न नहीं उठता।

नत्थी (ग)

तारांकित प्रश्न

जनपद बरेली के बहेड़ी कताई मील को पी0पी0पी0 माडल पर चलाने की कार्य योजना बनाने विषयक

***01-श्री छत्रपाल सिंह गंगवार-**

क्या औद्योगिक विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में उ0 प्र0 सहकारी कताई मील संघ, कानपुर की नौ मीलें बन्द पड़ी हैं ? क्या सरकार को जानकारी है कि उक्त में लगभग 10,000 लोगों को रोजगार देने वाली बरेली जनपद की बहेड़ी कताई मील अच्छी व चालू हालत में है ? यदि हां, तो क्या सरकार की बहेड़ी कताई मील को पी0पी0पी0 माडल पर चलाने की योजना है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सतीश महाना-

जी हां।

टैक्सटाइल उद्योग में व्याप्त भारी मंदी एवं विपरीत बाजारी परिस्थितियों के कारण मीलों का संचालन बन्द हो गया, जिसमें बहेड़ी मील के संचालन हेतु निविदा स्वीकार करते हुये मील संचालन की कार्यवाही की गई थी, किन्तु निविदाकर्ता द्वारा मील के संचालन में असमर्थता जताई गई, जिस पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुये निविदा अनुबन्ध निरस्त कर दिया गया तथा मील की परिसम्पत्तियों का भौतिक कब्जा जिला मजिस्ट्रेट, बरेली/परिसमापक द्वारा जून, 2013 में प्राप्त कर लिया गया है। बहेड़ी कताई मील परिसमापनाधीन है।

इस प्रकार की कोई योजना वर्तमान में संचालित नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

लगातार हो रहे घाटे के कारण कार्यशील पूंजी के अभाव में उ0प्र0 सहकारी कताई मिल लि0, बहेड़ी अगस्त, 2010 से बन्द है। बहेड़ी कताई मिल की परिसम्पत्तियां परिसमापक के अधीन है। इस उद्योग में व्याप्त मन्दी, विपरीत बाजारीय परिस्थितियों तथा जर्जर वित्तीय स्थिति के कारण मील के संचालन की कोई योजना नहीं है। उ0प्र0 सहकारी कताई मिल्स संघ लि0, कानपुर की सदस्य कताई मील बहेड़ी जनपद बरेली के समस्त श्रमिकों/कर्मचारियों द्वारा वी0आर0एस0 का हितलाभ प्राप्त कर लिया गया है।

प्रदेश में ब्लाक, तहसील, जनपद स्तर पर कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत किये जा रहे कार्य के सम्बन्ध में

***02-श्री सहेन्द्र सिंह रमाला**

व्यावसायिक शिक्षा एवं विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में कौशल विकास मिशन पर कार्य हो रहा है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

खेल युवा कल्याण तथा व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री (श्री चेतन चौहान)-

जी हां।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा प्रदेश के 14-35 आयु वर्ग के अल्पशिक्षित एवं स्कूल ड्रापआउट युवाओं के लिये रोजगारपरक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से निम्नलिखित प्रशिक्षण योजनायें संचालित की जा रही है :-

1-दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना

2-प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (राज्य घटक)

3-बार्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोग्राम

4-स्पेशल सेन्ट्रल एसिस्टेंस टू शेड्यूल्ड कास्ट सब प्लान

5-मल्टी सेक्टोरल डेवलपमेंट प्रोग्राम

6-बिल्डिंग एण्ड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स योजना

7-स्टेट स्किल डेवलपमेंट फन्ड

मिशन द्वारा सितम्बर, 2013 में अपनी स्थापना के पश्चात् से जनवरी, 2018 तक प्रदेश में कुल 6,25,665 युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु इनरोल तथा 4,42,447 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

वर्ष 2018-19 में प्रदेश के किसानों का सरकारी कृषि ऋण माफ करने के सम्बन्ध में जानकारी

***03-श्री अजय कुमार 'लल्लू', श्री पारसनाथ यादव तथा श्री अमन मणि त्रिपाठी-**

क्या कृषि मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2018-2019 में प्रदेश के किसानों का सरकारी कृषि ऋण माफ करने के लिए कोई योजना है ? यदि हां, तो उसका

विवरण क्या है ? क्या सरकार गरीब किसानों के हितों को दृष्टिगत उनका सभी प्रकार का कृषि ऋण माफ करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री (श्री सूर्य प्रताप शाही)-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

जी हां।

फसल ऋण मोचन योजनान्तर्गत ऐसे लघु एवं सीमान्त किसानों को जिनके द्वारा फसल ऋण दिनांक 31 मार्च, 2016 या इसके पूर्व ऋण प्रदाता संस्थाओं से प्राप्त किया गया हो, राज्य सरकार द्वारा एक लाख रुपये तक की धनराशि का ऋण मोचन प्रदान करने की व्यवस्था है।

अतः प्रश्न नहीं उठता है।

प्रदेश के डार्क जोन के विकास खण्डों में सिंचाई हेतु ड्रिप एवं स्प्रिकंलर पद्धति के प्रोत्साहन हेतु कार्य योजना बनाने विषयक

***04-डॉ0 आर0 के0 वर्मा-**

क्या कृषि मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के डार्क जोन घोषित किये गये विकास खण्डों में जहां सिंचाई हेतु नहर संचार की तथा राजकीय नलकूप की कमी है वहां पर फसलों की सिंचाई हेतु क्या सरकार ड्रिप एवं स्प्रिंकलर पद्धतियों को प्रोत्साहन देने हेतु कोई त्वरित प्रभावी कार्य योजना बनायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

सूर्य प्रताप शाही-

जी हां।

वर्ष 2017-18 से 2021-22 तक कृषि विभाग द्वारा संचालित बुन्देलखण्ड क्षेत्र में सिंचाई जल उपयोग की क्षमता बढ़ाने की योजना एवं प्रदेश के अतिदोहित, क्रिटिकल एवं सेमी क्रिटिकल विकास खण्डों में अनुदान पर स्प्रिंकलर सेट वितरण की योजनाओं में निर्धारित इकाई लागत के सापेक्ष प्रदेश के लघु एवं सीमान्त कृषकों को 90 प्रतिशत एवं अन्य कृषकों को 80 प्रतिशत अनुदान की सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु योजना तैयार की गयी है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के चौराहों परभीख मांगने वाले गरीब बच्चों और महिलाओं को अनाथ आश्रम भिजवाने के सम्बन्ध में

***05-श्री अजीत पाल त्यागी-**

क्या समाज कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के चौराहों पर छोटे-छोटे बच्चे एवं महिलायें जो कि एक संगठित संघठन की देख-रेख में भीख मांगते हैं, जिससे उनका उत्पीड़न होता हैं एवं जाम की स्थिति चौराहों पर रहती है ? क्या सरकार उन बच्चों को संगठित संघठन के चंगुल से

छुड़वा कर उन्हें उनके परिवार या अनाथ आश्रम में भिजवाने एवं उनके भविष्य हेतु कोई कार्यवाही करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

समाज कल्याण, अनूसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री (श्री रमापति शास्त्री)-

उ0प्र0 भिक्षावृत्ति प्रतिषेध अधिनियम, 1975 की धारा-9 के अन्तर्गत पुलिस को अधिकार है कि वह बिना किसी वारन्ट के भिक्षा मांगते हुये भिक्षुकों को गिरफ्तार कर न्यायालय द्वारा भिक्षुक माने गये व्यक्ति को राजकीय प्रमाणित संस्था (भिक्षुक गृह) में निरुद्ध कर सकता है।

उक्त अधिनियम में व्यवस्था है कि यदि किसी नाबालिग पर भिक्षावृत्ति का आरोप सिद्ध होता है तो उसे राजकीय पर्यवेक्षण गृह/किशोर गृह में रखा जाता है, जहां उसको स्वावलम्बी बनाने की व्यवस्था है।

उपरोक्तानुसार।

***06-श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-**

[मा0 सदस्य के अनुरोध पर दूसरे गुरुवार हेतु स्थगित]

प्रदेश में ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रंट कारिडोर के दोनों तरफ स्मार्ट सिटी एवं उद्योग विकसित करने के सम्बन्ध में

***07-श्री हर्षवर्धन बाजपेयी-**

क्या औद्योगिक विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि केन्द्र सरकार की बड़ी योजना ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रंट कॉरिडोर के दोनों तरफ की भूमि उद्योग और स्मार्ट सिटी डेवलप करने के लिये उत्तम है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त कॉरिडोर से सटे हुये क्षेत्रों में उद्योग, स्मार्ट सिटी या अन्य कोई विकास या रोजगारपरक योजनायें बनायेगी जो माल एवं यात्रियों की समुद्र एवं महानगरों से बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ प्राप्त कर पायें ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सतीश महाना-

जी हां।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से डी0एम0आई0सी0 परियोजना के अन्तर्गत अर्लीबर्ड परियोजनायें जैसे आई0आई0टी0जी0एन0एल0, मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब लाजिस्टिक हब विकसित किया जाना प्रस्तावित है। यू0पी0एस0आई0डी0सी0 द्वारा भी अमृतसर-कोलकाता डेडीकेटेड इण्डस्ट्रियल कोरिडोर (ए0के0आई0सी0) परियोजना के अन्तर्गत 03 इन्टीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (आई0एम0सी0) कानपुर क्षेत्र, इलाहाबाद क्षेत्र व आगरा-अलीगढ़ क्षेत्र में स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।

प्रश्न नहीं उठता।

***08-श्री पारस नाथ यादव-**

[पुनरावृत्ति के आधार पर निरस्त]

अतारांकित प्रश्न

जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र आलापुर में खेल एवं संगीत प्रशिक्षण संस्थान खोले जाने के सम्बन्ध में

01-श्रीमती अनीता-

क्या युवा कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद अम्बेडकरनगर के आलापुर विधान सभा क्षेत्र में खेल एवं संगीत प्रशिक्षण संस्थान खोले जाने के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्रांक सं0-0075, दिनांक 16-10-2017 उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्रवाई की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री चेतन चौहान-

जी नहीं।

इस क्रम में यह भी अवगत कराना है कि अम्बेडकरनगर के आलापुर विधान सभा क्षेत्र में खेल एवं संगीत प्रशिक्षण संस्थान खोले जाने के सम्बन्ध में युवा कल्याण विभाग में कोई योजना नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र आलापुर के अन्तर्गत कृषि विपणन केन्द्र एवं गल्ला मण्डी गोदाम की स्थापना के सम्बन्ध में

02-श्रीमती अनीता-

क्या कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद अम्बेडकरनगर के आलापुर विधान सभा क्षेत्र में कृषि विपणन केन्द्र एवं गल्ला मण्डी/गोदाम की स्थापना के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्रांक सं0-0077, दिनांक 16-10-2017 उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्रवाई की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्रीमती स्वाती सिंह)-

जी हां।

तहसील आलापुर क्षेत्रान्तर्गत 04 एग्रीकल्चरल मार्केटिंग हब पिपरा हिसामुद्दीनपुर तेंदुआ अहरौली गोविन्द साहब एवं बसहिया गंगासागर का निर्माण कराया गया है ? जिनमें कुल 16 दुकानें एवं 02 नीलामी चबूतरा निर्मित है। मा0 संचालक मण्डल द्वारा निर्धारित मानक पूरे न होने के कारण आलापुर को मण्डी/उपमण्डी घोषित नहीं कराया जा सका है।

उपरोक्तानुसार।

विधान सभा क्षेत्र सहसवान के अन्तर्गत इस्लाम नगर में मण्डी के अधूरे कार्य को पूर्ण कराने के सम्बन्ध में

03-श्री ओमकार सिंह-

क्या कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बदायूं के विधान सभा क्षेत्र सहसवान के अन्तर्गत इस्लाम नगर में मण्डी स्वीकृत है ? क्या सरकार को मालूम है कि उक्त मण्डी का कुछ कार्य हुआ है व धनाभाव के कारण शेष कार्य रुका पड़ा है ? यदि हां, तो

क्या सरकार आवश्यक धन उपलब्ध कराकर अधूरे कार्य को पूर्ण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती स्वाती सिंह-

जी हां।

नवीन मण्डी स्थल इस्लामनगर की चहारदीवारी के निर्माण का कार्य स्वीकृत था, जिसे पूर्ण करा दिया गया है।

नवीन मण्डी स्थल इस्लामनगर में चहारदीवारी के निर्माण के अतिरिक्त धनाभाव के कारण अन्य किसी कार्य की परियोजना स्वीकृत नहीं की गयी है। मण्डी समिति के पास धन उपलब्ध होने पर अन्य कार्य कराये जायेंगे।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

सहारनपुर मण्डी के पावरलूम के कल्याणार्थ तथा उनकी समस्याओं के निराकणार्थ नोडल कार्यालय की स्थापना विषयक

04-श्री नाहिद हसन-

क्या हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि सहारनपुर मण्डल के पावरलूम बुनकरों के कल्याणार्थ व उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु नोडल कार्यालय की स्थापना सहारनपुर मण्डल कार्यालय में की जायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सत्यदेव पचौरी-

जी नहीं।

प्रश्न ही नहीं उठता।

समस्त उत्तर प्रदेश में 13 परिक्षेत्रीय सहायक आयुक्त हथकरघा का कार्यालय पूर्व से ही विद्यमान है जिसमें मेरठ परिक्षेत्र के अन्तर्गत सहारनपुर भी आता है जिसके माध्यम से हथकरघा एवं पावरलूम बुनकरों के कल्याण एवं विकास हेतु संचालित भारत सरकार/राज्य सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाता है साथ ही उनकी समस्याओं का निराकरण भी कराया जाता है। प्रदेश में कुल 13 परिक्षेत्र हैं। मेरठ परिक्षेत्र से सहारनपुर मण्डल का कार्य देखा जाता है। सम्प्रति विभाग में अधिकारियों/कर्मचारियों की कमी भी है। किसी भी नये मण्डल में नया सहायक आयुक्त हथकरघा का कार्यालय खोलने का कोई प्रस्ताव/औचित्य नहीं है।

जनपद महोबा के विधान सभा क्षेत्र चरखारी में बन्द पड़े श्री क्षेत्रीय गांधी आश्रम उत्पत्ति केन्द्र जैतपुर को पुनः चालू करने के सम्बन्ध में

05-श्री बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया-

क्या खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि विधान सभा क्षेत्र चरखारी जनपद महोबा में श्री क्षेत्रीय गांधी आश्रम उत्पत्ति केन्द्र जैतपुर उ0 प्र0 बन्द पड़ा है, जिसमें लगभग 4 हजार मजदूर बुनकर का कार्य करते थे ? क्या सरकार जनहित में उक्त केन्द्र को पुनः चलायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सत्यदेव पचौरी-

विधान सभा क्षेत्र चरखारी जनपद महोबा में श्री क्षेत्रीय गांधी आश्रम उत्पत्ति केन्द्र जैतपुर के पुनर्संचालन का अधिकार खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग के अधीन कार्यरत उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड में निहित नहीं है। क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत स्वशासी संस्था है, जो भारत सरकार के अधीनस्थ खादी और ग्रामोद्योग आयोग से वित्त पोषित/पंजीकृत एवं नियंत्रणाधीन है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद जौनपुर के विकास खण्ड मुंगराबादशाहपुर एवं सुजानगंज में 2017-18 में दिव्यांगजनों की वितरित की गयी ट्राईसाइकिल के सम्बन्ध में जानकारी

06-श्रीमती सुषमा पटेल-

क्या दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के विकास खण्ड-मुंगराबादशाहपुर, विकास खण्ड- सुजानगंज में वर्ष 2017-18 में कितने दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल उपलब्ध करायी गयी है ? क्या सरकार वित्तीय वर्ष 2017-18 में उन दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल उपलब्ध करायेगी जिनके आवेदन-पत्र लम्बित हैं ? यदि नहीं, तो क्यों ?

पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री (श्री ओम प्रकाश राजभर)-

जी नहीं।

जनपद जौनपुर के विकास खण्ड-मुंगराबादशाहपुर एवं विकास खण्ड-सुजानगंज में वर्ष 2017-18 में अभी तक किसी भी दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल उपलब्ध नहीं करायी गई है।

जिन दिव्यांगजनों द्वारा ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने हेतु आवेदन-पत्र दिया जायेगा उनका नियमानुसार स्वास्थ्य परीक्षण कराकर चिन्हांकनोंपरान्त पात्र दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल/अन्य उपकरण उपलब्ध कराये जायेंगे।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखीमपुर खीरी की धौरहरा में गांवों की सड़कों की गड्ढा मुक्त कराने विषयक

07-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

क्या कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखीमपुर खीरी की तहसील धौरहरा में 48 नग मण्डी सड़क हैं जिनमें 45 नग सड़क पर गड्ढामुक्त कार्य नहीं किया गया है ? क्या सरकार उक्त अवशेष सड़कों को गड्डामुक्त करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती स्वाती सिंह-

जनपद लखीमपुर खीरी की तहसील धौरहरा में 48 नग नहीं बल्कि 45 सड़कें पूर्व में मण्डी परिषद् द्वारा निर्मित कराई गई, जिनमें से कुल 44 नग सम्पर्क मार्गों में गड्ढामुक्त का कार्य पूर्ण करा

दिया गया है। 01 नग मार्ग घाघरा नदी की कटान में समाहित हो जाने के कारण गड्ढामुक्ति का कार्य नहीं किया जा सका है।

उपरोक्तानुसार।

गड्ढा मुक्तिकरण का कार्य पूर्ण हो गया है।

लेपन का कार्य दिनांक 31 मार्च, 2018 तक पूर्ण करा दिया जायेगा।

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद चित्रकूट में औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के सम्बन्ध में

08-श्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय-

क्या औद्योगिक विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद चित्रकूट में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना की गई है ? यदि हां, तो कहां पर तथा इसमें अब तक कितनी औद्योगिक इकाइयां स्थापित हुई हैं ? यदि नहीं, तो क्या सरकार समयबद्ध रूप से औद्योगिक इकाइयां लगाने का लक्ष्य निर्धारित करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सतीश महाना-

जी हां।

जनपद चित्रकूट में बरगढ़ प्रथम (499 एकड़) बरगढ़-द्वितीय (153 एकड़) के नाम से उ0प्र0 राज्य औद्योगिक विकास निगम लि0 द्वारा दो औद्योगिक क्षेत्र विकसित किये गये हैं। औद्योगिक क्षेत्र बरगढ़-प्रथम में 499 एकड़ भूमि पर मै0 कान्टीनेन्टल फ्लोट ग्लास लि0 द्वारा वर्ष 1986/1990 में आवंटन के पश्चात् इकाई स्थापित की गयी थी जो कि वर्तमान में रूग्ण है। औद्योगिक क्षेत्र बरगढ़-द्वितीय में भू-खण्ड स0 बी-6 एवं बी-7 में मैं प्रयाग स्टील प्रा0लि0 की इकाई स्थापित हुई जिसमें वर्तमान में उत्पादन कार्य बन्द है।

वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्र बरगढ़-द्वितीय में 124 भू-खण्ड औद्योगिक इकाइयों के स्थापनार्थ आवंटन हेतु उपलब्ध है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में पात्र लोगों को वृद्धावस्था पेंशन न मिलने के सम्बन्ध में दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही

09-श्री शशांक त्रिवेदी-

क्या समाज कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में ऐसे कितने वृद्धजन हैं जिन्होंने वृद्धावस्था पेंशन हेतु आवेदन किया है एवं कितने ऐसे हैं जिन्हें पेंशन प्राप्त हो रही है तथा कितने ऐसे जिन्हें पेंशन नहीं मिल पा रही है ? क्या सरकार पात्रता श्रेणी के अवशेष वृद्धजनों को भी वृद्धावस्था पेंशन दिलायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रमापति शास्त्री-

प्रदेश में वृद्धावस्था पेंशन योजनान्तर्गत वर्तमान में 36,05,968 लाभार्थियों को पेंशन प्राप्त हो रही है। आनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया के अन्तर्गत 9,08,886 आवेदकों द्वारा आनलाइन आवेदन भरकर हार्ड कॉपी संलग्नकों सहित सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में जमा किया

गया है। जांच/परीक्षणोपरान्त पात्र पाये गये 1,47,655 नये लाभार्थियों को भी पेंशन भुगतान किया जा चुका है। अपात्र पाये जाने के कारण 1,45,696 आवेदकों के आवेदन-पत्र निरस्त कर दिये गये हैं। अवशेष 6,15,535 आवेदकों के आवेदन-पत्रों की चालू वित्तीय वर्ष में जांच कराकर कार्रवाई हेतु सम्बन्धित जिलाधिकारियों को निर्देश दिये जा चुके हैं।

जी हां।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

विदेशों में कार्य कर रहे भारतीय मूल के लोगों की प्रदेश वापसी के लिये योजना की जानकारी

10-श्री शशांक त्रिवेदी-

क्या एन0आर0आई0 मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के भारतीय मूल के लोग जो विदेशों में कार्य कर रहे हैं प्रदेश वापसी हेतु सरकार की कोई योजना है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती स्वाती सिंह-

जी नहीं।

संकट में फंसे प्रवासियों के सहायतार्थ भारत सरकार से सहयोग एवं समन्वय के लिये प्रदेश सरकार द्वारा एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गयी है। सुरक्षित एवं वैध प्रवासन के प्रति जन जागरूकता पैदा करने के लिये सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की सहायता से इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मीडिया पर प्रचार-प्रसार हेतु समस्त मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारियों को दिशा-निर्देश निर्गत किये गये हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में आवारा पशुओं से हो रही समस्या के समाधान हेतु कार्य योजना बनाने की मांग

11-श्री संजय प्रताप जायसवाल तथा श्री अमन मणि त्रिपाठी-

क्या कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में आवारा पशुओं से किसानों की फसलों को पहुंच रही क्षति की भरपाई के लिये सरकार कोई नीति निर्धारित करेगी ? यदि हां, तो क्या सरकार निर्णय से सदन को अवगत करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सूर्य प्रताप शाही-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

सम्प्रति इस सम्बन्ध में कोई व्यवस्था नहीं है।

जनपद लखनऊ में स्थित ट्रान्जिट हास्टल डालीबाग के सरकारी आवासों में पानी की आपूर्ति बाधित होने के सम्बन्ध में उत्तरदायी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग

12-डॉ0 जमुना प्रसाद सरोज-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जिला लखनऊ में स्थित ट्रान्जिट हास्टल डालीबाग के सरकारी आवासों में अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता की घोर लापरवाही

के कारण पानी की सप्लाई में बाधा बनी हुई है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त गम्भीर प्रकरण की जांच कराकर पानी की सप्लाई सुचारु रूप से करायेगी तथा दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ? यदि हा, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

अधीनस्थ कृषि सेवा संवर्ग की वेतन विसंगतियों को दूर करने एवं द्विस्तरीय व्यवस्था लागू किये जाने विषयक

13-श्री लाल जी वर्मा-

क्या कृषि मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि अधीनस्थ कृषि सेवा संवर्ग की वेतन विसंगतियों को दूर करने एवं द्विस्तरीय व्यवस्था लागू किये जाने विषयक कृषि निदेशक, उ0प्र0 का पत्रांक-कार्मिक-911/5633/भाग-3/317, दिनांक 15 नवम्बर, 2016 उप सचिव (कृषि), उ0 प्र0 शासन को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उस पर अब तक क्या कार्रवाई की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सूर्य प्रताप शाही-

जी हां।

कृषि निदेशक, उ0प्र0 के पत्र दिनांक 15 नवम्बर, 2016 द्वारा प्राप्त प्रस्ताव को सम्यक् विचारोपरान्त शासन के पत्र संख्या-1394/12-4-16-1769/05, दिनांक 29 दिसम्बर, 2016 द्वारा सचिव, वेतन समिति, उ0प्र0, लखनऊ के विचारार्थ भेज दिया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद सीतापुर में कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत वर्ष 2016-17 में प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार दिलाने के सम्बन्ध में

14-डॉ0 हरगोविन्द भार्गव-

क्या व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद सीतापुर में कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत वर्ष 2016-17 में कुल कितने युवाओं को प्रशिक्षित किया गया तथा प्रशिक्षणोपरान्त कितनों को रोजगार प्रदान किया गया है ? क्या सरकार उनके नाम व पते सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री चेतन चौहान-

जनपद सीतापुर में वर्ष 2016-17 में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित विभिन्न रोजगारपरक व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 2529 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिसमें से 299 युवाओं को प्रशिक्षणोपरान्त सेवायोजित कराया गया है।

जी हां।

वर्ष 2016-17 में जनपद सीतापुर में प्रशिक्षित व सेवायोजित युवाओं का विवरण सदन के पटल पर रखने हेतु क्रमशः† सलग्नक-1 व 2 पर संलग्न है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद जौनपुर के विकास खण्ड मुंगराबादशाहपुर व सुजानगंज में प्रधानमंत्री ग्रामोद्योग योजना में चयनित लाभार्थियों के सम्बन्ध में

15-श्रीमती सुषमा पटेल-

क्या खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रधानमंत्री ग्रामोद्योग योजना के अन्तर्गत वर्ष 2016-17 तथा वर्ष 2017-18 में जौनपुर जनपद के विकास खण्ड-मुंगराबादशाहपुर व सुजानगंज में कुल कितने लाभार्थियों का चयन किया गया है ? क्या सभी लाभार्थियों की परियोजनायें स्थापित करा दी गयी हैं ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सत्यदेव पचौरी-

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के अन्तर्गत वर्ष 2016-17 में जनपद-जौनपुर के विकास खण्ड-मुंगराबादशाहपुर में 05 लाभार्थियों एवं विकास खण्ड-सुजानगंज में 01 लाभार्थी का जिला स्तरीय समिति द्वारा चयन किया गया है। उक्त चयनित लाभार्थियों में से 02 इकाइयां स्थापित हुई हैं। वर्ष 2016-17 के चयनित लाभार्थियों में से 02 लाभार्थियों द्वारा रुचि नहीं लेने के कारण उनके ऋण प्रस्ताव बैंक द्वारा निरस्त कर दिये गये हैं। एक आवेदन-पत्र वापस कर दिया गया है, शेष एक आवेदन-पत्र बैंक स्तर पर कार्यवाही की प्रत्याशा में लम्बित है। इसी प्रकार वर्ष 2017-18 में विकास खण्ड-मुंगराबादशाहपुर में 09 लाभार्थियों एवं विकास खण्ड-सुजानगंज में 11 लाभार्थियों का चयन जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा किया गया है, जिसमें से 02 इकाइयां स्थापित की गयी हैं। 02 लाभार्थियों को बैंक द्वारा ऋण स्वीकृत किया गया है। 01 आवेदन-पत्र बैंक द्वारा निरस्त कर दिया गया है। शेष 15 आवेदन-पत्र बैंकों में कार्रवाई की प्रत्याशा में लम्बित हैं।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद जौनपुर के सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र में भूमिगत जल के गिरते स्तर की जांच के सम्बन्ध में

16-श्रीमती सुषमा पटेल-

क्या औद्योगिक विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जौनपुर जनपद के सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र में शीतल पेय बनाने वाली कम्पनियों (पेप्सी व कोका कोला) व एक हाइड्रोपावर प्रोडक्सन, कम्पनी द्वारा भूमिगत जल के अन्धाधुन्ध दोहन के कारण आस-पास के गांवों में भूमिगत जल स्तर के अत्यधिक नीचे गिरने तथा हैण्डपम्पों द्वारा पानी छोड़ देने व कूएं सूख जाने की जानकारी सरकार के संज्ञान में है ? यदि हां, तो क्या सरकार इसके लिये कोई जांच टीम बना कर कार्यवाही सुनिश्चित करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

† छापी नहीं गयी।

श्री सतीश महाना-

जी हां।

उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी, सीडा द्वारा अवगत कराया गया है कि भारत सरकार केन्द्रीय भूमि जल प्राधिकरण जल संसाधन मंत्रालय से तकनीकी जानकारी (एन0ओ0सी0 की वैधता इत्यादि) हेतु पत्र दिनांक 07-02-2018 को प्रेषित किया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र बहेड़ी के गरीब किसानों द्वारा उत्तराखण्ड की बैंकों से लिये गये ऋण को उ0प्र0 फसल ऋण मोचन योजना से आच्छादित से सम्बन्धित सूचना

17-श्री छत्रपाल सिंह गंगवार-

क्या कृषि मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बरेली के बहेड़ी विधान सभा क्षेत्र के किसानों ने सीमावर्ती उत्तराखण्ड की नजदीकी बैंकों से कृषि कार्य हेतु ऋण लिया है ? क्या सरकार प्रदेश के निवासी उक्त किसानों को लाभार्थी बना कर जनहित में कर्जा मुक्त करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सूर्य प्रताप शाही-

जी हां।

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

फसल ऋण मोचन योजना के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या : 540बी/क0नि0-6-2017-01(बी)/2017 दिनांक 24 जून, 2017 के अनुसार उत्तर प्रदेश में निवास करने वाले किसान जिनकी कृषि भूमि उत्तर प्रदेश में स्थित हो एवं उनके द्वारा उत्तर प्रदेश स्थित बैंक शाखा से फसली ऋण लिया गया हो, वही कृषक योजनान्तर्गत ऋण मोचन हेतु पात्र हैं।

जनपद फिरोजाबाद में वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त आवेदन-पत्रों पर कार्यवाही हेतु

18-श्री मनीष असीजा-

क्या समाज कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में वृद्धावस्था पेंशन में दिनांक 25-01-2018 तक ऐसे कितने नये आवेदक हैं जिनके आवेदनों की जांच होने के पश्चात् पात्रता सूची में नाम अंकित हो गया है ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि जनपद में दिनांक 25-01-2018 तक ऐसे कितने आवेदक हैं जिनके आवेदन-पत्रों की जांच लम्बित है ? क्या सरकार बतायेगी कि पात्र नये आवेदकों को कब तक पेंशन की धनराशि भेजेगी एवं वर्तमान में लम्बित आवेदन-पत्रों की जांच कब तक पूर्ण कर लेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रमापति शास्त्री-

जनपद फिरोजाबाद में वृद्धावस्था पेंशन योजनान्तर्गत दिनांक 25-01-2018 तक 1524 नये लाभार्थियों का नाम पात्रता सूची में अंकित हो गया है।

आनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया के अन्तर्गत दिनांक 25-01-2018 तक 5524 आवेदकों के आवेदन पत्रों की जांच लम्बित है।

पात्र 1524 नये लाभार्थियों को पेंशन की धनराशि का भुगतान किया जा चुका है एवं वर्तमान में लम्बित आवेदन-पत्रों की जांच के सम्बन्ध में चालू वित्तीय वर्ष में जांच कराकर कार्यवाही हेतु संबंधित खण्ड विकास अधिकारी/उपजिलाधिकारी को जिलाधिकारी, फिरोजाबाद द्वारा निर्देश दिये गये हैं।

उपरोक्तानुसार।

फिरोजाबाद से गुजरने वाले आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर एक ग्लास एक्सपो मार्ट की स्थापना के सम्बन्ध में जानकारी

19-श्री मनीष असीजा-

क्या सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश सरकार द्वारा उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये नयी औद्योगिक नीति में राष्ट्रीय राजमार्गों, एक्सप्रेस हाइवे आदि के किनारे औद्योगिक आस्थान, मंडियों एवं एक्सपो मार्ट आदि की स्थापना प्रस्तावित की गयी है ? यदि हां, तो क्या सरकार फिरोजाबाद नगर के विश्व प्रसिद्ध कांच उत्पादों के निर्माण प्रक्रिया, वैश्विक बाजार के नवीनतम ट्रेंड निर्माण तकनीकी के आधुनिकीकरण, आयात-निर्यात एवं विपणन के प्रोत्साहन हेतु फिरोजाबाद से गुजरने वाले आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर एक ग्लास एक्सपो मार्ट की स्थापना के सम्बन्ध में पत्र सं0 क-5 नं0 452994, दिनांक 07-05-2017 प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सत्यदेव पचौरी-

जी हां।

उ0प्र0 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम प्रोत्साहन नीति-2017 के अन्तर्गत आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और बुन्देलखण्ड-वे तथा प्रदेश में विकसित किये जा रहे अन्य कारीडोर्स में 5 किलोमीटर की दूरी के अन्तर्गत ग्राम सभा की 5 एकड़ से अधिक भूमि एक जगह उपलब्ध होने पर औद्योगिक आस्थान की स्थापना हेतु प्रस्तावित किया गया है। इसके अतिरिक्त इस नीति के लखनऊ में एक स्थाई प्रदर्शनी केन्द्र का विकास किये जाने तथा राज्य के चयनित शहरों में एक्सपो मार्ट की स्थापना कराये जाने का भी प्रस्ताव है।

जी नहीं, किन्तु फिरोजाबाद से गुजरने वाले आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर एक ग्लास एक्सपो मार्ट की स्थापना के ही सम्बन्ध में मा0 मुख्य मंत्री जी उ0प्र0 को सम्बोधित पत्र संख्या-क-5, नं0-452923, दिनांक 26-07-2017 प्राप्त हुआ है।

लखनऊ में एक एक्सपो मार्ट एवं नोएडा में एक क्राफ्ट मार्ट की स्थापना सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग द्वारा की गयी है, जिसमें अन्य उत्पादों के साथ ग्लास उत्पादों के प्रदर्शन एवं विपणन की भी व्यवस्था है। उक्त मार्टो की व्यवस्था सुदृढ़ होने तक पृथक से ग्लास एक्सपो मार्ट की स्थापना व्यावहारिक नहीं है।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद-बागपत के किसानों के मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराने की जानकारी

20-श्री सहेन्द्र सिंह रमाला-

क्या कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बागपत में कितने किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिया गया है तथा शेष किसानों को कब तक मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिया जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सूर्य प्रताप शाही-

जी हां।

जनपद बागपत में प्रथम चक्र (वर्ष 2015-16 एवं 2016-17) अन्तर्गत निर्धारित लक्ष्य 35409 ग्रिड के सापेक्ष 35409 ग्रिड से मृदा नमूने संग्रहीत किये गये थे, जिसके सापेक्ष 176179 कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराये गये हैं।

वर्तमान में द्वितीय चक्र (वर्ष 2017-18) अन्तर्गत निर्धारित लक्ष्य 17773 ग्रिड के सापेक्ष 17902 ग्रिडों से मृदा नमुने संग्रहीत किये गये हैं। 58090 मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण लक्ष्य के सापेक्ष 86278 कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण हेतु पंजीकृत किया गया है। 17902 संग्रहीत मृदा नमूनों के सापेक्ष 13700 मृदा नमूनों का विश्लेषण कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जिसके सापेक्ष 5109 मृदा नमूनों को ऑनलाइन पोर्टल पर फीड कराते हुये 25622 कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किये जा चुके हैं। शेष मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिनांक 31-03-2018 तक कृषकों में वितरित करा दिये जायेंगे।

प्रश्न नहीं उठता है।

जनपद हाथरस के ब्लाक मुरसान के ग्राम-गुमानपुर में स्टेडियम के निर्माण कराये जाने की मांग

21-श्री रामवीर उपाध्याय-

क्या युवा कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद हाथरस के अन्तर्गत ब्लॉक मुरसान के गांव गुमानपुर में युवाओं के खेलने हेतु स्टेडियम सरकार बनायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री चेतन चौहान-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

सचिव राज्य योजना के अर्द्धशासकीय पत्र संख्या-10(4)/35-आ-1/2011-97, दिनांक 31 अक्टूबर, 2011 द्वारा ग्रामीण स्टेडियम की योजना ड्राप कर दी गयी है।

जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र छानबे में नये आई0टी0आई0 का निर्माण कराने विषयक

22-श्री राहुल प्रकाश-

क्या व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र छानबे के विकास खण्ड हलिया की ग्राम सभा देवहट में प्रस्तावित नये राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई0टी0आई0) का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री चेतन चौहान-

जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र छानबे के तहसील छानबे में वित्तीय वर्ष 2006-07 में एस0सी0पी0 योजनान्तर्गत एक राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान स्वीकृत किया गया था, जो कि वर्तमान में अपने भवन में संचालित हो रहा है।

विभाग द्वारा प्रदेश की असेवित तहसीलों/विकास खण्डों में नये राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना हेतु जारी की गयी नीति के अन्तर्गत जनपद मिर्जापुर की तहसील छानबे वर्तमान में सेवित है। अतः विधान सभा क्षेत्र छानबे के विकास खण्ड हलिया की ग्राम सभा देवहट में नये राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई0टी0आई0) की स्थापना एवं निर्माण का कोई प्रस्ताव नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

तहसील स्तर पर बच्चों को प्रौद्योगिकी शिक्षा के लिये आई0टी0आई0 संस्थान स्थापित करने सम्बन्धी विषयक

23-श्री संजय प्रताप जायसवाल-

क्या व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि सरकार द्वारा बच्चों को प्रौद्योगिकी शिक्षा प्रदान करने के लिए तहसील स्तर पर आई0टी0आई0 संस्थान स्थापित किए जाने का प्राविधान सरकार द्वारा किया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र रूधौली के अन्तर्गत तहसील भानपुर में आई0टी0आई0 संस्थान की स्थापना करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री चेतन चौहान-

जी हां।

व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग द्वारा प्रदेश की असेवित तहसीलों/विकास खण्डों में नये राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना हेतु शासनादेश संख्या-3477/89-व्याव0शि0-2013-63(एम)/2013, दिनांक 6-9-2013 द्वारा नीति जारी की गयी है।

चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 के विभागीय बजट में प्रदेश के असेवित तहसीलों एवं विकास खण्डों में नये राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना हेतु धनराशि का प्राविधान उपलब्ध नहीं होने के कारण नये संस्थानों की स्थापना का कार्य स्थगित है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश के अधीनस्थ कृषि सेवा संवर्ग की वेतन विसंगतियों को दूर करने के सम्बन्ध में कार्यवाही विषयक

24-श्री लालजी वर्मा-

क्या कृषि मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि अधीनस्थ कृषि सेवा संवर्ग की वेतन विसंगतियों को दूर करने एवं द्विस्तरीय व्यवस्था लागू किये जाने विषयक कृषि निदेशक उ0प्र0 का पत्रांक-कार्मिक 911/5633/भाग-3/317, दिनांक 15 नवम्बर उप सचिव (कृषि) उ0प्र0 शासन को प्राप्त हुआ है ?

यदि हां, तो कृषि निदेशक द्वारा प्रेषित प्रश्नगत संस्तुति पत्र के प्रमुख बिन्दु क्या हैं ? क्या सरकार प्रश्नगत न्यायोचित संस्तुतियों को तत्काल प्रभाव से अनुमन्य करने हेतु प्रभावी निर्देश देगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सूर्य प्रताप शाही-

जी हां।

1-अधीनस्थ कृषि सेवा संवर्ग की वेतन विसंगतियों को दूर करने एवं त्रिस्तरीय व्यवस्था के सापेक्ष द्विस्तरीय व्यवस्था लागू किये जाने के सम्बन्ध में संस्तुति की गयी है।

2-प्राविधिक सहायक के ग्रुप-बी एवं ग्रुप-ए के पदों को आयेलित करते हुए वेतनमान रु0 9300-34800, ग्रेड पे रु0 4800 तथा प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी के पदों का वेतनमान रु0 9300-34800, ग्रेड पे रु0 4200 अनुमन्य कराये जाने की संस्तुति की गयी है।

शासन द्वारा कृषि निदेशक से प्राप्त प्रस्ताव को सम्यक् विचारोपरान्त सचिव, वेतन समिति, उ0प्र0, लखनऊ के विचारार्थ भेज दिया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद अम्बेडकरनगर में किसानों को बीजों पर अनुदान वितरण के सम्बन्ध में

25-श्री रितेश पाण्डेय-

क्या कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि पारदर्शी किसान सेवा योजना (डी0बी0टी0) के अन्तर्गत जनपद अम्बेडकर नगर में वर्ष 2017-18 में कृषि विभाग द्वारा किसानों को बीजों पर अनुदान वितरण का भुगतान उनके खातों में करा दिया गया है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सूर्य प्रताप शाही-

जी हां।

विवरण निम्नवत् है :-

वर्ष 2017-18 में खरीफ में 13625 कृषकों को रु0 211.9 लाख का भुगतान डी0बी0टी0 प्रक्रिया द्वारा कृषकों के बैंक खातों में आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से कराया जा चुका है।

वर्ष 2017-18 में रबी में 10155 कृषकों को कुल रु0 241.77 लाख अनुदान का भुगतान किये जाने के सापेक्ष दिनांक 6 फरवरी, 2017 तक 8806 कृषकों को कुल रु0 232.8 लाख अनुदान का भुगतान डी0बी0टी0 प्रक्रिया द्वारा कृषकों के बैंक खातों में आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से कराया जा चुका है।

शेष 1349 कृषकों को रु0 8.93 लाख अनुदान के भुगतान हेतु बीज ग्राम योजनान्तर्गत धनराशि का स्वीकृति प्रक्रियाधीन है।

जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र महादेवा के किसानों को खेतों के चारों तरफ बाड़ लगाने हेतु सब्सिडी दिये जाने की मांग

26-श्री रवि कुमार सोनकर-

क्या कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र महादेवा में किसानों द्वारा खेतों में फसलों की सुरक्षा हेतु खेतों के चारों तरफ बाड़ (तार) लगाने हेतु सरकार सब्सिडी देगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सूर्य प्रताप शाही-

जी नहीं।

प्रश्न ही नहीं उठता।

कृषि विभाग में इस प्रकार की योजना संचालित नहीं है।

जनपद फर्रुखाबाद में स्थित नवीन मण्डी स्थल सातनपुर तथा मोहम्मदाबाद मण्डल के मण्डी सचिव श्री धर्मेन्द्र द्वारा की गयी अनियमितताओं की जांच

27-श्री सुशील कुमार शाक्य-

क्या कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या-ख-6 नं0-063931, दिनांक 18-01-2018, जो जनपद फर्रूखाबाद स्थित नवीन मण्डी स्थल सातनपुर तथा मोहम्मदाबाद मण्डल के मण्डी सचिव श्री धर्मेन्द्र सिंह द्वारा अपने कार्यकाल में की गयी अनियमितता की जांच के सम्बन्ध में है, उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती स्वाती सिंह-

जी हां।

उपरोक्त सन्दर्भित पत्र दिनांक 07-02-2018 को ही प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि मा0 विधायक जी द्वारा तत्कालीन सचिव, मण्डी समिति फर्रुखाबाद श्री धर्मेन्द्र सिंह के विरुद्ध की गयी शिकायत, जो मा0 मुख्य मंत्री जी के आई0 जी0 आर0 एस0 सन्दर्भ संख्या-18159170421010 के माध्यम से प्राप्त हुई थी, पर पूर्व से ही जांच गतिमान है।

श्री धर्मेन्द्र सिंह के विरुद्ध मण्डी परिषद् के आदेश सं0-अधि 'ख'/व्या0प0-869/2017-525, दिनांक 17-08-2017 द्वारा विभागीय कार्रवाई संस्थित की जा चुकी है तथा आदेश सं0 अधि0 'ख'/व्या0प0-869/2017-703 दिनांक 29-11-2017 द्वारा प्रकरण में उप निदेशक (प्रशासन/विपणन), मण्डी परिषद् बस्ती को जांच अधिकारी नामित किया गया है।

इसके अतिरिक्त परिषद् पत्र संख्याः लेखा/सम्प्रेक्षा/(2)/2018-2196, दिनांक 20-01-2018 द्वारा उप निदेशक (प्रशा0/वि0पा0), मण्डी परिषद्, कानपुर को सन्दी लेखाकार से मण्डी समिति, फर्रुखाबाद का स्पेशल आडिट कराये जाने के निर्देश भी दिये गये हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद शाहजहांपुर में संचालित राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों की संख्या एवं छात्रों को प्रवेश देने के सम्बन्ध

28-श्री वीर विक्रम सिंह, प्रिंस-

क्या समाज कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शाहजहांपुर में जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय के अन्तर्गत कितने राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास बालक तथा बालिकाओं के संचालित किए जा रहे हैं तथा इसमें प्रवेश किस आधार पर किया जाता है एवं छात्रावास में कितने छात्रों के प्रवेश के स्थान हैं तथा छात्रों से प्रत्येक माह कितनी राशि ली जाती है ? क्या सरकार पूर्ण विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रमापति शास्त्री-

जनपद-शाहजहांपुर में समाज कल्याण विभाग द्वारा कुल 07 छात्रावास संचालित हैं, जिसमें बालिकाओं के 02 छात्रावास तथा बालक के 05 छात्रावास हैं।

छात्रावास में प्रवेश उनकी शैक्षिक योग्यता, उच्च कक्षा की प्राथमिकता, मूल निवास से शिक्षण संस्थान की दूरी तथा आय के आधार पर किया जाता है।

प्रत्येक छात्रावास में कुल 48 छात्र/छात्राओं की रहने की व्यवस्था है।

अधिवासी छात्र/छात्राओं से काशन मनी एकमुश्त रु0 100/-प्रति छात्र (अनुसूचित जाति, जनजाति), रु0 200/-प्रति छात्र (अन्य पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य वर्ग) तथा कमरे का किराया समस्त वर्गों के छात्रों हेतु रु0 25/-प्रति छात्र प्रति माह देय है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद शाहजहांपुर में जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा चलाये जा रहे वृद्धावस्था आश्रम दीप जन कल्याण समिति द्वारा सरकारी अनुदान के उपयोग की जांच

29-श्री वीर विक्रम सिंह 'प्रिंस'-

क्या समाज कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शाहजहांपुर में जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा ''दीप-जन कल्याण समिति'' के माध्यम से चलाये जा रहे वृद्धावस्था आश्रम में फर्जी वृद्धजनों के नाम दर्ज कराकर सरकारी अनुदान का दुरुपयोग किये जाने की जानकारी सरकार को है ? यदि हां, तो क्या सरकार इसकी उच्च स्तरीय जांच करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रमापति शास्त्री-

शासनादेश संख्या-32/2016/2988/26-2-2016, दिनांक 28-10-2016 द्वारा माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 एवं उ0प्र0 माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण नियमावली, 2014 के अन्तर्गत वृद्धाश्रम संचालन हेतु

दिये गये प्राविधानों के अनुसार आश्रमों में प्रवेश हेतु वृद्धजनों के प्राप्त प्रार्थना-पत्रों का परीक्षण करके प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु निम्नलिखित समिति गठित की गयी है :-

(1) जिला समजा कल्याण अधिकारी/भरण-पोषण अधिकारी-अध्यक्ष

(2) मुख्य विकास अधिकारी द्वारा नामित खण्ड विकास अधिकारी-सदस्य

(3) नगर निकाय का प्रतिनिधि-सदस्य

(4) संस्था का प्रबन्धक-सदस्य सचिव

(5) वृद्धाश्रम का अधीक्षक-सदस्य

जिला समाज कल्याण अधिकारी, शाहजहांपुर द्वारा जनपद में स्वैच्छिक संस्था ''दीपजन कल्याण समिति'' के माध्यम से संचालित वृद्धाश्रम से संबंधित त्रैमास की औचक निरीक्षक आख्या उपलब्ध करायी गयी है, जिसमें वर्तमान में 69 वृद्ध संवासी निवासरत हैं, जिन्हें आवास, औषधि, मनोरंजन आदि के साथ निःशुल्क भोजन की पूर्ण सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। प्रवेशित वृद्धजनों की आई0डी0 तथा वृद्ध संवासियों की प्रमाणित सूची संस्था में अनुरक्षित है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

[11.03 बजे] माध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, लखनऊ का आठवां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा (2010-2011)†

श्री श्रीकान्त शर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, लखनऊ का आठवां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा 2010-2011 को कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा-619ए की उपधारा (3) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन की पटल पर रखता हूं।

माध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, लखनऊ का नवां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा (2011-2012)†

श्री श्रीकान्त शर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, लखनऊ का नवां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा 2011-2012 को कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा-619ए की उपधारा (3) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन की पटल पर रखता हूं।

माध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, लखनऊ का दसवां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा (2012-2013)†

श्री श्रीकान्त शर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, लखनऊ का दसवां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा 2012-2013 को कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा-619ए की उपधारा (3) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूं।

† छापे नहीं गये।

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड का पन्द्रहवां वार्षिक प्रतिवेदन (2013-2014)†

श्री श्रीकान्त शर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, आपकी अनुमति से मैं उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड का पन्द्रहवां वार्षिक प्रतिवेदन 2013-2014 को कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा-619ए की उपधारा (3) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन की पटल पर रखता हूं।

[11.05 बजे] उ0प्र0 पावर ट्रान्समीशन कारपोरेशन लिमिटेड का दसवां वार्षिक लेखा प्रतिवेदन 2013-2014†

श्री श्रीकान्त शर्मा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उ0प्र0 से उ0प्र0 पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड का दसवां वार्षिक लेखा प्रतिवेदन 2013-2014 को कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा-619ए की उपधारा (3) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूं।

उ0प्र0 वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2008-2009†

श्री दारा सिंह चौहान-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2008-2009 को उत्तर प्रदेश वन निगम अधिनियम, 1974 की धारा-23 की उपधारा 5(ए) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूं।

उ0प्र0 वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2009-2010†

श्री दारा सिंह चौहान-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2009-2010 को उत्तर प्रदेश वन निगम अधिनियम, 1974 की धारा-23 की उपधारा 5(ए) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूं।

उ0प्र0 वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2010-2011†

श्री दारा सिंह चौहान-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2010-2011 को उत्तर प्रदेश वन निगम अधिनियम, 1974 की धारा-23 की उपधारा 5(ए) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूं।

उ0प्र0 निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2011-2012†

श्री दारा सिंह चौहान-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2011-2012 को उत्तर प्रदेश वन निगम अधिनियम, 1974 की धारा-23 की उपधारा 5(ए) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूं।

---

† छापे नहीं गये।

उ0प्र0 वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2012-2013†

श्री दारा सिंह चौहान-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2012-2013 को उत्तर प्रदेश वन निगम अधिनियम, 1974 की धारा-23 की उपधारा 5(ए) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूं।

उ0प्र0 वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2013-2014†

श्री दारा सिंह चौहान-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश वन निगम का वार्षिक लेखा विवरण 2013-2014 को उत्तर प्रदेश वन निगम अधिनियम, 1974 की धारा-23 की उपधारा 5(ए) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूं।

श्री अध्यक्ष-

इसमें कुछ नहीं है।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा तमकुहीराज में ट्रामा सेन्टर स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में श्री छोटेलाल यादव आदि निवासीगण जनपद कुशीनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका†

श्री अजय कुमार 'लल्लू'-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद कुशीनगर के विधान सभा तमकुहीराज में ट्रामा सेन्टर स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में श्री छोटेलाल यादव व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

गेंदा सिंह गन्ना अनुसंधान केन्द्र सेवरही जनपद कुशीनगर को कृषि विश्वविद्यालय का दर्जा दिये जाने के सम्बन्ध में श्री व्यास कुशवाहा आदि निवासीगण जनपद कुशीनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका†

श्री अजय कुमार 'लल्लू'-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से गेंदा सिंह गन्ना अनुसंधान केन्द्र, सेवरही जनपद-कुशीनगर को कृषि विश्वविद्यालय का दर्जा दिये जाने के सम्बन्ध में श्री व्यास कुशवाहा व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

[11.10 बजे] नियम-301 के अन्तर्गत सूचनायें

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 15-02-2018 को नियम-301 के अन्तर्गत कुल 35 सूचनायें प्राप्त हुईं। जिनमें 16 माननीय सदस्यों की सूचनायें स्वीकार की गयी हैं।

† छापे नहीं गये।

पहली सूचना श्री आर0के0 सिंह पटेल जनपद चित्रकूट के मऊ ब्लाक के पास बरियारी कैम्प कैनाल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। दूसरी सूचना श्रीमती निर्मला संखवार जनपद कानपुर देहात के मरहन्ताबाद अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को यातायात व्यवस्था प्रारम्भ/सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में है। तीसरी सूचना श्री रफीक अंसारी जनपद मेरठ शहर का पानी ओ0डी0एन0 नाले को पक्का बनाये जाने के सम्बन्ध में है। चौथी सूचना श्री दलवीर सिंह जनपद अलीगढ़ के विधान सभा क्षेत्र बरौली के कतिपय मार्गों के पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में है। पाँचवीं सूचना श्री अवस्थी बाला प्रसाद जनपद लखीमपुर खीरी के विकास खण्ड ईशानगर व विकास खण्ड धरौरा के प्रधानमंत्री आवास योजना में हो रही अनियमितता के सम्बन्ध में हैं। छठवीं सूचना श्री सत्यवीर त्यागी जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र किठौर के कस्बा शाहजहांपुर में बड़े सरकारी अस्पताल की स्थापना के सम्बन्ध में हैं। सातवीं सूचना श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी जनपद बुलन्दशहर के किसान इण्टर कालेज विद्या नगर चोला में कतिपय कर्मचारियों की नियुक्ति किये जाने के सम्बन्ध में है। आठवीं सूचना श्री राम प्रताप सिंह जनपद आगरा में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में है। नवीं सूचना श्री प्रभात कुमार वर्मा 'एडवोकेट' जनपद गोण्डा के विकास खण्ड बभनजोत के कार्यालय एवं आवास का पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में हैं। दसवीं सूचना श्री वीर विक्रम सिंह 'प्रिन्स' जनपद शाहजहांपुर की ग्राम कुण्डरियां में बाढ़ से बचाव हेतु ठोकरों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। ग्यारहवीं सूचना श्री प्रमोद उटवाल जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी अन्तर्गत ग्राम रोहाना में एस0एच0-59 पर पुल हेतु पिलर के निर्माण से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है। बारहवीं सूचना श्री सुखदेव राजभर.जनपद आजमगढ़ के तहसील मार्टिनगंज पर फायर स्टेशन के निर्माण के सम्बन्ध में है। तेरहवीं सूचना श्री संजय प्रताप जायसवाल जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र रूधौली में कार्यदायी संस्था द्वारा छूटे हुए मजरों का विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है। चौदहवीं सूचना श्रीमती शुचिस्मिता मौर्य.जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र मझवां के कतिपय ग्रामों में लिंक नहर का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में, पन्द्रहवीं सूचना श्री रमेश चन्द्र मिश्र.जनपद जौनपुर के श्री कृष्णानगर रेलवे स्टेशन की क्रासिंग संख्या-23 सी पर ओवर ब्रिज के निर्माण के सम्बन्ध में है तथा सोलहवीं सूचना डा0 लीना तिवारी.जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मड़ियाहूँ में कतिपय पुल एवं पुलिया बनाये जाने के सम्बन्ध में।

श्री अध्यक्ष-

यह सभी सूचनायें स्वीकृत की जाती हैं और स्वीकृत सूचनायें पढ़ी हुई मानी जाती हैं।

(सदन की सहमति से स्वीकृत सभी सूचनायें पढ़ी हुई मानी गयीं)

श्री अध्यक्ष-

निम्नलिखित माननीय सदस्यों की सूचनायें अस्वीकार की गयीं।

क्रम सं0	नाम
1	श्री तसलीम अहमद,
2	श्री श्याम सुन्दर शर्मा,
3	श्री दुर्गा प्रसाद यादव,
4	श्री सोबरन सिंह यादव,
5	श्री रमाशंकर पटेल,
6	श्री ब्रजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया,
7	श्री नागेन्द्र सिंह राठौर,
8	श्री सोहिल अख्तर अंसारी,
9	श्री मसूद अख्तर,
10	श्री उमेश मलिक,
11	श्री संजीव कुमार दिवाकर,
12	श्री राम अचल राजभर,
13	श्री रितेश पाण्डेय,
14	श्रीमती जयदेवी,
15	श्री मनोज कुमार पारस,
16	श्री प्रकाश चन्द्र द्विवेदी,
17	श्री रोशन लाल वर्मा,
18	श्री जवाहर लाल राजपूत, तथा
19	श्री शैलेन्द्र यादव ललई।

जनपद चित्रकूट के मऊ ब्लाक के पास बरियारी कैम्प कैनाल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री आर0 के0 सिंह पटेल-

[आपके माध्यम से सरकार का ध्यान अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर कराना चाहूंगा कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में सिंचाई का साधन मात्र नहर, बांध है किन्तु वर्तमान समय में वर्षा कम होने से बांधों में पानी इकट्ठा नहीं हो पाया है जो थोड़ा बहुत हुआ है, वह कृषि सिंचाई हेतु खाली हो

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

गया हे तथा नहरे है जो टेल तक पानी नहीं पहुंच पाती है, जिससे काफी गांवों/मजरों की जमीन असिंचित रह जाती है। मऊ ब्लाक के बरियारी गांव के पास नई सिंचाई पम्प कैनाल का निर्माण कराने से हजारों हेक्टेयर जमीन सिंचित की जा सकती है।

अतः आपके माध्यम से सरकार से वक्तव्य की मांग करता हूं कि चित्रकूट के मऊ ब्लाक के पास बरियारी कैम्प कैनाल का निर्माण कराने की स्वीकृति प्रदान करें।]

जनपद कानपुर देहात के मरहत्ताबाद अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यातायात व्यवस्था प्रारम्भ/सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती निर्मला संखवार-

मान्यवर, आपके माध्यम से सरकार का ध्यान जनपद कानपुर देहात के रसूलाबाद विधान सभा क्षेत्र के मरहत्ताबाद अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर आकृष्ट कराना चाहती हूं।

मरहत्ताबाद अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कानपुर देहात के रनवे का निर्माण, बाउण्ड्रीवाल का निर्माण, विद्युतीकरण आदि का कार्य किया जा चुका है, किन्तु अभी भी नव विकसित हवाई अड्डे को विकसित करने एवं क्षेत्रवासियों/यात्रियों को सुलभ यातायात प्रारम्भ कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये मरहत्ताबाद अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को यातायात व्यवस्था प्रारम्भ/सुनिश्चित कराये जाने हेतु कार्रवाई की मांग करती हूं।]

जनपद मेरठ शहर के पानी की निकासी हेतु ओ0डी0एन0 नाले को पक्का बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रफीक अंसारी-

[मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि जनपद मेरठ शहर के अन्तर्गत ओ0डी0एन0 नाला बहता है। जिसमें पूरे शहर के पानी का निकासी उसी नाले से होता है। जब उसकी सफाई होती है उससे नाले की गहराई अधिक हो जाती है। जिससे नाला बहुत ही गहरा हो गया है। नाला गहरा होने के कारण नाले का पानी निकलता नहीं है और वही पर जम जाता है। जिससे गन्दगी हो जाती है जिसके कारण बीमारी फैलती है। ऐसी स्थिति में उक्त नाले को पक्का निर्माण कराया जाना जनहित में आवश्यक है। यह प्रकरण जनहित में जुड़ा हुआ है और लोक महत्व का है।

अतः इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुये उक्त नाले के पक्का निर्माण कराये जाने हेतु सरकार से वक्तव्य दिये जाने की मांग करता हूं।]

जनपद अलीगढ़ के विधान सभा क्षेत्र बरौली के कतिपय मार्गों के पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री दलवीर सिंह-

[मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र बरौली, जनपद अलीगढ़ में निम्नलिखित मार्ग अति क्षतिग्रस्त है। इनके आंशिक भागों में जल-भराव की समस्या के कारण बिटूमिन की सड़कें गड्ढों में तब्दील हो

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जाती है। वर्तमान में सम्पर्क मार्गों के निम्न हिस्से अति क्षतिग्रस्त है एवं यातायात के चलने योग्य नहीं है।

1-चंडौस-डाबर मार्ग पर ग्राम ताजपुर में जलभराव के स्थान पर 350 मीटर सी0सी0 मार्ग का निर्माण।

2-चंडौस-डाबर मार्ग पर ग्राम जहराना में जलभराव के स्थान पर 350 मीटर सी0सी0 मार्ग का निर्माण।

3-जहराना-किनुआ मार्ग पर ग्राम जहराना में जलभराव के स्थान पर 300 मीटर सी0सी0 मार्ग का निर्माण।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये मरम्मत कार्य कराये जाने की मांग करता हूं।]

जनपद लखीमपुर खीरी के विकास खण्ड ईशानगर व विकास खण्ड धरौरा के प्रधानमंत्री आवास योजना में हो रही अनियमितता के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

[मान्यवर, आपके माध्यम से इस सम्मानित सदन का ध्यान एवं अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

जिला-लखीमपुर खीरी के विकास खण्ड ईसानगर व धौरहरा विकास खण्ड रसियावेहड़ में पात्र चयनित प्रधानमंत्री आवासों अधिकांश अधूरे व मानक तथा गुणवत्ताविहीन बने हुये हैं तथा प्रथम किश्त के बाद दूसरों व तीसरी किश्त में बन्दरबॉट हुई है। जिससे क्षेत्रीय जनता में असंतोष व्याप्त है। जनहित में इसकी जांच आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र किठौर के कस्बा शाहजहांपुर में बड़े सरकारी अस्पताल की स्थापना के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सत्यवीर त्यागी-

[मान्यवर, आपका ध्यान अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर आकृष्ट कराना चाहूंगा कि मेरी विधान सभा 46, किठौर का कस्बा शाहजहांपुर एक अत्यन्त पिछड़ा क्षेत्र है जहां पर कोई भी मरीजों के समुचित इलाज हेतु गुणवत्तायुक्त सरकारी चिकित्सालय नहीं है। यहां के गम्भीर रोगों से पीड़ित मरीजों को जनपद मेरठ या दिल्ली ले जाना पड़ता है जिससे कई बार रास्ते में ही मरीज की मृत्यु हो जाती है। कस्बा शाहजहांपुर में पशु चिकित्सा प्रांगण में सरकारी चिकित्सालय स्थापना हेतु काफी जमीन उपलब्ध है। कस्बा शाहजहांपुर (किठौर) में गुणवत्तायुक्त सरकारी चिकित्सालय की स्थापना किया जाना नितान्त आवश्यक है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः मैं किठौर विधान सभा के कस्बा शाहजहांपुर में गुणवत्तायुक्त सरकारी चिकित्सालय स्थापित किये जाने हेतु कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद बुलन्दशहर के किसान इण्टर कालेज विद्यानगर चोला में कतिपय कर्मचारियों को नियुक्ति किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी-

[मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र सिकन्द्राबाद जनपद बुलन्दशहर के अन्तर्गत किसान इण्टर कालेज विद्यानगर चोला बुलन्दशहर में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के सात पद स्वीकृत है, जिनके सापेक्ष मात्र दो कर्मचारी कार्यरत है तथा 5 पद रिक्त है। मात्र दो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों से विद्यालय के कार्यों को सम्पन्न कराने में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है तथा विद्यालय के सुचारू रूप से संचालन करने में परेशानी हो रही है। उक्त विद्यालय में लगभग 10-12 गांवों के हजारों बच्चे पढ़ते हैं। विद्यालय के सुचारू रूप से संचालन हेतु 5 चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की नियुक्ति तथा उसके लिये सरकार की स्वीकृति अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुये कार्रवाई की मांग करती हूं।]

जनपर आगरा में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम प्रताप सिंह-

[मान्यवर, आपको अवगत कराना है कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना आगरा जनपद में लम्बे समय से प्रस्तावित है। चूंकि आगरा जनपद से इलाहाबाद अथवा मेरठ की दूरी बहुत अधिक है इस कारण पूरे क्षेत्र के विद्यार्थियों को बहुत असुविधा होती है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये कार्रवाई करने की मांग करता हूं।]

जनपद गोण्डा के विकास खण्ड बभनजोत के कार्यालय एवं आवास का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रभात कुमार वर्मा

[मान्यवर, सूच्य है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र 301-गौरा जनपद गोण्डा के अन्तर्गत विकास खण्ड बभनजोत कार्यालय व आवास जर्जर स्थिति में पड़ा हुआ है, जिससे वहां के कार्यरत कर्मचारियों/अधिकारियों को रहने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अतः जनहित में विकास खण्ड बभनजोत कार्यालय व आवास का पुनर्निर्माण किया जाना अति आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुये कार्रवाई की मांग करता हूं।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद शाहजहांपुर की ग्राम कुण्डरियां में बाढ़ से बचाव हेतु ठोकरों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री वीर विक्रम सिंह 'प्रिन्स'-

[मान्यवर, अवगत कराना है कि जनपद शाहजहांपुर की 131, कटरा विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत विकास खण्ड कलान के ग्राम-कुण्डरियां में बाढ़ के बचाव के लिये ठोकरों का निर्माण कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है ताकि आने वाले बरसात के समय में जनहानि, पशुहानि व फसल हानि न हो सके।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय जनता की लोक महत्व के इस प्रकरण पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुये कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी अन्तर्गत ग्राम रोहाना में एस0एच0-59 पर पुल हेतु पिलर के निर्माण से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रमोद उटवाल-

[मान्यवर, अवगत कराना है कि मेरी विधानसभा 13-पुरकाजी जनपद मुजफ्फरनगर के अन्तर्गत गांव रोहाना में एस0एच0-59 पर एक पुल का निर्माण हो रहा है, उसको पिलर पर स्वीकृति की जानी है क्योंकि वहां पर शुगर मिल का मेन गेट है, इण्टर कालेज है और मेन बाजार है। अगर यह पिलर पर नहीं बनेगा तो स्कूल के बच्चों को काफी दूरी तय करके स्कूल आना पड़ेगा। मिल का वजह से वहॉ पर जाम लगा रहेगा और मेन बाजार होने से बहुत से लोग बेरोजगार हो जायेंगे।

अतः नियम 301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्रवाई की मांग करता है।]

जनपद आजमगढ़ के तहसील मार्टिनगंज पर फायर स्टेशन के निर्माण के सम्बन्ध में नियम 301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सुखदेव राजभर-

[मान्यवर, आपके माध्यम से इस सम्मानित सदन का ध्यान एक अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं।

जनपद-आजमगढ़ के अन्तर्गत विधान सभा-दीदारगंज में नवनिर्माणाधीन तहसील मुख्यालय मार्टिनगंज पर फायर बिग्रेड स्टेशन नहीं है मार्टिनगंज तहसील के अन्तर्गत आने वाले गांव, कस्बों, बाजारों में यदि कोई आगजनी की घटना घटित होती है तो आजमगढ़ जिला मुख्यालय जो लगभग 60 कि0मी0 दूर स्थित है, से फायर ब्रिग्रेड की गाड़िया आग बुझाने आती है। फायर बिग्रेड की गाड़ियों को मौके तक पहुचते-पहुचते किसानों की फसले, लोगों के घर मकान जल जाते है। आगजनी से व्यापक स्तर पर जनधन की हानि भी होती है। तहसील मुख्यालय मार्टिनगंज में फायर बिग्रेड स्टेशन न

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

होने से आगजनी की घटनाओं पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है। फायर ब्रिग्रेड स्टेशन तहसील मुख्यालय मार्टिनगंज पर न होने क्षेत्रीय जनता में भारी जनाक्रोश व्याप्त है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कार्रवाई किये जाने की मॉग करता हूं।]

जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र सधौली में कार्यदायी संस्था द्वारा छूटे हुए मजरों का विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम 301 के अन्तर्गत सूचना

श्री संजय प्रताप जायसवाल-

[मान्यवर, उ0प्र0 के हर गांव व हर परिवार का घर बिजली की रोशनी से जगमग हो इसके लिए सरकार के द्वारा महत्वाकांक्षी सौभाग्य योजना प्रदेश में चलायी जा रही है, जिसके तहत शिविर का आयोजन कर हर परिवार को निःशुल्क कनेक्शन प्रदान किये जाने की व्यवस्था की गई है, परन्तु कार्यदायी संस्था के लापरवाही के कारण सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है, मेरे विधान सभा क्षेत्र के ब्लाक रामनगर तथा ब्लाक सल्टौआ गोपालपुर के तमाम ऐसे गांव के मजरों को विद्युतीकरण स`वंचित रखा गया है, जेसे ब्लाक रामनगर के ग्राम पंचायत तेनुआ असन्हरा का राजस्व गांव बेल बना, गन्धरिया बुर्जग, पटवरिया, नकथर व सगरा के कुछ मजरे आज भी बिजली के रोशनी से वंचित है जबकि कागजों में उक्त ग्राम पंचायतों को संतृप्त दर्शा दिया गया है इसी प्रकार सल्टौआ गोपालपुर के अमरौली सुमाली ग्राम पंचायत के चिरईया डांड मिनी सचिवालय तथा उसी मजरे का दक्षिण पुरवा तथा अन्य चार पुरवे कार्यदायी संस्था के द्वारा छोड़ दिया गया है, जिससे सैकड़ों परिवार विद्युत सुविधा से वंचित है जबकि उपरोक्त राजस्व गांव/मजरों में कुछ राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना के अन्तर्गत व कुछ पंडित दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना के अन्तर्गत चयनित है।

इस प्रकार कार्यदायी संस्था के द्वारा आधा अधूरा कार्य कर सरकार इस महत्वाकांक्षी सौभाग्य योजना की हवा निकाली जा रही है, कार्यदायी संस्था के इस कार्य से सरकार की मनसा प्रभावित हो रही है, जिसकी जवाबदेही कार्यदायी संस्था पर बनती है, जिसके लिए कार्यवाही किया जाना तथा छूटे हुए मजरों का विद्युतीकरण किया जाना जनहित में अति महत्व है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न पर शासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र मझवां के कतिपय ग्रामों में लिंक नहर का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम 301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती शुचिस्मिता मौर्य-

[मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र मझवां के ग्राम सभा कटका, गड़ौली तथा राजस्व ग्राम करहर तारा के लगभग 100 हेक्टेयर जमीन उचित सिंचाई सुविधा न उपलब्ध हो पाने के कारण असिंचित रह जाती है, जिस कारण कई बार फसल भी खराब हो जाती है। यदि ज्ञानपुर भदोही से चलकर सीखड़

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

तक जाने वाली नहर से उक्त ग्रामों के लिये लिंक नगर का निर्माण करवा दिया जाय तो क्षेत्रीय किसानों को बहुत सुविधा रहेगी और उक्त भूमि सिंचित होने से किसानों की आय दोगुनी हो जायेगी।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्थ्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई करने की मांग करती हूँ।]

जनपद जौनपुर के श्री कृष्णानगर रेलवे स्टेशन की क्रासिंग संख्या-23 सी पर ओवर ब्रिज के निर्माण के सम्बन्ध में नियम 301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

[मान्यवर, मेरे विधानसभा क्षेत्र बदलापुर, जौनपुर में श्री कृष्णानगर रेलवे स्टेशन के पश्चिमी रेलवे क्रासिंग ''संख्या-23 सी'' भलुवाही ग्राम में शाहगंज से इलाहाबाद (जीटी रोड) राजमार्ग, महराजगंज रोड पर स्थित है। रोजाना रेलवे फाटक बंद होने पर जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। जिससे आवागमन बाधित हो जाती है। जिसके कारण ओवरब्रिज की अति आवश्यकता है। जनहित में ''श्री कृष्णानगर रेलवे स्टेशन के पश्चिमी रेलवे क्रासिंग ''संख्या-23 सी'' (भलुवाही ग्राम) पर ओवरब्रिज निर्माण कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए बदलापुर विधानसभा में ''श्री कृष्णानगर रेलवे स्टेशन के पश्चिमी रेलवे क्रासिंग ''संख्या-23 सी'' (भलुवाही ग्राम) पर ओवरब्रिज निर्माण हेतु कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मड़ियाहूं में कतिपय पुल एवं पुलिया बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम 301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती लीना तिवारी-

[मान्यवर, मैं सदन के माध्यम से इस लोक महत्व के अविलम्बनीय प्रश्न की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र मड़ियाहूं, जनपद जौनपुर में निम्नलिखित पुल/पुलिया का निर्माण न होने से क्षेत्रीय जनता के आवागमन में काफी कठिनाई होती है। कई बार प्रयास करने के बाद भी आज तक पुल/पुलिया का निर्माण नहीं हो सका है।

1. ग्राम सभा पट्टी किरत राय, विकास खण्ड रामपुर, बसुही नदी पर पूरे लाल हथेरा पर।
2. ग्राम सभा पचवल पालवती से नई बाजार, वरूणा नदी पर।
3. मुनई दुबान ब्राह्मण बस्ती से हरिजन बस्ती तक, नहर पर पुलिया का निर्माण।
4. कटवतिया से धौकलगंज बसही नदी पर।
5. देलूपुर सुभाष नहर पर पुलिया का निर्माण।
6. कोचारी गांव (भद्र किला) से वाराणसी जनपद में मन्दिर से जोड़ने वाला पुल बसुही नदी पर।

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

7. छेरहटी से परगाथपुर वरूना नदी पर पुल का निर्माण।

8. मलेथू गांव से भदोही जनपद को जोड़ने वाला वरूना नदी पर पुल का निर्माण।

अतः इस लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से शासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए मेरे विधान सभा क्षेत्र मड़ियाहूं, जनपद जौनपुर में उपरोक्त पुल/पुलिया का निर्माण कराये जाने की मांग करता हूं।]

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-16, 17, 18 इसमें कुछ नहीं है। अब मद संख्या-19

[11.13 बजे] श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा†

श्री अध्यक्ष-

अब हम श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा प्रारम्भ करते हैं।

G श्री मनोज कुमार पारस-

मान्यवर, मैं आभारी हूं आपका कि आपने मुझे मा0 राज्यपाल जी के अभिभाषण के संशोधन प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया। जैसा कि सब जानते हैं कि उ0प्र0 की भोली-भाली जनता को भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने बड़े झूठे सपने दिखाकर, झूठे वायदे करके प्रचण्ड बहुमत की सरकार बनाने का काम किया है, लेकिन ऐसा लगता था कि इन झूठे सपनों और झूठे वायदों से जनता उभर नहीं पायेगी। मान्यवर, मुझे बड़े दुख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि मात्र 11 महीनों में जनता से आपका विश्वास उठ गया है। मान्यवर, अभिभाषण में कहा गया है सरकार ''सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयः'' के आदर्श को अपनाकर सभी वर्गों के लिए काम कर रही है और खासतौर से किसान दलित मजदूर, नौजवानों तथा गरीबों के लिए काम कर रही है। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि किसानों के लिए क्या यही काम किया जा रहा है कि आलू बोने वाला किसान इस बात के लिए मजबूर है कि अपनी फसल को सड़कों पर फेंके, अपने आलू को सड़कों पर फेंके? मान्यवर, यदि उसे सही दाम मिला होता तो शायद वह यह काम नहीं करता, लेकिन जिन हालतों में उसने आलू पैदा किया होगा उसके लिए कितनी मेहनत करी होगी, कैसे बीज खरीदा होगा? मान्यवर, उसके बावजूद भी उसे सड़कों पर फेंकना पड़ रहा है। मान्यवर, यह हाल आलू के किसानों का ही नहीं है। गन्ने के किसानों का भी यही हाल है। बड़े-बड़े दावे किये जा रहे हैं कि गन्ना किसान का पिछला एवं इस साल दोनों का भुगतान कर दिया गया है। मान्यवर, आज भी लगभग 1500 करोड़ रूपये का बकाया है और यहीं पर यह बात नहीं रूकती है। मान्यवर, हमारे गन्ना मंत्री जी यहां पर बैठे हैं। मैं खासतौर से आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करते हुए कहना चाहता हूं कि चीनी के दाम बाजार में गिर रहे हैं। किसी किसान की सप्लाई यदि 100 प्रतिशत आती थी तो मिल वालों ने आज उसे 50 प्रतिशत कर दिया है। मान्यवर, अगर यही हाल रहा यदि दाम और गिर गयें तो वह दिन दूर नहीं कि जब किसानों का गन्ना खेत में

† दिनांक 09 फरवरी 2018 की कार्यवाही से

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

रह जाएगा और यह मिल वाले मिल बंद कर जायेंगे। मान्यवर, ऐसे समय में जब किसान का गन्ने का मूल्य न मिल रहा हो, गन्ने का बकाया पैसा न मिला हो, आलू के किसान बर्बाद हो रहे हों तो ऐसे समय में सरकार ने चुनाव के समय में जो ऋण माफी की सूचना की थी आज उस ऋण माफी की घोषणा की वजह से किसान ने पैसा जमा नहीं किया सोचा कि हमारा भी लोन माफ हो जाएगा। लेकिन कितना मजाक किसानों के साथ किया गया कि जिनके नौ रुपए, 11 रुपए और 50 रुपए थे वह तो माफ कर दिया गया लेकिन जिनके बीस हजार, पचास हजार और लाख रूपए थे उनका ऋण माफ नहीं किया गया और उनकी आर0सी0 आज कटने को तैयार है। आज बैंक वाले उनकी आर0सी0 काट रहे हैं और प्रशासन उनके साथ उत्पीड़न करने का काम कर रहा है। माननीय अध्यक्ष जी, किसान बीमा योजना हमारे संरक्षक माननीय मुलायम सिंह यादव जी ने शुरू की थी जिसमें एक लाख रुपए किसान के परिवार को दिया जाता था कि उसके साथ कोई हादसा हो जाए, उसको बढ़ाकर हमारे नेता माननीय मुख्य मंत्री अखिलेश यादव जी ने पांच लाख कर दिया लेकिन आज कई ऐसे उदाहरण है, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि वे परिवार परेशान, बेहाल और भुखमरी के कगार पर है लेकिन वह किसान बीमा योजना का पैसा नहीं मिल रहा है। अध्यक्ष जी, यही हाल बिजली के मामले में है, बहुत बड़ी-बड़ी घोषणाएं हो रही हैं कि 24 घंटे बिजली आ रही है। आज हकीकत से रूबरू होना होगा। अगर आप चाहे किसी से सर्वे करवा लीजिए मात्र 13-14 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं मिल रही है। अगर बिजली मिले भी तो कैसे ? माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि इस साल सरकार ने कोई ऐसी परियोजना शुरू की है जिसके माध्यम से बिजली सुचारु रूप से मिल सके। कहीं जर्जर तारों को नहीं बदला जा रहा। कहीं-कहीं 6-7 दिनों तक ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाते। मैं अपने विधान सभा क्षेत्र की बात करता हूं कि अगर ट्रांसफार्मर फूंक जाए तो हम फोन पर फोन करते रहते हैं लेकिन दस-दस दिन तक ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाते और उसके बाद बिजली की सुचारू व्यवस्था का तो क्या कहना, रेट बढ़ाकर किसानों और गरीबों की कमर तोड़ दी और नए कनेक्शन देने की बात, कि इतने हजार नए कनेक्शन दे दिए। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि नए कनेक्शन कहां दे दिए ? जो गांव में नई बस्तियां बढ़ी हैं, नए-नए कस्बों में आबादी बढ़ गयी है, वहां पर भी कोई लाइन नहीं बिछायी जा रही है और क्वेश्चन ऑवर में क्वेश्चन के माध्यम से पता चला था कि मात्र 65 करोड़ रूपए तार बदलने के लिए दिया गया है। इतने बड़े प्रदेश में 65 करोड़ रूपए से कितने तार बदले जाएंगे। माननीय अखिलेश यादव जी की हमारी सरकार में नए तार तो बदले जा रहे थे साथ ही अंडरग्राउण्ड केबिल का भी काम शुरू कर दिया गया था। माननीय अध्यक्ष जी, मैं यहीं पर नहीं रूकना चाहता मैं आगे भी आपसे कहना चाहता हूं कि आज इससे पहले समाजवादी पेंशन जिसके माध्यम से हमारी लाचार बहनों-विधवाओं को एक हजार रुपए पेंशन देने का काम किया जाता था। मैं मानता हूं कि एक हजार रुपए कोई बहुत बड़ी रकम नहीं होती लेकिन आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि उस परिवार से पूछिए जिसके घर में दो सौ रुपए भी न आते हों और उसे अगर एक हजार रुपए भी पेंशन मिलती होगी तो उससे वह अपने बच्चों का इलाज करवा सकती थी, अपने बच्चों की फीस जमा कर सकती थी, कपड़े बनवा सकती थी लेकिन उसे बंद कर दिया गया। मैं आपसे कहना चाहता हूं

माननीय मुख्य मंत्री जी भी यहां पर बैठे हैं अगर इसको बढ़ाकर एक हजार से दो हजार रुपए कर दिया गया होता तो हम भी मानते और आपके बधाई देते कि वाकई यह गरीबों की सरकार है और यह गरीबों के लिए कुछ करना चाहती है। लोहिया आवास योजना जिसमें 3 लाख 20 हजार से एक गरीब का मकान बनाया जाता था।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करिए।

श्री मनोज कुमार पारस-

माननीय अध्यक्ष जी अभी पहली बार बोलने का मौका मिला है। पांच मिनट और दे दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

पांच मिनट से सात मिनट हो गए हैं।

श्री मनोज कुमार पारस-

लोहिया आवास योजना में 3 लाख 20 हजार का मकान बनता था और आज उस मकान को काट करके उन गरीबों की हैसियत बताने का काम किया जा रहा है कि आप 3 लाख 20 हजार रुपए के मकान में रहने लायक नहीं हो। आप वही 1 लाख 20 हजार के टूटे छोटे से कमरे में रहने लायक हो। ऐसे में मुझे बहुत खुशी होती अगर 3 लाख 20 हजार को बढ़ा करके 4 लाख कर दिया गया होता तो कम-से-कम एक अच्छा मकान मिला होता और उस गरीब को लगता कि मैं भी अमीरों की तरह एक अच्छे मकान में रहने का काम कर रहा हूं। लेकिन उनकी औकात बताने का काम किया गया है। ऐसे में मुझे कुछ लाइनें याद आ रही है....

गरीबों की औकात न पूछो तो अच्छा है,
इनकी कोई जात पूछो तो अच्छा है,
चेहरे कई बेनकाब हो जाएंगे,
ऐसी बात न पूछो तो अच्छा है,
खिलौना समझकर जो खेलते रिश्तो से,
उनके निजी जज्बात न पूछो तो अच्छा है,
बाढ़ के पानी में बह गए छप्पर जिनके,
कैसी गुजारी रात न पूछो तो अच्छा है,
भूख ने निचोड़कर रख दिया जिन्हें,
उनके हालात न पूछो तो अच्छा है।

मा0 अध्यक्ष जी, अगर उस गरीब मां-बाप को 20 हजार रुपये मिल जाते थे तो उन्हें उस बहन की शादी करने का मौका मिलता था, लेकिन उसको बन्द कर दिया गया, उसके बाद भी महिलाओं के हितैषी बने हुए हैं। कितना अच्छा होता, माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मुख्य मंत्री जी बैठे हैं कि इसको बढ़ाकर 30 से 50 हजार रुपये कर दिया गया होता तो उन बहनों को भी लगता कि कोई खड़ा हुआ है जो हमारे लिए कुछ करना चाहता है। बेरोजगारी भत्ते का भी वही हाल, उन नौजवान साथियों को जो बेचारे गरीब, मजदूर थे, सरकार ने उनको रोजगार देने का वायदा किया था कि हम रोजगार देंगे, नौकरी देंगे। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि इस 01 साल में कितनी नौकरियां दी गयीं, कितने लोगों को रोजगार दिया गया। अगर हम रोजगार नहीं दे पाए तो माननीय अखिलेश यादव जी ने बेरोजगारी भत्ता देने का काम किया था।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करें।

श्री मनोज कुमार पारस-

मा0 अध्यक्ष जी, बस 02 मिनट में खत्म कर रहे हैं। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि यह सरकार हमारे हिन्दू समाज के लोगों की बहुत बड़ी ठेकेदार है, बहुत बड़ा ठेका लिया है, लेकिन आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि हमारे मुख्य मंत्री, माननीय अखिलेश यादव जी ने जो श्रवण यात्रा शुरू की थी और उस श्रवण यात्रा में वह बुजुर्ग जो बेचारे कभी सपना देखते होंगे कि हम भी अपने तीर्थ-धामों की यात्रा करेंगे, लेकिन वह अपने हालात की वजह से नहीं जा पाते थे, लेकिन उसमें कोई मुसलमान नहीं जाता था, उसमें अगर कोई जाता था तो सिर्फ हिन्दू जाता था लेकिन इन्होंने उस सरकार की उस योजना को भी बन्द करने का काम किया है। अच्छा होता किसी और माध्यम से योजना चलायी होती। कब्रिस्तान की दीवारों की बहुत चर्चा हुई और यह कहा गया कि सरकार द्वारा कब्रिस्तानों की दीवारें बनवा दी गयीं लेकिन मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि हमारे मुख्य मंत्री जी ने कब्रिस्तान की दीवारें तो बनवायीं थी लेकिन श्मशान घाट भी बनवाने का काम किया था लेकिन इस 01 साल में एक भी श्मशान घाट नहीं बना।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिए। अब श्री सी0पी0 शुक्ल जी बोलें। अब आप बैठ जायें। 05 मिनट का समय था, 09 मिनट हो गए हैं।

श्री मनोज कुमार पारस-

माननीय अध्यक्ष जी, एक अन्तिम बात कहते हुए मैं अपनी बात को समाप्त कर रहा हूं। मान्यवर, और तो और इस सरकार ने लोगों के खाने पर भी पाबन्दी लगा दी है। जब से

हिन्दुस्तान आजाद हुआ, जब से यह दुनिया बनी है किसी भी धर्म के, किसी भी धर्म गुरू ने किसी दूसरे समाज के खाने पर पाबन्दियां नहीं लगायीं और तो और भगवान या अल्ला ने भी किसी दूसरे धर्म पर पाबन्दियां नहीं लगायीं, लेकिन ये लोग तो भगवान से भी बड़े हो गए, दूसरे लोगों के खाने पर पाबन्दी लगा दी। मान्यवर, मैं कहना चाहता हूं कि यह हिन्दुस्तान किसी एक का नहीं है, ऐसे में मुझे एक शेर याद आ रहा है कि 'हमारे मुंह से जो निकले, वह सदाकत है, हमारे मुंह में तुम्हारी जुबान थोड़े ही है, लगेगी आग तो आयेंगे, कई घर जद में, यहां सिर्फ हमारा मकान थोड़े ही है। जो आज साहिब ए मसनद कल नहीं होंगे, किरायेदार हैं, जाती मकान थोड़े ही है। सभी का खून शामिल है यहां की मिट्टी में, किसी के बाप का हिन्दुस्तान थोड़े है।'' माननीय अध्यक्ष जी, अब मैं अपने क्षेत्र की दो बातें कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिए, अब आप ज्यादती कर रहे हैं, अब आप बैठें, आपका 10 मिनट हो गया है।

श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सी0ए0 चन्द्र प्रकाश शुक्ल-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे श्री राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में बोलने का अवसर दिया। महोदय, इस आदरणीय सदन की व्यास पीठ को आप जैसे ज्येष्ठ श्रेष्ठ विद्वान के द्वारा सुशोभित किया जा रहा है तथा हम लोगों को आपका आशीर्वाद एवं कुशल मार्ग-दर्शन प्राप्त हो रहा है, हम लोग आपके कृतज्ञ हैं। मैं कप्तानगंज की जनता-जनार्दन को भी नमन् करता हूं जिनके कारण आज इस आदरणीय सदन में मुझे अपनी बात को रखने का मौका मिल रहा है। महोदय, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर विपक्ष के द्वारा जिस प्रकार से अराजकता का माहौल पैदा किया गया, उनके ऊपर कागज के गोले फेंके गए, गुब्बारे उड़ाये गए, मैं इस घटना की घोर निन्दा करता हूं, भर्त्सना करता हूं। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में इस तरह के आचरण का कोई स्थान नहीं है। यह विपक्ष की हताशा और निराशा को दर्शाता है, महोदय, मैं सबसे पहले अण्डर-19 क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने विश्व चैंपियन बनके हिन्दुस्तान का जिस प्रकार से गौरव बढ़ाया है, मैं इस आदरणीय सदन के माध्यम से उनको भी बहुत-बहुत बधाई देता हूं। महोदय, हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री, आदरणीय मोदी जी, यू0ए0ई0 की यात्रा पर गए थे, वहां हम सब लोगों ने देखा कि उनके स्वागत में दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा को तिरंगे की रोशनी से लहलहा दिया गया था, जगमगा दिया गया था। यही नहीं महोदय, यू0ए0ई0 एक मुस्लिम राष्ट्र होने के बावजूद अबूधाबी में 70 हजार स्कॉयर मीटर जमीन हिन्दू मन्दिर बनाने के लिए दान दी गयी है। (मेजें थपथपाई गईं) उन्होंने यू0ए0ई एवं हिन्दुस्तान में रह रहे करोड़ों हिन्दुस्तानियों को सम्मान दिया है।

आपके माध्यम से मैं सरकार को धन्यवाद ज्ञापित करना चाहता हूं महोदय ये उन लोगों के लिए कड़ा संदेश है जो हिन्दुस्तान में रहकर भारत माता की जय और वन्देमातरम पर ओछी राजनीति करते हैं। ये उनको भी कड़ा संदेश है जो राम मन्दिर बनाने में बाधा उत्पन्न करते हैं और ये उनको भी कड़ा संदेश है जो अयोध्या में निहत्थे और निर्दोष राम भक्तों पर गोलियां चलवाकर अपने को गौरवान्वित महसूस करते हैं। महोदय मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की जननी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की अयोध्या दो माननीय मुख्य मंत्रियों के लिए विशेष रूप से याद रखी जायेगी एक वो जिनके शासन में निहत्थे, निर्दोश राम भक्तों को गोलियों से भूना गया था और दूसरा परम पूज्य श्री आदित्य नाथ जी को जिन्होंने दीप दीपावली जैसा आयोजन करके पुष्पक विमान रूपी हैलीकाप्टर से भगवान श्रीराम सीता और लक्ष्मण को अयोध्या की धरती पर उतार कर राम राज्य की परिकल्पना को जीवन्त करने का काम किया है। इसकी चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। मैं इतना ही कहूंगा कि-

'समर जो घाव खाता है उसी का मान होता है,
छिपा उस वेदना में भी अमर बलिदान होता है'
सृजन में चोट खाता है जो छेनी और हथौड़ी का,
वहीं पाषाण मन्दिर में कहीं भगवान होता है।

महोदय एक अंग्रेजी में कहावत है, गार्बेज इन गार्बेज आउट, कूड़ा डालोगे तो कूड़ा निकलेगा। मैं अपने नगर विकास मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद करूंगा उन्होंने इस अंग्रेजी की कहावत को झूठा साबित कर दिया है। अब हो गया है गार्बेज इन, मनी आउट हमारे खन्ना जी ने एक ऐसी गार्बेज ए0टी0एम0 मशीन लगाने का काम किया है जिसमें अगर आप कूड़ा डालेंगे तो उसमें से आपको पैसा, क्रेडिट मिलेगा। वो आपके आधार के साथ लिंक होगा और आप उसका पेमेन्ट भी कर सकते हैं। महोदय गार्बेज ए0टी0एम0 स्वच्छता मिशन में मील का पत्थर साबित होगा। महोदय पिछली सरकार में नगरों और शहरों की स्थिति कैसी थी इसकी भी पोल खुल गयी जब प्रधानमंत्री जी के मिशन क्लीन इण्डिया के तहत देश के 434 शहरों में स्वच्छता सर्वे कराया गया था उसमें उत्तर प्रदेश की स्थिति सबसे शर्मनाक थी। गोण्डा सबसे गन्दा शहर कहा गया। उत्तर प्रदेश के 62 में से 41 शहर 100 सबसे गन्दे शहरों की सूची में शामिल हुए थे। मुझे पूरा विश्वास है माननीय खन्ना जी के नेतृत्व में अगले स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्तर प्रदेश अव्वल स्थान प्राप्त करेगा। मैं माननीय खन्ना जी को बधाई देना चाहता हूं कि स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 10 शहर चयनित हुए हैं उनका कायाकल्प जल्दी होगा। यहीं नहीं महोदय प्रति वर्ष एक नगर पंचायत को आदर्श नगर पंचायत के रूप में विकसित करने का भी काम यह सरकार कर रही है। महोदय, 9 महीने की योगी जी की सरकार ने उत्तर प्रदेश में विकास का जो वृक्षारोपण किया है, उसके फलों का स्वाद उत्तर प्रदेश की जनता को मिलना शुरू हो गया है। महोदय, चाहे वह किसान से सीधे धान और गेंहू खरीदता हो, उत्तर प्रदेश

औद्योगिक निवेश और रोजगार प्रोत्साहन नीति के अन्तर्गत इन्वेस्टर समिट का आयोजन हो। नई खनन नीति हो, एन्टी भू-माफिया टास्क फोर्स हो, मेट्रो हवाई सेवा में विस्तार, पूर्वान्चल एक्सप्रेस वे बनाने का काम हो, या 20 से 24 घण्टे बिजली, नये एम्स और मेडिकल कालेजों की स्थापना हो, ऐसे ही वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट की योजना हो, महोदय डायरेक्ट बेनिफिट ट्रान्सफर के माध्यम से पैसा सीधे लाभार्थी के खाते में ट्रान्सफर हो रहा है। यही नहीं महिलाओं के सम्मान में महिला सम्मान प्रकोष्ठ एण्टी आब्सीन काल सेल महिला बटालियन व एण्टी रोमियो स्क्वायड का गठन करके नारी शक्ति का सशक्तीकरण करने का काम यह सरकार कर रही है। प्राइमरी स्कूल के बच्चों को खूबसूरत ड्रेस, जूता, मोजा और किताबें व मुख्य मंत्री बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं के द्वारा लाखों बेटियों को भी उच्च शिक्षा के लिए धन का प्रबन्ध किया है। महोदय ऐसे अनेकानेक प्रकार के कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से माननीय योगी जी की सरकार ने उत्तर प्रदेश की जीण-शीर्ण आधार भूत संरचना में नवीनता लाने का काम किया है। महोदय, मैं माननीय उप मुख्य मंत्री जी आदरणीय केशव प्रसाद मौर्या जी को धन्यवाद ज्ञापित करूंगा उन्होंने हमारी विधान सभा में 115 करोड़ की ज्यादा से ज्यादा सड़कों की स्वीकृति प्रदान की है, मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। यहीं नहीं 20 सालों से हमारे यहां पिपरौल पर पुल के लिए जनता आन्दोलनरत थी। माननीय मौर्या जी ने जनता की आवाज को सुना और 9 करोड़ से बनने वाले पुल की स्वीकृति प्रदान की। महोदय किसान एवं श्रमिक के बारे में कहूंगा कि श्रमिक बड़े-बड़े स्कूल बनाता है, कालेज बनाता है लेकिन वह खुद बिना छत के रहता है। बड़े-बड़े मडिकल कालेज अस्पताल बनाता है लेकिन धनाभाव में खुद का इलाज नहीं कर पाता। महोदय मैं आदरणीय श्रम मंत्री जी को धन्यवाद करूंगा कि उन्होंने श्रमिकों को एक सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान किया है। उन्हें शिक्षा, चिकित्सा और आवास उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। महोदय हर श्रमिक को 3000 हजार रुपये प्रतिवर्ष उनके खाते में यही नहीं एक लाख के रूप में उनका आवास एवं 100 रुपये से लेकर 5000 हजार रुपये प्रति माह तक उनके बच्चों को प्राइमरी स्कूल से उच्च शिक्षा तक छात्रवृत्ति दे रही है। महोदय अंत में मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि माननीय योगी जी की सरकार उत्तर प्रदेश की सम्मानित जनता को भय मुक्त, भूख मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त और विकास युक्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मैं सिर्फ इतना कहकर अपनी बात को विराम दूंगा-

यही जज्बा रहा तो मुश्किलों का हल भी निकलेगा,
जमीं बंजर हुई तो क्या यहीं से जल भी निकलेगा,
न हो मायूस न घबरा अंधेरो से मेरे साथी,
इन्हीं रातों के दामन से सुनहरा कल भी निकलेगा।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

मैं दोहरा दूं कि पांच मिनट बाद समाप्त करेंगे तो अधिकांश मा0 सदस्य अपनी बात कह पाएंगे। मैं यहां साढ़े चार मिनट बाद लाल बत्ती जला दूंगा तो इधर की तरफ आप देखिए और जल्दी-जल्दी विषय आए तो ठीक है कुछ मा0 सदस्य प्रेमवश यहां अर्जी देने आ जाते हैं, यह उचित नहीं है अपने दलीय नेताओं की तरफ से पत्र आएं हैं मुझे भी अवसर जहां मिलेगा मैं आपको बोलने का अवसर दूंगा। मा0 आशीष कुमार सिंह आशू, मा0 श्री जवाहर लाल राजपूत, मा0 राजीव कुमार सिंह बब्बू भइया, मा0 डॉ0 सतीश चन्द्र द्विवेदी, मा0 डॉ0 सुरेन्द्र नारायण सिंह।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

बहुत-बहुत धन्यवाद। मान्यवर आपने हमको माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर प्रदान किया है पहले तो मैं प्रतिपक्ष के नेता आदरणीय राम गोविन्द चौधरी के बड़े भाई आदरणीय राम गोविन्द चौधरी जी को भी धन्यवाद दूंगा। कल मैं प्रयास करते ही रह गया, लेकिन आपने बोलने का मौका नहीं देने दिया। बंधुओं मैं तो अपनी पार्टी और समाजवादी पार्टी के बारे में इतना ही कहता हूं कि 'कांग्रेस देखा सपा देखा, बसपा का चाल अनोखा है' भाजपा ही जन-जन की पार्टी बाकी सब धोखा है ऐसा कोई भी पार्टी बता दे सत्तर वर्ष के इतिहास में बंधुओं किसी भी परिवार के मुखिया का किसी भी समाज के समाजसेवी का और किसी भी प्रजातांत्रिक व्यवस्था में पद पाने वाले प्रदेश के मुखिया का धर्म होता है कि सबसे पहले चिकित्सा दूसरे नम्बर पर शिक्षा और तीसरे नम्बर पर सुरक्षा यह शिक्षा चिकित्सा और सुरक्षा का भाव जिस भी सरकार के लिए प्रेरणा न हो उसको परिवार का मुखिया बनने का हक नहीं होता है और हमारी सरकार ने चाहे केंद्र की सरकार हो चाहे हमारे योगी जी की सरकार हो इन तीनों चीजों पर विशेष ध्यान दिया है अपने देखा होगा कि 70 वर्ष के इतिहास में जहां गरीब जहां धनवान जहां टाटा मेमोरियल्स में इलाज कराते थे। वहीं गरीब जो हैं खुरपी चलाकर के अपने आंसुओं को बहाते हुए अपने जवान बेटे को जान से हाथ धोते देखते थे, लेकिन पहली बार हमारे देश के प्रधानमंत्री ने समाज के समस्त लोगों को हेल्थ सिक्यूरिटी के आधार पर 5 लाख का हेल्थ सिक्यूरिटी बीमा कराकर धन्य कर दिया है और प्रमाणित कर दिया है कि मैं गरीबों का नेता हूं मैं किसी सामन्तों और अत्याचारियों का नेता नहीं हूं बन्धुओं हमारे उस दिन एक नेता जी बोल रहे थे कह रहे थे कि जो मुसलमान भाईयों के लिए लोग कहते हैं कि पाकिस्तानी हैं नहीं लेकिन भाजपा कभी नहीं सोचती यदि आपका यह भाजपा का चिंतन है मैं स्पष्ट कहता हूं कि मेरे भाईयों जरा सीने पर हाथ धरकर बोलो, जरा सोचो कि डॉ0 अब्दुल कलाम के ईमान को सलाम किसने किया। डॉ0 अब्दुल कलाम को सलाम भारतीय जनता पार्टी के और भारत के नेता नरेंद्र मोदी ने किया। हम तो वीर अब्दुल हमीद के माँ को हमारे नेता पैर भी धूल को चंदन बनाया कभी भी राष्ट्रभक्त मुसलमानों के बारे में नहीं सोचते,

लेकिन ऐसे मुसलमानों को हम पाकिस्तानी हम लोग कहते हैं जो भारत माता को डाईन कहते हैं और विधान सभा में बैठने का काम करते हैं ऐसे मुसलमानों को हम पाकिस्तानी कहते हैं जो भारत माता की जय बोलने से कतराते हैं ऐसे मुसलमानों को हम पाकिस्तानी कहते हैं जो निरीह लोगों पर गोली चलाते हैं ऐसे मुसलमानों को भी हम पाकिस्तानी कहते हैं जो वन्दे मातरम् कहने से परहेज करते हैं बन्धुओं मेरी पीड़ा शिक्षा के बारे में प्राइमरी स्कूल में आप देखें होंगे अध्यक्ष जी।

श्री अध्यक्ष-

आप अपने क्षेत्र की कुछ बातें बता दीजिए।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

हम अपने बड़े भाई राम गोविन्द जी पर चर्चा करेंगे। सप्ताह में सातों दिन जैकेट और कुर्ता बदलते हैं। बच्चों को ड्रेस दिया जैसे लगता है कि गेट का रखवाला है। धन्य हो मंत्री जी, आपका थोड़ा भी ईमान और संवेदना प्रकट नहीं हुई लेकिन योगी होते हुए भी हमारे नेता ने बच्चों को ऐसी ड्रेस दी कि वह लड़का उस ड्रेस में केवल रखवाला ही नहीं सहबाला भी बन सकता है। (सदन में हंसी) ऐसी सुन्दर ड्रेस दी है। आप लोगों ने बच्चों को कैसी ड्रेस दी कि जूता नहीं, मोजा नहीं, बिल्कुल एक दरबान की तरह से ड्रेस दी। हमारे नेता ने हमारे बच्चों के लिए जूते से लेकर टाई तक का इन्तजाम करके उनको स्वाभिमान दिया। आपने दरबान का वेश दिया, हमने स्वाभिमान दिया। यह हमारा चिन्तन है और इस चिन्तन के आधार पर हम कह सकते हैं कि हमारे पूज्य योगी जी और हमारे नेता मोदी जी के चिन्तन वाला दूसरा कोई नेता भारत की धरती पर पैदा नहीं हुआ है। मेरे भाईयों, दुनिया और भारत के इतिहास का एक भी अवसर बताओ, जब भारत के प्रधानमंत्री की मां, 95 बरस की मां हॉस्पिटल में जाकर अपनी दवा कराती हो। इससे बड़ा त्याग का दूसरा उदाहरण दुनिया के राजनैतिक इतिहास में मिलने वाला नहीं है। मेरे भाईयों, ऐसा कोई उदाहरण हो तो बता दो कि किसी प्रदेश का मुखिया योगी जी जैसा हो और उनकी बहन सामान्य दुकान पर जीवन बसर करती हो। ऐसा उदाहरण नहीं मिलेगा। हम तो कहते हैं बड़े भाई राम गोविन्द चौधरी जी। राम गोविन्द चौधरी जी के त्याग को भी मैं धन्यवाद देता हूं। यदि इनका गांव का घर देख लिया जाए तो अमेरिका का व्हाइट हाउस देखने की जरूरत नहीं है। जाकर के देख आइए। (सदन में हंसी)

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिए। आपका समय हो गया।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

मैं तो कहता हूं कि यह भारतीय राजनीति में ही है। अध्यक्ष जी, भारतीय राजनीति में राजनीति प्रारम्भ करने के बीच मैं यह जरूर कहूंगा। मैं अपने क्षेत्र की एक बात कह लूं। बलिया जिला जिसने स्वतन्त्रता आन्दोलन की पहली नींव रखी थी। बन्धुओं, अभी आपने देखा

होगा कि बिजली के बारे में कुछ सदस्य कह रहे थे। मैं कहता हूं आप थोड़ा सा अपने दिल पर हाथ रखकर कहो। 7 घण्टा बिजली देने वाले लोगों, 6 घण्टा बिजली देने वाले लोगों, आपको विधान सभा में बिजली पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है। हमारा बिजली मंत्री जैसे बाहर से चमकता है, वैसे ही प्रदेश को भी चमकाने का प्रयास कर रहा है। मैं उनको हृदय से साधुवाद देता हूं। मेरे भाईयों अभी आपने देखा होगा। यह तो हम सबका सौभाग्य है। मैं पहली बार विधायक बना हूं लेकिन सौभाग्य है कि एक साधक के रूप में हम लोगों को सेवक मिला है और उसके सानिध्य में काम करने का मौका मिला है। हमें साधक के रूप में सेवक मिला है। भाईयों, दुनिया के इतिहास में भारत बदलने जा रहा है। मैं विपक्ष के भाईयों से भी कहूंगा कि रचनात्मक कामों में सहयोग करिए। विपक्ष का मतलब यह नहीं होता कि हम गंगा जल छिड़कें तो आप उसमें गन्दगी छिड़केंगे। विपक्ष का मतलब यह नहीं होता है। आप गंगा जल को स्वीकार कीजिए। यदि हम सत्य बात कहते हैं तो सत्य को स्वीकार कीजिए। मान्यवर, हम अपने क्षेत्र की एक अपील कर दें।

श्री अध्यक्ष-

कृपया अब आप बैठिए। आप क्षेत्र वाली सब बातें मा0 मुख्य मंत्री जी को लिखकर दे दीजिएगा।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

अध्यक्ष जी, आपसे प्रार्थना है कि आज आप जो स्वतन्त्रता की सांस ले रहे हैं, आप आदरणीय अध्यक्ष बने हैं और सब लोग विधायक बने हैं। इसकी शुरुआत बलिया ने की थी। सन् 1942 में बलिया आजाद हुआ था लेकिन विकास के क्रम में आज 70 बरसों बाद भी बलिया पिछड़ा है। हमारे बड़े भाई राम गोविन्द चौधरी जी भी कद्दावर नेता हैं लेकिन वह भी बलिया में कुछ नहीं ले गए। मैं आपके माध्यम से आदरणीय योगी जी से प्रार्थना करूंगा कि कम से कम बलिया में एक मेडिकल कॉलेज और एक इंजीनियरिंग कॉलेज दे करके आप हमारी धरती को धन्य करिए ताकि मंगल पाण्डेय, चित्तू पाण्डेय की धरती का विकास हो। हमारा बैरिया विधान सभा क्षेत्र 18 अगस्त सन् 1942 में ही आजाद हो गया था। मेरा आग्रह है कि ऐसे जिलों को विशेष जिले का दर्जा दिया जाना चाहिए और उनको विशेष सुविधाएं दी जाएं। इन्हीं शब्दों के साथ भारत माता की जय।

श्री अध्यक्ष-

अब मा0 उमाशंकर सिंह जी।

(सदस्य सुरेन्द्र नारायण सिंह द्वारा खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर)

श्री विक्रम सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, आपने नाम इनका लिया था और वह मा0 विधायक जी भी बोलना चाह रहे थे लेकिन आपने नाम पहले इन्हीं का लिया था।

श्री सुरेन्द्र नारायण सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, आपने नाम मेरा लिया था लेकिन मा0 सदस्य ने बोलना शुरु कर दिया और आपने उनको अवसर दे दिया तो मैं बैठ गया। हमने सोचा कि भाई साहब बोल रहे हैं तो उन्हीं को सुन लिया जाए। उस समय मेरा अवसर था इसलिए अब मुझे बोलने का अवसर दिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

अब हमने मा0 उमाशंकर सिंह को बुला लिया है। आप बाद में बोल लीजिएगा।

श्री उमाशंकर सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने महामहिम श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण चर्चा में मुझे भाग लेने का अवसर दिया मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं सबसे पहले महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर संशोधन प्रस्ताव हमारे बहुजन समाज पार्टी के नेता आदरणीय लाल जी वर्मा जी ने रखा है मैं अपने आपको उनसे सम्बद्ध करता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, क्योंकि समय बहुत कम है, मैं बहुत विस्तार में नहीं जाना चाहता हूं लेकिन कुछ चीजें ऐसी हैं क्योंकि नेता सदन भी बैठे हैं मुझे इस बात को कहना भी आवश्यक है। माननीय अध्यक्ष जी, उदाहरण स्वरूप ले लें पिछले बजट में एक बहुत अच्छी स्कीम आई थी चन्द्रशेखर आजाद ग्रामीण विकास सचिवालय निर्माण करने की जिसमें 20 करोड़ रुपये का आवंटन भी था, लेकिन माननीय अध्यक्ष जी हम दूसरे बजट में आ गए। वह सचिवालय ऐसा बनना था कि 4 गांवों को मिलाकर एक सचिवालय बनना था। उस सचिवालय को बहुत हाईटेक बनाने की व्यवस्था थी। हम लोगों ने पिछले बजट में उसका स्वागत भी किया। सरकार को हम लोगों ने धन्यवाद दिया लेकिन माननीय अध्यक्ष जी, जब चर्चा आएगी तो इसका जवाब जरूर आएगा। मुझे लगता है कि पूरे उत्तर प्रदेश में निर्माण तो दूर की बात है स्थान का चयन भी अभी तक नहीं हुआ है। इससे कहीं न कहीं मॉनीटरिंग में निराशा जरूर है। इसकी मॉनीटरिंग होनी चाहिए क्योंकि बजट तो हम ले आते हैं, बजट तो पास हो ही जाना है, लेकिन जो चीजें हम बजट में ले आते हैं उसमें कभी कुछ ऐसे बजट होते हैं जिनका विपक्ष भी स्वागत करता है तो कम से कम ऐसे बजटों पर जैसे कि किसानों का ऋण माफ हुआ तो सारे विपक्ष ने कहा कि ठीक है, अच्छी बात है और किसानों के हित में है। हम सब लोगों ने उसका स्वागत किया उसी तरह से यह ग्रामीण सचिवालय था। माननीय अध्यक्ष जी, इसी तरह से चर्चायें होती रहती हैं चूंकि आदरणीय राणा जी जो चीनी मिल मंत्री हैं, हमारे मित्र भी हैं। पिछले बजट में इन्होंने रसड़ा चीनी मिल का जिक्र किया था लेकिन फिर इस बार महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण में पेज-13 पर चीनी मिल की चर्चा आई है जिस चीनी मिल की चर्चा आई है हम उसका विरोध नहीं कर रहे हैं। हम यह नहीं कह रहे हैं कि पिपराइच, गोरखपुर और मुडेरवा, बस्ती चीनी मिल की स्थापना न हो। मैं इसका स्वागत करता हूँ लेकिन उस बजट में माननीय अध्यक्ष जी, चूंकि

हमारे मंत्री जी काफी तेज और जुझारू हैं। हम लोगों के साथ पिछले सत्र में इधर बैठते थे। इन्होंने पिछली बार चीनी मिल रसड़ा का जिक्र किया था। हमारे पूरे पूर्वांचल में उधर रसड़ा की तरफ बलिया की तरफ एक ही उद्योग है। वहां एक कताई मिल थी वह बंद हो गई। उस कताई मिल की जमीन पर 400 के0वी0ए0 का सब-स्टेशन बनने जा रहा है। उसके लिए हमारे जिले के लोगों ने स्वागत किया कि कम से कम 400 के0वी0ए0 का एक सब-स्टेशन हमारे यहां रसड़ा में बन जाएगा लेकिन इस बार के बजट में रसड़ा की चीनी मिल का कोई जिक्र नहीं है। क्या हम लोग मान लें या अपने लोगों से कह दें कि अब यह चीनी मिल हमेशा-हमेशा के लिए सरकार के ध्यान से उतर गई है। मैं चाहूंगा कि बजट में इसका भी प्राविधान हो जाए। अभी हमारे बड़े भाई आदरणीय सुरेन्द्र सिंह जी ने जिस मेडिकल कालेज की बात की है चूंकि सर्वविदित है कि मेडिकल कालेज में सबसे महत्वपूर्ण जिस वार्ड का उपयोग होता है वह हाईटेक ट्रामा सेन्टर होता है। माननीय अध्यक्ष जी, उन्होंने जो आजादी का जिक्र किया सही बात है जिस समय जो लड़कर लेना था उस समय बलिया जनपद ने लड़कर वह आजादी हासिल की लेकिन आज बलिया जनपद अपने विकास का जो एक हिस्सा चाहता है वह उसे नहीं मिलता है इसलिए क्योंकि वह लड़कर नहीं मिल सकता है। जो भी सरकारें आती हैं यदि वह उसपर ध्यान देती तो यह ध्यान जाता कि बलिया को लड़कर ही लेना होगा बलिया ने आजादी तो सबसे पहले लड़कर ले ली लेकिन आज विकास के मामले में बलिया पीछे हो गया है। माननीय अध्यक्ष जी, बलिया से यदि उनकी विधान सभा ले ली जाए तो बनारस की दूरी लगभग 200 किलोमीटर से अधिक है उनके विधान सभा से ही गोरखपुर की दूरी 200 किलोमीटर से अधिक है। माननीय अध्यक्ष जी, यदि कोई एक्सीडेंट हो जाता है कोई ऐसी आकस्मिक दुर्घटनाएं हो जाती हैं या किसी प्रकार की कोई प्रॉब्लम हो जाती है तो व्यक्ति को बचाया जाना संभव बिल्कुल नहीं है। इसलिए कि वहां से बनारस ले जाने में 5 घंटे लगते हैं या 5 घंटे गोरखपुर ले जाने में लगते हैं तभी हम जाकर उच्च स्तरीय मेडिकल की सुविधा दे सकते हैं। पूरे जनपद में माननीय अध्यक्ष जी कहीं मेडिकल कालेज नहीं है। उस मेडिकल कालेज से केवल बलिया ही लाभान्वित नहीं होगा बल्कि मऊ भी लाभान्वित होगा, गाजीपुर भी लाभान्वित होगा और देवरिया का कुछ मैक्सिमम भाग भी लाभान्वित होगा और चूंकि मैं आपके माध्यम से हमारे माननीय नेता सदन जी बैठे हुए हैं अभी सरकार के बजट में भी है कि इस बार हम रिकार्ड संख्या में मेडिकल कालेज खोलने जा रहे हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय नेता सदन से अनुरोध करूंगा कि इस बार के बजट में जब वह अपना भाषण रखेंगे तो मुझे लगता है कि उस बलिया की क्रांतिकारी धरती को याद करके जरूर यह अवसर देंगे। माननीय अध्यक्ष जी, हम आलोचना की बात नहीं कर रहे हैं आज जैसे हमारे यहां इन्वेस्टर समिट होने जा रही है, हम लोगों ने व्यक्तिगत रूप से भी आदरणीय खन्ना जी से मिलकर कहा कि आज कम से कम पूरे प्रदेश में, देश में इस बात की चर्चा हो रही है और चर्चा में यह डिपार्टमेण्ट आ गया है इस बात के लिए हम लोग इनको बधाई दे रहे हैं लेकिन जो दुर्भावना से काम होता है, आज यदि आप देखें

अगर कोई भी इन्वेस्टर आएगा तो हवाई पट्टी हम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के पास नहीं बनाते हैं वह एयरपोर्ट पर उतरेगा और यह एयरपोर्ट से भी हमने सारे लोगों को हेलीकॉप्टर से ले जाने की सुविधा नहीं दी है, वह बाई रोड आएगा लेकिन एक जो परम्परा चली आ रही है कि अगर बहुजन समाज पार्टी ने यह काम करा दिया है और समाजवादी पार्टी आएगी तो उस काम को बिल्कुल रद्दी के टोकरी में डाल देगी। समाजवादी पार्टी ने यदि काम करा दिया है अगर मान लीजिए बहुजन समाज पार्टी आ गयी, भारतीय जनता पार्टी आ गयी तो उस पर बिल्कुल ध्यान नहीं देगी। माननीय अध्यक्ष जी, मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि घोटाला चाहे जो कुछ हुआ हो उसमें करप्शन करने वाले ठेकेदार और इंजीनियर दोषी होंगे, उसमें कोई नेता या मुख्य मंत्री दोषी नहीं होता उनके खिलाफ जितनी कड़ी कार्यवाही हो सकती है वह करनी चाहिए लेकिन आज उस इन्वेस्टर समिट को ध्यान में रखते हुए मैं देख रहा हूं कि अब उसमें काम शुरू हुआ है। माननीय अध्यक्ष जी, हम लोग गोमती नगर जाते हैं, गोमती नदी के किनारे जो लोहिया पार्क बना हुआ था उसमें इतने-इतने झाड़-जंखाड़ थे। लोग परिवार लेकर आते थे तो कहते थे कि यह क्या हो गया, हमें यह प्रतिशोध की भावना से काम नहीं करना चाहिए वह प्रदेश और देश की धरोहर है वहां किसी ने बना दिया तो वह उसका अपना नहीं हो गया, वह राष्ट्र की सम्पत्ति हो गयी हमें उसको मेनटेन रखना चाहिए मैं इसके लिए बधाई देता हूं कि आप ने कम से कम उस पर काम लगाया है और हमेशा के लिए यह दुर्भावना खत्म होनी चाहिए। माननीय अध्यक्ष जी, मेट्रो बन रहा है, सभी लोग मेट्रो की उपलब्धि लेते हैं कि हमने बना दिया हम तो आज आपके माध्यम से दावे के साथ कहते हैं कि चाहे मेट्रो जिसने भी बनाया हो केवल हमें यह बता दें कि मेट्रो का कार्यालय कभी बनाया है आपने, हमारे बनाए हुए भवन में आपने मेट्रो का कार्यालय ला दिया और कहते हैं कि मेट्रो हमने बना दिया, मेट्रो हमने चालू कर दिया। मान्यवर, कहने का मतलब है कि बोर्ड लगाने से नहीं होता है हमें और आपको प्रदेश के लिए काम करना है, सरकार आती जाती रहती है चेयरपर्सन बदलते रहते हैं लेकिन यह नहीं होता है कि जो जनहित की योजनाएं होती हैं उसको अनवरत चलना चाहिए लेकिन उत्तर प्रदेश में काफी दिनों से यह परिपाटी बनी हुई है कि हम अच्छी योजनाओं को इसलिए बंद कर देते हैं कि इसमें मेरा श्रेय नहीं है इसमें दूसरे का श्रेय चला जायेगा। यह प्रतिशोध की भावनाएं हमें खत्म करके प्रदेश हित में, देश हित में काम करना चाहिए। माननीय अध्यक्ष जी, नकल विहीन परीक्षा करायी जा रही है और मुझे लगता है कि 12 लाख से अधिक परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ भी दी है। यह संख्या 10 लाख पहले थी परंतु अब वह संख्या लगभग 12 लाख के आस-पास हो गयी है, हम सरकार को इसके लिए बधाई दे रहे हैं, हम लोग भी चाहते हैं कि नकलविहीन परीक्षा हो लेकिन माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से चूंकि माननीय शिक्षा मंत्री जी नहीं हैं, माननीय मुख्यमंत्री जी हैं, आज जिस तरह से नकल रोकने के लिए हमारे जिलाधिकारी, हमारे एस0डी0एम0 या जो भी प्रशासनिक आफिसर्स हैं या पुलिस प्रशासन के लोग हैं जिस गति से उसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं कि नकल न होने पाए,

कम से कम जो पीछे बीत गया है हम उसको नहीं ढूंढा रहे हैं लेकिन अध्यक्ष जी, यह गति परीक्षा होने के बाद भी उन विद्यालयों पर सरकार को बनाए रखना चाहिए कि वह विद्यालय उन बच्चों को उसी तरह की शिक्षा भी देना शुरू कर दें और इसकी मॉनिटरिंग वही प्रशासनिक ऑफिसर करे कि किस विद्यालय का कौन अध्यापक नहीं आया, किसकी क्लास चल रही है या नहीं चल रही है पता चलता है कि विद्यालय में जाइए तो विद्यालय में 10 बच्चे क्लास में बैठे हैं और जब परीक्षा का फार्म भरा जाता है तो उसमें 600 बच्चे आ जाते हैं। माननीय अध्यक्ष जी, इसकी मॉनिटरिंग करने की जरूरत है हम उत्तर प्रदेश को एक अच्छे और खुशहाल रास्ते पर ले जाना चाहते हैं इसका हम स्वागत करते हैं कि इसकी मॉनिटरिंग हो। मान्यवर, मैं केवल यह सुझाव दे रहा हूं और यह सुझाव मुझे लगता है कि सरकार के हित में होगा। यह मॉनिटरिंग शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए अनवरत जारी रखना चाहिए। अध्यक्ष जी, कताई मिल की भी चर्चा आयी है चूंकि पूर्वांचल में मुझे लगता है कि उद्योग के नाम पर मऊ में मात्र एक पुरानी कताई मिल पड़ी हुई है जो कि काफी दिनों से बंद चल रही है। पिछले कार्यकालों में भी रसड़ा कताई मिल और मऊ कताई मिल की बात उठाता रहा हूं। अध्यक्ष जी, ठीक है, रसड़ा कताई मिल की जमीन का उपयोग हो गया है उस जमीन का उपयोग हो गया है उस जमीन पर सब स्टेशन बन रहा है लेकिन माननीय अध्यक्ष जी, मैं चाहूंगा कि एक तो हम नया उद्योग के लिए समिट कर रहे हैं और अगर हम उस पर ध्यान देकर के आलरेडी जिसका लैंड एक्विजिशन हो गया है, जिसकी हमारे पास पूरी लैंड है, जिसकी हमारे पास पूरी बाउण्ड्री है, उसमें हमारे पास 90 परसेंट इक्यूपमेंट्स हैं, ऐसे उद्योगों को भी अगर हम बजट में रखकर के उनको चालू कर दें। तो माननीय अध्यक्ष जी, मुझे लगता है कि...

श्री अध्यक्ष-

बहुत समय हो गया, समाप्त करिए।

श्री उमाशंकर सिंह-

ठीक है अध्यक्ष जी, आपकी बात का हम बहुत आदर करते हैं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री सुरेन्द्र नारायण सिंह-

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं विधान सभा रोहनियां, वाराणसी से पहली बार चुन कर इस सदन में आया हूं और आपने माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मुझको अवसर दिया, मैं इसके लिये आपका बहुत आभार व्यक्त करता हूं। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। आदरणीय अध्यक्ष जी, सबसे पहले मैं नेता सदन, आदरणीय मुख्य मंत्री जी और यहां पर जितने भी वरिष्ठ सदस्य हैं, सबको प्रणाम करते हैं, महोदय, यहां आने के बाद हमने समझा था कि इस सदन में हमें कुछ सीखने का अवसर मिलेगा और जहां पर आदरणीय खन्ना जी, महाना जी,

नेता प्रतिपक्ष आदणीय चौधरी जी, लालजी वर्मा जी, सुखदेव राजभर जी जैसे वरिष्ठ सदस्य यहां मौजूद हैं तो निश्चित तौर पर इस सदन को कुछ मिलेगा। लेकिन महोदय मुझे दुःख हुआ कि पहली बार और इस सत्र में भी आदरणीय राज्यपाल महोदय जब यहां पर बोलने के लिये, सरकार के विजन को रखने के लिये उपस्थित हुए तो बिना उनको सुने, उनके ऊपर कागज के गोले, जहाज बनाकर फेंका जाने लगा, गुब्बारा उड़ाया जाने लगा, सबसे पहले तो मैं उस कृत्य की निंदा करता हूं। आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारी सरकार का ''सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया'' की नीति पर काम करने का उद्देश्य है और उसी आदर्श को अपनाते हुये यह सरकार गांव, गरीब, नौजवानों, किसानों, वंचितों और शोषितों एवं समाज के उपेक्षित वर्ग के लिये कार्य कर रही है। सरकार के इस सराहनीय कदम से ऐसे वर्ग के लोगों के मन में स्वाभिमान बढ़ा है और विकास के लिये सब के साथ कदम बढ़ाकर बराबरी का दर्जा पाने का भरपूर प्रयास भी हो रहा है। आरणीय अध्यक्ष जी, सब का साथ, सब का विकास, माननीय योगी जी सरकार का मंत्र है और पिछली सरकारों ने सब का साथ, अपना विकास के सिद्धांत पर चलते हुये इस प्रदेश का जिस तरह से बंटाधार कर दिया था, यह सरकार आज विकास के रथ के पहियों को पटरी पर लाकर के इसे दौड़ाने का काम कर रही है। महोदय, रोटी, कपड़ा और मकान, इंसान की मूलभूत आवश्यकतायें हैं। आदरणीय योगी जी की सरकार इसके लिये कृत संकल्प है। महोदय, पिछली सरकारों ने डार्क जोन का हौवा बनाकर बहुत बड़े क्षेत्र में किसानों के साथ छलावा किया था, आज आदणीय योगी ने इसे समाप्त किया है और किसानों को हर जगह नलकूप लगाकर सिंचाई साधन उपलब्ध कराकर उनके जीविकोपार्जन के लिये बढ़ावा दिया है। माननीय योगी जी ने और इस सरकार ने सबको बिजली उपलब्ध कराने का जिसे तरह का काम किया है इसके लिये मैं ऊर्जा मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं और आज जब इस सदन में सुनता हूं, बिजली पर हमारे विपक्ष के नेता बोलते हैं तो ऐसा लगता है कि सारी शर्म और हया इन लोगों ने खो दिया है। महोदय, इनके शासनकाल में, मोबाइल चार्ज करने के लिये लोग ऐसे लोगों के घर में जाया करते थे, जिसके पास इन्वर्टर है और जिसके पास जनरेटर हुआ करता था। महोदय, आज इन्वर्टर वालों और बैटरी वालों की दुकानें बन्द हो रही हैं, इसलिये कि आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में हमारे ऊर्जा मंत्री जी ने उत्तर प्रदेश को बिजली मय कर दिया। महोदय, गुण्डों और माफियाओं के ऊपर यह सरकार लगाम लगाने के लिये काम कर रही है तो ये लोग हल्ला कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि उन गुण्डों और मफियाओं के पीछे इनका भी जरूर हाथ रहा है और इनको तकलीफ हो रही है जब उन गुण्डों और मफियाओं के खिलाफ खोज-खोज कर कार्रवाई की जा रही है। महोदय, किसानों के मामलों में यह सरकार जिस तरह से कृत संकल्प है, उनके विकास को बढ़ाने के लिये आज गेंहू के क्रय केंद्र हों अथवा धान के क्रय केंद्र हों, ऐसा काम आदरणीय योगी जी सरकार ने किया है कि किसानों से जाकर सीधे खरीद की गयी है और सीधे उनके खाते में पैसा जमा किया गया है। आदरणीय अध्यक्ष जी, पिछली सरकार ने गन्ना चीनी मिलों एवं तमाम चीनी मिलों को बन्द कर दिया गया था। उनको चालू करने का भी निर्णय लिया है और 3 चीनी मिल खोलने का भी निर्णय लिया है, मैं इसके लिए अपनी सरकार को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। आज भी बहुत बड़ी संख्या में गरीबों के पास आवास नहीं हैं, आदरणीय प्रधानमंत्री जी की जो

आवास योजना है उसके तहत् 2022 तक इस देश में सम्पूर्ण गरीबों के पास आवास हों और उनको रहने के लिए अपनी छत हो, ऐसा निर्णय किया गया है। हमारी योगी जी की सरकार ने भी इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाते हुए गांव में रहने वाले गरीबों और शहरों में रहने वाले गरीबों को आवास दिलाने का काम किया है इसके लिए मैं इन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद् देता हूं। चाहे कृषि का क्षेत्र हो, शिक्षा का क्षेत्र हो, ऊर्जा का क्षेत्र हो, सभी में काफी काम किया गया है। धान का केन्द्र खोलकर किसानों को सहयोग करना, स्वास्थ्य, चिकित्सा, प्रधानमंत्री आवास योजना, कौशल विकास, स्कूल चलो अभियान, बच्चों की ड्रेस, स्वच्छ भारत मिशन तमाम तरह के कार्यक्रम चला करके इस सरकार ने निश्चित रूप से बहुत बड़ा काम किया है। मान्यवर, मैं ऐसे क्षेत्र से आता हूं जो अर्द्धनगरीय क्षेत्र है। इसके पहले जो उत्तर प्रदेश में सरकारें हुआ करती थीं, दो-तीन सरकारों ने कुछ काम नहीं किया। हमारा क्षेत्र अर्द्धनगरीय होने के नाते वहां पर नाली और सड़कों का बहुत अभाव है। मैं इस सरकार में सबसे पहले धन्यवाद् दूंगा आदरणीय उप मुख्यमंत्री और पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर को, जिन्होंने हमारे क्षेत्र में लगभग 40 सड़कों को स्वीकृत किया है और अब ऐसा लग रहा है कि हमारा क्षेत्र भी ठीक होगा। महोदय, इलाहाबाद से वाराणसी जाने वाली एक सड़क चांदपुर से मोहनसराय जो करीब 10 किलोमीटर की है, उस सड़क पर बीच में डिवाइडर बनाकर जो रोज वहां एक्सीडेंट हो रहे हैं उसको कम करने का काम हमारी सरकार करेगी। मिर्जापुर से वाराणसी जाने के लिए जो बाईपास से चितईपुर-भिटवारीपुर का रोड है उसमें भी बीच में डिवाइडर बनाकर एक बड़ा काम हमारी सरकार करेगी। मान्यवर, हमारा एक जो घाट था जहां पीपे का पुल हुआ करता था, यहां वाराणसी और रामनगर को जोड़ने वाले रास्ते पर पुल बन जाने के कारण वह पीपे का पुल खाली हो गया है इसलिए मैं निवेदन करूंगा कि उस पीपे के पुल को बेटावर और गांगपुर जो मिर्जापुर और बनारस को जोड़ता है उस पीपे के पुल को वहां स्थानान्तरित किया जाय। निवेदन है कि गड़वाघाट एक बहुत ही महत्वपूर्ण और सन्तों का स्थान है उस गड़वाघाट पर एक घाट और शतमक्केश्वर मन्दिर जो बहुत पुराना मन्दिर है (भगवान भोलेबाबा विश्वनाथ जी) का वहां पर एक घाट की आवश्यकता है। अन्त में मेरा यही कहना है कि हमारे क्षेत्र के विकास के लिए आदरणीय योगी जी कृतसंकल्प हैं और मेरा निवेदन है कि छोटी-छोटी गलियां और छोटे-छोटे नालों की वहां बहुत आवश्यकता है, उसकी एक कार्ययोजना बनाई जाए क्योंकि यह क्षेत्र शहर और देहात से जुड़ा है और जुड़ा होने के नाते जो विकास हो रहा है वहां व्यवस्थित विकास नहीं हो रहा है इसलिए मेरा निवेदन है कि उस क्षेत्र में काम करने की आवश्यकता है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करके समाप्त करें।

श्री सुरेन्द्र नारायण सिंह-

मान्यवर, कल, परसों हमारे एक साथी बोल रहे थे कि उन्हें बहुत दुःख होता है जब उन्हें कोई पाकिस्तानी कहता है। मेरा निवेदन है तकलीफ तो हमको भी होती है जब भारत में रहने वाले किसी व्यक्ति को कोई कहता है कि पाकिस्तान वापस जाओ लेकिन हमें तकलीफ उस दिन भी होती है जब आप उस समय नहीं बोलते हैं जब क्रिकेट होने पर कोई कहता है भारत

मुर्दाबाद, आपको भी उससे तकलीफ होनी चाहिए। हमें तकलीफ उस समय भी होती है जब कश्मीर में हमारे देश के नौजवान दूसरे देश के सैनिकों से लड़ते हैं और पीछे से पत्थर मारा जाता है। महोदय, मुझे बहुत तकलीफ उस समय भी होती है जब हिन्दुस्तान में रहकर लोग हिन्दुस्तान मुर्दाबाद कहते हैं। मित्रों, ऐसे लोगों को भी यह सोचना चाहिए कि वह हिन्दुस्तान में रहते हैं। मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद् देते हुए एक बार पुनः श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर अपना समर्थन व्यक्त करते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूं।

श्री बजरंग बहादुर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, आपने हमें राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया उसके लिए मैं आपके प्रति आभार प्रकट करता हूं। निश्चित रूप से आज से 10 महीने पहले उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई और आज भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश की सरकार अपना दूसरा बजट प्रस्तुत करने वाली है। राज्यपाल का अभिभाषण निश्चित रुप से सरकार की नीतियों का एक पुलिन्दा है। आज जो उत्तर प्रदेश कि स्थिति है, आज से 10 महीने पहले उत्तर प्रदेश की जो स्थिति थी उससे उत्तर प्रदेश की जनता कराह रही थी। उत्तर प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी की सरकार से ऊब चुकी थी, इस नाते उत्तर प्रदेश की जनता ने, उत्तर प्रदेश में कानून का राज हो, उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार का खात्मा हो, उत्तर प्रदेश का विकास हो, इस दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी की सरकार उत्तर प्रदेश में आयी। मा0 अध्यक्ष जी, जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार आयी है, तब से इस सरकार की तीन प्राथमिकताएं रहीं। उत्तर प्रदेश में कानून का राज हो, उत्तर प्रदेश में विकास का राज हो, उत्तर प्रदेश से भ्रष्टाचार की समाप्ति हो। इन तीन उद्देश्यों को ले करके आदरणीय योगी जी की सरकार ने काम शुरू किया और आज से 10 महीने पहले जो स्थिति थी, उत्तर प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी के भ्रष्टाचार से कराह रही थी, ऊब चुकी थी, और जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई है, तब से धीरे-धीरे भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगाने का प्रयास किया है। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था जो बिगड़ी थी, हम सौ प्रतिशत तो नहीं कह सकते, लेकिन हमारी सरकार चाहती है कि पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल समाप्त हो, कानून का राज चले, इस दृष्टि से सरकार लगातार हर क्षेत्र में प्रयास कर रही है और पूरी ईमानदारी पूर्वक जनता में यह संदेश दिया है कि योगी जी की सरकार निश्चित रुप से प्रदेश के अंदर कानून-व्यवस्था को ठीक करना चाहती है, वहीं दूसरी तरफ जब हम सरकार में आए थे तब बिजली की व्यवस्था एकदम तार-तार हो चुकी थी। जब हम सरकार में आए थे तो उस समय सड़कों की स्थिति अत्यन्त खराब थी, जब हम सरकार में आए थे तो निश्चित रुप से आम जनता को जो सुविधाएं मिलनी चाहिए थी वह नहीं मिली। हमारी सरकार आई, तुरन्त बिजली की व्यवस्था को ठीक करने का प्रयास किया और उसके नाते विपक्ष के लोग, हम लोग जब विपक्ष मे थे तब 4 घण्टे बिजली मिल रही थी। हम लोग जब आज सत्तापक्ष में है तो आज विपक्ष के लोग भी कह रहे है 13-14 घण्टे बिजली मिल रही है लेकिन मैं कहता हूं कि वह गलत कह रहे हैं आज पूरे उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार जब से आई, कहीं

भी जनता ने बिजली के लिए आंदोलन नहीं किया। उसका एक मात्र कारण है कि बिजली पर हमारी सरकार ने काम किया है। योगी जी की सरकार ने काम किया है, वहीं दूसरी तरफ किसानों के गन्ना मूल्य भुगतान का विषय है। पश्चिम में बहुत सारे समयों में आंदोलन हुआ करते थे लेकिन हमारी प्राथमिकता मे उत्तर प्रदेश का किसान था इसलिए हम सरकार में आए तो योगी जी ने किसानों का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर कराने का काम किया। वहीं तीसरी तरफ, आज जो प्रदेश का माहौल है वह किसी से छिपा नहीं है। पहले भी मुख्य मंत्री हुआ करते थे, लेकिन मुख्य मंत्री के आवास के सामने सुबह लखनऊ में यू0पी0-32 नंबर की हजारों गाड़ियाँ लगी रहती थी लेकिन आज योगी जी के समय यू0पी0-32 नंबर की गाड़ियाँ मुख्य मंत्री आवास के सामने नहीं लगी रहती है, यह हमारी संस्कृति का विषय है। यह हमारे कार्य करने की पद्धति का विषय है जिसके नाते आज हम संदेश देने में सफल हुए हैं। वहीं दूसरी तरफ आज पूरे प्रदेश में दुकानों पर चर्चा हो रही है, गांवों में चर्चा हो रही है कि उत्तर प्रदेश में योगी जी निश्चित रूप से उद्योग लगाना चाहते हैं, उत्तर प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाना चाहते हैं। हमारे उद्योग मंत्री जी बैठे हुए हैं आज पूरे प्रदेश में समिट के माध्यम से एक बहुत बड़ा माहौल उत्तर प्रदेश में बनने जा रहा है और आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाने का काम करेगी। वहीं दूसरी तरफ हमारे बहुत सारे साथी लोहिया आवास की बात करते हैं। हर समय लोहिया आवास की बात करते हैं लेकिन मैं एक जनपद, जिस जनपद से चुनकर आता हूं मैं उसकी बात करना चाहता हूं, 2014-2015 में एक जिले में पच्चीस गांव लोहिया के नाम पर तय करते थे और उन्हीं पच्चीस गांवों में आपके विकास का लक्ष्य दिखायी देता था और मुश्किल से दो-चार सौ घर बनाते थे, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की माननीय योगी जी की सरकार उत्तर प्रदेश में आयी तो उन्होंने लक्ष्य तय किया प्रधान मंत्री आवास योजना के माध्यम से, अकेले मेरी विधान सभा में तीनों ब्लाकों में मिलाकर लगभग 5000 आवास बनाये जा रहे हैं। यह हमारी सरकार की प्राथमिकता है। वहीं दूसरी तरफ मैं कहना चाहता हूं, मा0 नगर विकास मंत्री जी को भी बधाई देना चाहता हूं कि जो भ्रष्टाचार, जो अराजकता नगर विकास मंत्रालय में थी, जगह-जगह नगर पंचायतों में प्रदेश भर के गुंडे, माफिया फाइल ले करके घूमते-रहते थे, सारा पैसा नगर विकास विभाग का 10 से लेकर 15 प्रतिशत पर बेच दिया गया।

श्री अध्यक्ष-

अब समाप्त करिये।

श्री बजरंग बहादुर सिंह-

...नगरों की स्थिति अत्यन्त जर्जर हो गयी, खराब हो गयी लेकिन हमारे नगर विकास मंत्री जी ने उस पर निश्चित रूप से ईमानदारीपूर्वक लगाम लगाने का प्रयास किया है। इस नाते मैं कहना चाहता हूं कि यह उत्तर प्रदेश की सरकार, मा0 योगी जी की सरकार उत्तर प्रदेश की तस्वीर को बदलना चाहती है, उत्तर प्रदेश में कानून का राज चलाना चाहती है, उत्तर प्रदेश में

विकास की गंगा बहाना चाहती है, उत्तर प्रदेश के नौजवानों, किसानों, मजलूमों की रहनुमाई करना चाहती है और इस नाते आज उत्तर प्रदेश में तेजी से माहौल बना है कि उत्तर प्रदेश का विकास होगा, उत्तर प्रदेश का काया-कल्प होगा। मैं अपने विपक्ष के साथियों से कहना चाहता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, दो मिनट का समय और दे दें।

श्री अध्यक्ष-

उसको पहले कह लेते।

श्री बजरंग बहादुर सिंह-

मैं अपने विपक्ष के साथियों से कहना चाहता हूं, आप भी सरकार में थे, भारत सरकार की एक केन्द्रीय सड़क निधि योजना चलती थी, कांग्रेस की भी सरकार हुआ करती थी, उन्हें अमेठी व रायबरेली दिखायी देता था और समाजवादी पार्टी को इटावा और कन्नौज दिखायी देता था लेकिन पहली बार माननीय योगी जी के नेतृत्व में, उप मुख्य मंत्री मा0 केशव मौर्या जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में एक साथ केन्द्रीय सड़क निधि योजना के माध्यम से 10 हजार सड़कों का प्रस्ताव आया है। यह उत्तर प्रदेश के विकास में निश्चित रूप से बहुत बड़ा संदेश देने का काम किया है। हमारी सरकार ने ब्लाक मुख्यालय को तहसील मुख्यालय से टू-लेन से जोड़ने का निर्णय लिया है, वहीं दूसरे रास्तों को जो सड़कें जाती हैं उन सड़कों को भी टू-लेन से जोड़ने का काम किया है। आज मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि भारत सरकार ने भी एन0एच0 सड़कों के माध्यम से बहुत बड़ा विकास का काम कराने के लिए योजना बनायी है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिये।

श्री बजरंग बहादुर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, एक मिनट का समय और दे दीजिए। आज के अवसर पर यहां आयुष मंत्री जी होंगे, मैं आयुष मंत्री जी से कहना चाहता हूं, मैंने बार-बार आपसे निवेदन किया था कि महराजगंज जनपद में आयुष अस्पताल की नितान्त आवश्यकता है। हमारे विधान सभा से इसका प्रस्ताव आया है निश्चित रूप से उसको भी स्वीकृत कराने का काम करियेगा। इसी के साथ मैं श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर श्री मनीष असीजा जी द्वारा रखे गये धन्यवाद प्रस्ताव का मैं पुरजोर समर्थन करता हूं।

श्री नरेश सैनी-

माननीय अध्यक्ष जी, महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिये मैं आपका बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूं और धन्यवाद भी देता हूं। मान्यवर, मैं उत्तर प्रदेश की विधान सभा क्षेत्र बेहट से निर्वाचित होकर आया हूं और मेरा

विधान सभा क्षेत्र तीन स्टेट से जुड़ा हुआ है। एक तरफ उत्तराखंड है, दूसरी तरफ हिमांचल प्रदेश है, और तीसरी तरफ हरियाणा है। लेकिन जब हम लोग उन स्ट्रेटस में जाते हैं तो वहॉ की सड़कों को देखकर लगता है कि हम किसी दूसरे स्टेट में आये हैं और जब उधर के लोग हमारे स्टेट में आते हैं तो उनको ऐसा एहसास होता है कि हम उत्तर प्रदेश में आ गये हैं। वह रास्ते जिन रास्तों के बारे में कहा जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के रास्ते बहुत अच्छे हैं, लेकिन आपसे मैं कहना चाहता हूं कि आप मेरे विधान सभा क्षेत्र में किसी को भेजकर देखिये तो पता चलेगा कि उत्तर प्रदेश के रास्ते कैसे हैं और दूसरे स्ट्रेटस के रास्ते कैसे हैं। मान्यवर, हमारे यहॉ रास्ते में गड्ढे पानी के तालाब जैसे दिखाई देते हैं। गड्ढों में हमको रास्ता ढूंढना पड़ रहा है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि मेरा क्षेत्र पहाड़ी क्षेत्र से जुड़ा हुआ है और वहां पर नदियों, नालों की इतनी भरमार है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में मेरे क्षेत्र की कोई चर्चा नहीं है। उसमें माँ शाकम्बरी देवी जो पूरे पश्चिमी प्रदेश का एक सिद्धि पीठ वहां पर है और पूरे स्टेट से व अन्य राज्यों से भी लोग वहां पर आने का काम करते हैं। मैं माननीय महामहिम राज्यपाल जी से आपके माध्यम से निवेदन करता हूं कि उस सिद्धि पीठ को पर्यटक स्थल घोषित कराने का काम करें। इसके साथ ही साथ मैं कहना चाहता हूं कि वहां पर मेरे क्षेत्र में पेयजल की बड़ी भारी समस्या है क्योंकि 600-700 फिट गहरे में पानी है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि वहां पर पानी की व्यवस्था करने का काम किया जाय। यह भी कहना चाहता हूं क्योंकि मेरा क्षेत्र पहाड़ी क्षेत्र है, वहां पर बिजली के तार बड़ी जर्जर स्थिति में हैं। ऊर्जा मंत्री जी भी यहां पर बैठे हुए हैं मैं उनसे भी निवेदन करता हूं क्योंकि पहाड़ी क्षेत्र की वजह से बहुत बड़े पेड़ हैं और टकराव होता है बिजली आपूर्ति ठीक से नहीं हो पाती। ठीक है कि पिछली बार से इस बार व्यवस्था तो अच्छी है 12-13 घंटे बिजली आ रही है। मैं अपने क्षेत्र के लिये विशेष निवेदन करना चाहता हूं कि मेरे यहां तारों की जो जर्जर यवस्था है उस पर भी आप काम करने का काम करें। क्योंकि आप लाइट तो देंगें लेकिन जब टकराव होता है तो 5-6 घंटे ही बिजली मिलने का काम होता है। इस पर भी जोर देकर मेरे क्षेत्र में काम करवायें। इसके साथ ही साथ मैं यह कहना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में क्योंकि पानी की गहराई बहुत ज्यादा है और किसान बहुत गरीब हालात में है। वहां पर पानी की व्यवस्था के लिये एक समूह बनाकर, एक गांव में एक ट्यूबवेल की व्यवस्था करने का काम करें। कम से कम एक गांव में एक ट्यूबवेल तो दिया जाय ताकि वहां का किसान खुशहाल हो सके। इसके साथ-साथ दूसरी बात यह कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने 100 डॉयल नम्बर दिया था उसका यूज तो अच्छा है लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई उस पर उसका शिकंजा खत्म हो गया है। पूरी जगह 100 डॉयल नम्बर वालों ने किसान का इतना उत्पीड़न कर रखा है कि अगर कोई ट्राली जा रही है, यदि कोई बुग्गी में मिट्टी लेकर जा रहा है तो उस किसान का भी उत्पीड़न किया जा रहा है। इस पर भी आप शिकंजा कसने की व्यवस्था करें। इसके अलावा

मैं यह कहना चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र में क्योंकि घास-फूस से किसानों के घर बने हुए हैं और जब गर्मी का मौसम आता है तो गांव में एक चिंगारी से आग लग जाती है। इसलिये मैं आपसे निवेदन करूंगा कि कम से कम मेरे क्षेत्र में एक फायर ब्रिग्रेड स्टेशन बनाने का काम किया जाय क्योंकि हमारा क्षेत्र पुलिस हेड क्वार्टर से 50 किमी0 दूर पड़ता है। इसके साथ-साथ मैं आपसे कहना चाहता हूं कि जो एन्टी भू-माफिया का आपकी सरकार के द्वारा काम किया जा रहा है, उसके लिये मैं कहना चाहता हूं कि जो जमीन एन्टी भू-माफियाओं के द्वारा छुड़वाई जा रही है उसमें आपकी क्या योजना है। यदि योजना है कोई अच्छे काम करने की, तो उन लोगों से छंटवाने का काम करें, जो बेसहारा लोग उन पर बसे हुए हैं अपना रोजगार किए हुए हैं उनको मौका देने का काम करें ताकि वह अपना जीवन निर्वाह कर सकें। बहुत आभार व्यक्त करता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। जय हिन्द जय भारत।

श्री पल्टूराम-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं पहली बार बलरामपुर की वह धरती जो राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की तपोभूमि और भूतपूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेयी जी की कर्मभूमि रही है, से पहली बार चुनकर आया हूं । आपने मुझे इस सदन में बोलने का मौका दिया मैं आपका धन्यवाद् अदा करता हूं [XXX] कदम उठाया है उसके लिए भी मैं हृदय से आभार व्यक्त करना चाहता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, विपक्ष के लोग महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर तरह-तरह की टिप्पणियां कर रहे थे। मैं पहली बार चुनकर आया हूं मैं भी उनकी बातों को सुन रहा था मुझे यह लग रहा था इस सदन में विपक्ष के बहुत से वरिष्ठ नेता मौजूद हैं, जिनसे हम लोगों को कुछ सीखने का मौका मिलेगा लेकिन विपक्ष के लोगों ने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जो बर्ताव किया उसकी जितनी निन्दा की जाए वह कम है। इसलिए मैं विपक्ष के लोगों से पूछना चाहता हूं कि जो कासगंज की घटना को लेकर के बहुजन समाज पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने परसों जिस तरह से सदन में टिप्पणी की थी मैं उनसे पूछना चाहता हूं माननीय अध्यक्ष जी, तिरंगा यात्रा को लेकर के चलना उत्तर प्रदेश या भारत में गुनाह है। तिरंगा यात्रा लेकर के चंदन गुप्ता कासगंज की धरती पर 26 जनवरी को चला था तो मैं पूछना चाहता हूं कि उसने क्या गुनाह किया था। उसकी निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी जाती है। उस पर नाममात्र को शोक संवेदना व्यक्त करते हैं विपक्ष के लोग और बढ़ा-चढ़ाकर उस घटना को रखते हैं कि मुसलमानों की दुकानों को लूटा गया, मुसलमानों के साथ गलत बर्ताव किया गया है इसे बढ़ा चढ़ाकर उत्तर प्रदेश की मीडिया में विपक्षी लोगों ने बताने का काम किया। मैं विपक्षी सदन के लोगों से कहना चाहता हूँ कि जो दुकानें लूटी गई हैं वह बन सकती हैं जो टूटी हैं वह बन सकती हैं लेकिन चन्दन गुप्ता, वो मासूम जो अपने मॉ-बाप का जिगर का टुकड़ा था क्या दोबारा इस धरती पर वह आ सकता है सरकार ने जो कदम उठाया है ऐसे कदम जब

नोटः- [XXX] यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

उठाए जाएंगे तब ऐसे लोगों के मुँह पर पाबन्दी लगेगी जो इस धरती पर रहकर नारा लगाते हैं कि-

अफजल हम शर्मिन्दा हैं, तेरे कातिल जिन्दा हैं।

माननीय अध्यक्ष जी, बात हो रही है विकास की, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना जो समाजवादी पार्टी के कथाकथित [xxx] 2017 के चुनाव के पहले अपनी ताकत और सत्ता के बल पर ठेकेदारों से खम्भे उठाकर के गॉव में जबर्दस्ती गिरवा दिए कि यह लगे कि सपा0 के नेताओं ने यह खम्भा गिरवाया है। मैं पूरे उत्तर प्रदेश की संरचना आपके सामने नहीं रखना चाहता हूँ देवीपाटन मंडल के प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र से मैं वाकिफ हूँ वह कम्पनी वहां से भाग गई और लोग तरस रहे थे कि यह खम्भा मैं देखूँ कि तार कब लगेगा। ऊर्जा मंत्री जी सदन में मौजूद हैं जो काम किया है मेरे पास रिकार्ड है।

(शोर)

उस कम्पनी ने एफ0आई0आर0 किया है।....

माननीय अध्यक्ष जी, उस कम्पनी ने समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री के खिलाफ एफ0आई0आर0 किया है, मेरे पास समाजवादी पार्टी के नेताओं के खिलाफ रिकार्ड हैं। वह कम्पनी वहां से भाग जाती है। मैं दलित समाज में पैदा हुआ हूं, उसके दर्द को मैं जितनी अच्छी तरह से जानता हूं, उतना नितिन अग्रवाल जी नहीं जानते हैं, क्योंकि यह बड़े बाप के बेटे हैं, महलों में रहते हैं और समाजवाद की रूपरेखा करते हैं। आज दलित समाज का एक लड़का खड़ा हुआ है तो दर्द हो रहा है, दर्द नहीं होना चाहिए। मेरी बात को सुनिये, नितिन जी, आप भी उस समय मंत्री थे। किसी शायद ने कहा है:- ''तू इधर उधर की बात न कर, बता ये कारवां क्यों रूका, मुझे रहजनों से गिला नहीं, तेरी रहबरी का सवाल है।'' मेरे पास वह रिकार्ड है, मैं आपको दे दूंगा। योगी जी ने जो काम किया है, दलित समाज की बस्तियों में आजादी के 70 साल बाद जिन्होंने कभी बल्ब का उजाला नहीं देखा था।

श्री अध्यक्ष-

आप संक्षेप में अपनी बात समाप्त करें।

श्री पल्टूराम-

माननीय अध्यक्ष जी, जब विधायकों ने सौभाग्य योजना के अन्तर्गत वह उपकार दिये और निःशुल्क कनेक्शन दिये तो वह प्रकाश जब उनकी जिन्दगी में आया, आज विपक्ष की पार्टी के लोगों को बहुत दर्द हो रहा है। माननीय योगी जी ने वह करके दिखाया है, दिनकर जी की उस कविता का चरितार्थ किया है, जिन्होंने कहा था कि:- ''है कौन काम ऐसा जग में, टिक

नोट :-[xxx] यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

सके आदमी के लब में, दम ठोक खेलता है जब नर, पर्वत के जाते पांव उखड़, मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है।'' माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

***श्री नितिन अग्रवाल-**

माननीय अध्यक्ष जी, इन्होंने जो गुण्डे शब्द का इस्तेमाल किया है, उसको आप कार्यवाही से निकलवा दें।

श्री अध्यक्ष-

मैं देख लूंगा।

श्री राम गोविन्द चौधरी (नेता विरोधी दल)-

माननीय अध्यक्ष जी, आप कह रहे हैं कि देख लूंगा। अगर इस तरह के भाषण अगर होंगे। एक तरफ मा0 नेता सदन कहते हैं कि व्यक्तिगत आरोप विपक्ष की तरफ से लगते हैं। सुबह से जिस तरह के भाषण हो रहे हैं, यदि इधर से भी इस तरह के भाषण होंगे तो आपकी बेंच की क्या मर्यादा रह जायेगी।

श्री अध्यक्ष-

हम आपसे सहमत हैं।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

माननीय अध्यक्ष जी, खुलेआम गुण्डे शब्द कहना कि समाजवादी गुण्डे, यह आपको शोभा देता है? यही तो यह कह रहे हैं कि इसको कार्यवाही से निकलवा दीजिये और हिदायत दीजिये कि मर्यादा के अन्दर भाषण हो, नहीं तो इधर से भी ऐसा ही होने लगेगा। यह सदन है, कटाक्ष हो, परन्तु मर्यादित भाषण हो।

श्री अध्यक्ष-

इस शब्द सहित जितने भी असंसदीय शब्द हैं, वह कार्यवाही का भाग नहीं बनेंगे।

***श्री कैलाश नाथ सोनकर-**

माननीय अध्यक्ष जी, श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपके चरणों में प्रणाम करता हूं। मैं पहली बार भारतीय समाज पार्टी के टिकट पर भाजपा गठबंधन की सरकार में विधायक बनकर उपस्थित हुआ हूं और माननीय अध्यक्ष जी आपने बोलने का दोबारा अवसर प्रदान किया, इसके लिए बहुत-बहुत आभारी हूं। ''सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयः'' के आदर्शों को अपनाते हुए हमारी सरकार ने सभी वर्गों के

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

किसानों, गरीबों, वंचितों, शोषितों एवं समाज के उपेक्षित वर्ग के लोगों को न्याय देने का काम किया है।

इन सभी गरीब वर्ग के लोगों को उपेक्षित वर्ग के लोगों को शिक्षा के क्षेत्र के लिए जैसा कि माननीय सुरेन्द्र सिंह बैरिया ने शिक्षा के लिए अभी इस सदन में बताने का काम किया मैं उनसे अपने को सम्बद्ध करता हूँ। वास्तव में शिक्षा के क्षेत्र में जिस तरह से हमारी सरकार अपने कार्यभार को संभालने के बाद पुरानी सरकारों के होमगार्ड के वस्त्र को उतारकर एक कांवेंन्ट स्टेटस कान्वेंट की तरह ड्रेस देने का काम किया हमारे गरीब किसान और उस उपेक्षित वर्ग के बच्चों को सम्मान देने का काम किया अध्यक्ष जी मैं बताना चाहता हूँ वास्तव में यह बहुत बड़ा परिवर्तन आया है जहॉ जहॉ जिस प्राथमिक विद्यालयों में हम लोगों ने ड्रेस बांटने का काम किया बच्चों के चेहरों पर बहुत बड़ी खुशी नजर आई अर्न्तआत्मा से बहुत बड़ी प्रसन्नता हुई। क्योंकि पिछली सरकारों ने अगर उन सभी बच्चों को यह कार्यक्रम पहले चला दिए होते आज उन विद्यालयों को माडल का रूप अगर 10 वर्ष पहले दे दिया होता तो शायद आज हमारे 10 लाख परीक्षार्थी परीक्षा नहीं छोड़ते। क्योंकि माडल का रूप जिस दिन प्राथमिक और जूनियर विद्यालयों को दे दिया जाएगा अगले 10 वर्षों में उत्तर प्रदेश की एक नई संरचना दिखेगी। हम बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के उस संविधान के आधार पर आरक्षण के आधार पर आज यहॉ बैठे हैं। आज यहॉ चुनकर आए हैं इसमें हम बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के आभारी हैं। जिन्होंने उस संविधान में हमें यहॉ आने का मौका दिया तब मैं आज इस सदन में उपस्थित हूँ । वह दिन दूर नहीं जो हमारी सरकार कार्य कर रही है पिछली सरकारों ने जो नहीं किया माडल का रूप इंग्लिश मीडियम कान्वेंट स्टेटस एक्सपोजर भले न बढ़े उसमें कोई दिखावा करने की आवश्यकता नहीं लेकिन बहुत सारे बजटों को उसमें कुछ पैसों की कटौती करके शिक्षा के क्षेत्र में प्राथमिक और जूनियर विद्यालयों को बहुत जल्द से जल्द कान्वेंट स्टेटस और इंग्लिश मीडियम का रूप दे देना चाहिए जिससे अगले 10 वर्षों में हमारे देश की संरचना बदल जाएगी। कोई भी गरीब नहीं होगा हर व्यक्ति स्वावलम्बी होगा हर व्यक्ति को अपने ऊपर गर्व होगा अपने से कमाकर अपने परिवार को चलाने की क्षमता होगी। और इस दिशा में हमारी सरकार काम कर रही है। हर जिले में माडल स्कूलों को बनाने का निर्देश हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा दे दिया गया है। मैं उम्मीद करता हूँ कि शायद अगले दो वर्षों में उत्तर प्रदेश के सारे प्राथमिक और जूनियर विद्यालय माडल का रूप ले लेंगे और हमारे किसान गरीब दलित उपेक्षित सभी के बच्चे इंग्लिश मीडियम से पढ़कर 10 वर्षों में अपनी रूप रेखा अलग दिखाएंगे।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करें।

श्री कैलाश नाथ सोनकर-

माननीय अध्यक्ष जी आपके माध्यम से बोलने का अवसर मिला गम्भीर रोगियों के मामले में मैं बताना चाहूँगा हमारे मुख्य मंत्री जी वास्तव में गोरक्षपीठाधीश्वर के महाराज भी हैं

ईश्वर के स्वरूप हैं त्रिकालदर्शी हैं इनको मैं बहुत सम्मान देता हूँ क्योंकि इन्होंने 15 से 20 दिनों के अन्दर हमारे जितने भी गम्भीर रोगी हैं मैं अपने विधान सभा में अब तक 50 लोगों को इसका लाभ दिलवा चुका । सबसे बड़ी खुशी यह होती है कि 15 से 20 दिनों के अन्दर उनके पैसे अस्पतालों में पहुँच जा रहे हैं और उससे उनकी जान बच जा रही है । इसका बहुत बड़ा गौरव हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी को जाता है। हमारी सरकार को जाता है। क्योंकि जो बीमार व्यक्ति कभी भी इस्टीमेट बनवाकर किसी भी विधायक को देता था उसमें आप रिकार्ड उठवाकर देख लीजिए 15 से 20 दिनों में इसके पहले कभी पैसे नहीं जाते थे इस सरकार में यह उपलब्धि मिली है लेकिन उसमें भी मैं एक संशोधन माननीय मुख्य मंत्री जी से चाहूँगा कि सभी हास्पिटल्स पैसे पहुँचने के बाद भी अभी रोगियों को दौड़ाते हैं और 15 दिन 20 दिन महीनों दौड़ा देते हैं कि पत्र प्राप्त होगा तब तुम्हारा इलाज शुरू होगा तो मैं यह चाहता हूँ कि उनको पैसा पहुँचने के बाद उनकी आई0 डी0प्रूफ को देखकर तुरन्त उन हास्पिटलों को निर्देशित करने का माननीय मुख्य मंत्री जी से मैं आग्रह करूँगा कि उनको निर्देशित करें कि पैसा पहुँचने के तत्काल बाद उनका उपचार शुरू कर दिया जाए जिससे कि कैन्सर तथा अन्य गम्भीर बीमारियों के जो रोगी हैं उनकी जान बच सके।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करें। आप पॉच मिनट से ज्यादा बोल चुके हैं।

श्री कैलाश नाथ सोनकर-

मान्यवर, मैं बस समाप्त कर रहा हूँ। भू-माफियाओं के खिलाफ हमारी सरकार एंटी भू-माफिया कानून लाकर गरीबों, उपेक्षित वर्ग के लोगों, किसानों तथा असहाय लोगों की मदद करने का काम करने जा रही है, क्योंकि जो लोग पुश्तों-दर-पुश्तों से अपनी जमीनों पर आबाद चले आ रहे हैं, पिछली सरकारों में भू-माफियों द्वारा राजस्व अभिलेखों में उनके नाम कटवा करके और अपना नाम चढ़ा करके उनकी जमीनों को बेच करके करोड़ों रुपये कमाने का काम किया गया है। हमारे मा0 मुख्य मंत्री योगी जी ने अभी बनारस में आयोजित समीक्षा बैठक में डी0एम0 को निदेर्शित किया कि जो लोग भी अपनी जमीनों पर पुश्त-दर-पुश्त आबाद चले आ रहे हैं, उनकी जमीनों पर अगर किसी भी भू-माफिया की नजर पड़ती है तो उस नजर को तुरन्त तोड़ देने का काम करना है।

श्री अध्यक्ष-

आप धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन कर रहे हैं।

श्री कैलाश नाथ सोनकर-

मान्यवर, मैं वही बता रहा हूँ जो हमारी सरकार कर रही है, क्योंकि हमारी सरकार ने और हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी ने इस संबंध में निर्देश दिये हैं।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त कीजिये। मा0 रफीक अन्सारी जी।

श्री कैलाश नाथ सोनकर-

मान्यवर, 1,426 भू-माफियाओं को चिन्हित किया गया तथा 53,548 हेक्टेअर भूमि को भू-माफियाओं से मुक्त कराया गया। जो जमीनें हमारी आजादी के पहले से आबाद हैं उन जमीनों के भू-अभिलेखों में भू-माफिया अपना नाम चढ़वाकर के उनको बेघर करने का काम कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करें। मा0 रफीक अन्सारी जी।

(इसी मध्य समाजवादी पार्टी के कई सदस्यों द्वारा अपने-अपने स्थानों पर खड़े होकर कुछ बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष-

कृपया आप लोग बैठें। मा0 रफीक अन्सारी जी, मैंने आपका नाम पुकारा है, आप बोलें।

***रफीक अंसारी-**

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिये आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं अपने मा0 नेता प्रतिपक्ष का भी धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने मुझे बोलने का मौका दिया। महामहिम राज्यपाल जी अपना अभिभाषण पढ़ रहे थे और उन्होंने पूरा अभिभाषण पढ़ा। मैंने उस अभिभाषण को सुना और मुझे यह महसूस हुआ कि उन्हें बड़ा दर्द हो रहा था, बड़ा अफसोस हो रहा था। अभिभाषण पढ़ने के बाद वह बैठ गये और उन्होंने सोचा कि जो मैंने पढ़ा है, सरकार ने इसमें इन 402 सदस्यों के लिये कुछ भी नहीं दिया है। मैं कहना चाहता हूँ कि हमारा बराबर का प्रदेश उत्तराखण्ड है, वहाँ पर 80,000 की आबादी पर एम0एल0ए0 बनता है और यहाँ पर साढ़े तीन लाख की आबादी पर एम0एल0ए0 बनता है। वहाँ की निधि 04 करोड़ रुपये है और यहाँ की निधि सवा करोड़ रुपये है। मैं आप सबकी बात कर रहा हूँ। सवा करोड़ रुपये की निधि क्या पर्याप्त हैं ? दिल्ली में 04 करोड़ के आसपास है, लेकिन यहाँ पर सवा करोड़ है। यहाँ पर तो 50-50 किलोमीटर पर विधान सभा है जिस कारण इतना अधिक तेल ही खर्च हो जाता है। इसलिये मेरी मांग है कि बजट के अन्दर कम से कम विधायक निधि बढ़ा कर उत्तराखण्ड के बराबर 04-04 करोड़ रुपये की

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जानी चाहिये। आप सभी मा0 सदस्यों को इसका समर्थन करना चाहिये। आज सत्ता पक्ष के हमारे मा0 सदस्य भी इस बात का समर्थन कर रहे हैं।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं एक बात बहुत अफसोस के साथ कह रहा हूँ कि उत्तर प्रदेश के अन्दर और देश के अन्दर किसानों के बाद बुनकर समाज का नम्बर आता है। जब बच्चा पैदा होता है तो उसे कपड़े की जरूरत पड़ती है और जब आदमी मरता है तो उसे भी कपड़े की जरूरत पड़ती है, लेकिन मैं बड़े दुख के साथ कहना चाहता हूँ कि पिछले बजट में भी बुनकरों के लिये कोई सहूलियत नहीं दी गयी थी, उनको कोई फायदा नहीं पहुँचाया गया। 2006 में मा0 मुलायम सिंह यादव जी ने बिजली के दाम कम करके बुनकरों को जो एक बहुत बड़ी राहत देने का काम किया है वह एक बहुत बड़ा काम है। देश के अन्दर किसी सरकार ने नहीं किया, मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव और मायावती जी ने ही किया था। मैं उनका धन्यवाद करता हूँ और इस सरकार से उम्मीद करता हूँ कि बुनकरों को फ्री लाईट देने का काम यह सरकार करेगी। क्योंकि इतना बड़ा मैन्डेट इस सरकार को मिला है और जनता ने मैन्डेट इसलिए दिया है बदले की भावना से कोई काम न किया जाये। मंत्री जी बैठे हैं। मैं कुछ जनता की मांग लेकर वहां गया था उसके काले बोर्ड पर लिखा था सिर्फ एक वर्ग के मुसलमानों के नाम कि इनके यहां चेकिंग हो गयी, इन्हीं के यहां चेकिंग हो रही है। एक शायर ने कहा है 'मेरे पैमाने में कुछ, उसके पैमाने में कुछ देख साकी तेरे मैखाने में न हो जाये कुछ'। आप कहते हैं 'सबका साथ सबका विकास' लेकिन आप के अधिकारी टारगेट बनाकर, निशाना बनाकर एक वर्ग का उत्पीड़न करने का काम कर रहे हैं, नुकसान पहुँचाने का काम कर रहे हैं। मैं कहना चाहता हूँ ये उत्तर प्रदेश की जनता देख रही है, ये उत्तर प्रदेश की जनता पहचान रही है ये कह रही है कि 'कमाने वाला खायेगा, लूटने वाला जायेगा, दो हजार उन्नीस में नया जमाना आयेगा।' मैं इस उम्मीद के साथ कि आप सबको साथ लेने का वायदा किया है 'सबका साथ सबका विकास। मेरठ के अन्दर, मैं मेरठ शहर विधान सभा से आता हूँ। मैं लॉ-एण्ड-ऑर्डर की बात कर रहा हूँ। एक मेरठ के बहुत बड़े नेता हैं जिनका कमलदत्त शर्मा नाम है पार्टी के नेता है। यहां पर भारतीय जनता पार्टी के मेरठ के विधायक बैठे होंगे यह जानकारी उनसे भी कर लेना। वह एस0पी0 ऑफिस में जाते हैं और एस0पी0 ऑफिस में जाकर, मैं वह बात नहीं कहना चाहता कैसी भाषा का इस्तेमाल करते है, वह कहते हैं कि एस0पी0 को सिपाही बनाने का काम करूँगा इस तरह से गाली-गलौज देने का काम किया, वीडियो वायरल होने के बाद भी वहां के पुलिस अधिकारियों ने कोई कार्यवाही नहीं की, कोई मुकदमा कायम नहीं किया। यह बड़े दुर्भाग्य की बात है। कैसे इकबाल पुलिस का रहेगा, कैसे गुण्डागर्दी रोकेंगे जब भारतीय जनता पार्टी के लोग दबंगगीरी कर रहे है, दादागीरी कर रहे हैं और पूछ लीजिए यहां विधायक बैठे हैं अगर यह बात सच हो तो ठीक, नहीं तो मैं राजनीति से और इस पद से इस्तीफा देने का काम करूँगा। मैं कहना चाहता हूँ अध्यक्ष जी, अरे बोलने दीजिए।

श्री अध्यक्ष जी-

शान्त रहें। शान्त रहिये, शान्त रहिये।

श्री रफीक अंसारी-

भारतीय जनता पार्टी के नेता एस0पी0 का गिरेबान पकड़ रहे हैं और आपकी पुलिस क्या कर रही है ?

(सदस्य, दल बहादुर जी द्वारा अपने आसन पर बैठे-बैठे बोलने पर)

श्री अध्यक्ष जी-

कृपया शान्त रहिये। कृपया शान्त रहिये बैठिये। दलबहादुर जी आप बहुत वरिष्ठ हैं आप बैठे-बैठे मत बोलिये। अरे ये रोग न फैलाइयें, बैठिये।

श्री रफीक अंसारी-

अध्यक्ष जी, मेरठ के अन्दर हस्तिनापुर थाने के अन्दर एक महीने में कत्लों की बाढ़ लग गयी है। वहां पर किसान और उसकी पत्नी का कत्ल हो गया उसके बच्चे साथ थे वे जंगल में जाकर दुबक गये। उसके गवाह की भी हत्या हो गयी। उसके बाद थाना कोतवाली के अन्दर एक पार्षद की हत्या कर दी गयी, उसके साथी की हत्या कर दी गयी दिन-दहाड़े 50 मीटर दूर है थाना उसके बाद भी जबरदस्त कत्लेआम दिन-दहाड़े हो रहा है। दूसरा कत्ल पी0पी0 नगर थाने के अन्दर मण्डी के प्रधान जी का कत्ल हो गया, दिन-दहाड़े गोली मार कर चले जाते हैं। दो कत्लों को थाना नौचंदी के अन्दर, दूध बेचने वाले की दिन-दहाड़े हत्या कर दी गयी।

श्री अध्यक्ष जी-

आप उधर ज्यादा देख रहे हैं हमारी तरफ कम देख रहे हैं।

श्री रफीक अंसारी-

अध्यक्ष जी, मैं बड़ी उम्मीद से कह सकता हूँ पहली बात बोल दूँ अध्यक्ष जी मैं।

श्री अध्यक्ष जी-

नहीं, नहीं आप बोलिये।

श्री रफीक अंसारी-

मेरठ के अन्दर इतनी हत्यायें हो रही हैं और पुलिस यह कहकर पीछा छुड़ा देती है कि गैंगवार है, अरे उत्तर प्रदेश में गैंगवार है तो गैंगवार खत्म करने की जिम्मेदारी किसकी है, यह भी सरकार की है। मैं यह भी कहना चाहता हूँ आप सब लोगों से, अध्यक्ष जी आपके

माध्यम से कहना चाहता हूँ हत्या करने के बाद जब पुलिस आती है, इतनी पुलिस योजना बनाती है उन्हें पकड़ने की, इतने में तो वह देश छोड़ जाते हैं, नेपाल में शरण लेते हैं, प्रदेश छोड़ देते हैं और आप नाजायज लोगों पर दबाव बनवाकर उनसे कहा जाता है कि आप फाईल बनाइये, मुकदमा कराईये वो उन लोगों के मुकदमें कर देते हैं जिनकी उनसे रंजिश होती है लेकिन हत्या करने वाले वे शूटर हैं....

...सरकार उन शूटरों का कैसे खात्मा करेगी। यह सरकार इनकाउन्टर कर रही है, लेकिन आज भी हत्या, लूट, बलात्कार नहीं रूक रहे हैं। मैं कहना चाहता हूँ कि जब देश का बंटवारा हुआ था और मुसलमान लोग अपने सिर पर पोटली बांधकर अपना सामान लेकर पाकिस्तान जा रहे थे तो उस समय गांधी जी और मौलाना अबुल कलाम आजाद ने कहा था कि ऐ मुसलमानो कहां जा रहे हो यह देश आपका है, यह सरकार आपकी है, आजादी में आपके बुजुर्गों ने बलिदान दिया है, कुर्बानी दी है, इस हिन्दुस्तान में आपके मां और बाप दफन हैं, यह मजारे आपकी हैं इसे छोड़कर कहां जा रहे हो, यह बात सुनकर मुसलमान वहीं पर पोटलियां छोड़कर चले आये और आज लोकसभा के एक जिम्मेदार सांसद कहते हैं कि यह मुल्क आपका नहीं है, आपका मुल्क पाकिस्तान है और यह देश छोड़कर चले जाईये। अरे, हमारा मुल्क पाकिस्तान नहीं है, हमारा मुल्क हिन्दुस्तान है। अगर आज गांधी जी होते तो वह क्या करते। मैं कहना चाहता हूँ कि ''गांधी जी देख लो अपना हिन्दुस्तान, कैसे-कैसे आपके चेले हो गये बेईमान।'' आप देखिये कि किस तरफ यह देश जा रहा है। आज हत्या की जा रही है, लूटा जा रहा है।

श्री दल बहादुर-

(अपनी सीट पर बैठकर)-माननीय अध्यक्ष जी, कृपया इन शब्दों को कार्यवाही से निकलवा दीजिये।

श्री अध्यक्ष-

माननीय दल बहादुर जी आप वरिष्ठ सदस्य हैं और आप मंत्री भी रहे हैं फिर भी आप बैठे-बैठे बोलते हैं, यह ठीक नहीं है। जब आपका समय आये तो आप बोलियेगा। माननीय रफीक अन्सारी जी, कृपया आप अपने क्षेत्र की बात कहकर बात समाप्त करिये।

श्री रफीक अंसारी-

माननीय अध्यक्ष जी, एकतरफा हत्या, एकतरफा उत्पीड़न, एकतरफा कत्लेआम, एकतरफा सताने का काम यह सरकार कर रही है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि ''बंद करो यह खून की होली, मत मारो फिर गांधी के सीने में गोली'' यह खून तो हिन्दुस्तान का है, जब लहू टपकता गीता से तो बहता खून कुरान का है। यह मुल्क

हिन्दुतान हम सबका है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया।

श्रीमती नीलिमा कटियार-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर सदन के वरिष्ठ सदस्य आदरणीय मनीष असीजा जी द्वारा जो धन्यवाद प्रस्ताव लाया गया है उस पर बोलने के लिए अवसर दिया है जिसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद सम्प्रेषित करते हुए यह कहना चाहूंगी कि देर से मिला हुआ न्याय, अन्याय की ही कुछ कुछ श्रेणी में आता है। लम्बी न्याय प्रक्रिया का दंश किसी गरीब से पूछिये, वो दंश उस गरीबी में उसके लिए अन्याय जैसा ही होता है और आज उत्तर प्रदेश की गरीब जनता के अंदर न्याय के लिए पथराई आंखों में न्याय की आस जगी है। लोगों को उत्तर प्रदेश के अंदर अब यह लगने लगा है कि उन्होंने अपने जीवनकाल में जो अपनी आस से न्याय की उम्मीद बांधी है वह मिल पायेगा। आज उत्तर प्रदेश के अंदर हमारी सरकार ने 13 जनपदों में कामर्शियल कोर्ट का गठन किया है। प्रदेश के 24 जनपदों के अंदर लोक अदालतें स्थापित करके लोगों को समय से न्याय दिलाने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। लम्बित भूमि विवादों के त्वरित निस्तारण के लिए राजस्व न्यायालयों में कम्प्यूटरीकृत प्रबन्धन प्रणाली के द्वारा एक पोर्टल बनाया गया है। लोग यह जाने कि किस प्रकार से लोकहित का संकल्प लेकर हमारी सरकार ने उत्तर प्रदेश की सम्मानित जनता के लिए काम करने का यह अभिभाषण है, यह जो महामहिम राज्यपाल जी का अभिभाषण है और जो सरकारों की नीति, नीयत, दिशा की ओर संकेत करता है वह अभिभाषण, वह जो संकल्प हमारी उत्तर प्रदेश की सरकार ने लिया था उत्तर प्रदेश की सम्माननीय जनता के लिए यह अभिभाषण, उस संकल्प में कितनी दृढ़ता थी, कितनी इच्छाशक्ति थी और कितनी स्पष्ट नीयत थी इस बात को स्थापित करता हुआ यह अभिभाषण है। माननीय अध्यक्ष जी, छत्तीस हजार करोड़ की ऋण मोचन योजना कोई सरकार किसानों के दर्द के साथ किस हद तक जुड़ सकती है। ...

माननीय अध्यक्ष जी, इस देश की किसी प्रदेश की धरती ने कभी इतनी बड़ी ऋण मोचन की योजना से अपने किसान भाई-बहनों को फसली ऋण से मुक्त होते हुए नहीं देखा और वो भी इतनी ट्रान्सपेरेन्सी और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था के साथ। यह अभूतपूर्व व्यवस्था इस उत्तर-प्रदेश के अन्दर अगर संभव हो सकी है माननीय अध्यक्ष जी तो वो जो कार्यपद्धति, कार्य संस्कृति और अपने प्रदेश के संसाधनों में मितव्यतता करके अपने खर्चो में से कटौती करके सरकार ने यह व्यवस्था इस उत्तर-प्रदेश के अंदर डेवलप करी है। सीधे तौर पर खातों में धनराशि भेजकर डेवलप करी है। कृषि विज्ञान केन्द्रों में बढ़ोत्तरी, पं0 दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना, कृषि उद्यमी स्वावलम्बन योजना, कृषि यंत्रीकरण, फॉर्म मशीनरी योजना, एंग्री जंक्शन कृषि केन्द्र की स्थापना और कृषि विश्वविद्यालयों में शिक्षा, शोध और प्रसार के

अध्यादेश के माध्यम से किसानों की किसानी लाभदायक बनाने की दिशा में और उनकी आय को जो दोगुनी करने की ओर ये जो तेजी से व्यवस्थित कदम है। निश्चित रूप से किसानों के आंसू पोंछने का काम इस उत्तर प्रदेश की धरती पर हमारी सरकार ने किया है। यह परिषदीय विद्यालयों की व्यवस्था में गुणवत्तापरक सुधारों के प्रयास का ही सुफल है कि इन विद्यालयों की छात्र संख्या में 8 महीनों के अन्दर उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी हुई है। वहीं माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता में श्रेष्ठता लाने के संबंध में मूल्याकंन पद्धति परीक्षाओं के असेसमैंट को बहुत गम्भीरता से लिया गया है। परीक्षा केन्द्र निर्धारण से लेकर परीक्षाओं के सम्पादित होने तक नकलविहीन परीक्षा कैसे हो और इसे कैसे सुनिश्चित किया जाए। जो परीक्षा का धर्म है, परीक्षा का मर्म है। वास्तविक योग्यता को वस्तुतः भविष्य के उत्तर-प्रदेश को जिस मेधा, योग्यता से सुसज्जित होकर चमकना है उसको आगे बढ़ाने का काम तथा निष्पक्ष परीक्षा के माध्यम से सुनिश्चित कराना आज उत्तर-प्रदेश की धरती पर हुआ है। अपनी गरिमा, गौरव को उत्तर-प्रदेश की धरती पर इन परीक्षाओं के माध्यम से सरकार देश के अन्दर इसकी पुनः प्रतिष्ठा प्राप्त करने की ओर प्रयासरत है। उसी परीक्षा धर्म का व्यवस्थित अनुपालन होता आज उत्तर-प्रदेश पहली बार देख रहा है। गुणवत्ता के साथ-साथ शिक्षा सुलभ भी हो उसका विस्तार भी हो और विशेष रूप से बालिकाओं के लिए। मुख्यमंत्री बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजना और पं0 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल कॉलेजों का संचालन निश्चित रूप से अभिनंदनीय है। 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना, हम देंखे कि दम तोड़ती उत्तर-प्रदेश की समृद्ध व्यवसायिक परम्परा का केवल पुनर्जीवन ही नही है, पहचान से पीढ़ी का परिचय ही नही है बल्कि एक बहुत बड़ी सामाजिक समस्या का समाधान भी इसमें निहित है। माननीय अध्यक्ष जी, आज समाज में बुजुर्ग घरों में अकेले हैं और समाज के लिए एक बहुत बड़ी चिंता का विषय है। स्थानीय स्तर पर जिला स्तर पर जो उनका उत्पाद है उसके प्रोत्साहन के माध्यम से आज हमारे नौजवान अपने घरों में रूक सकेंगे। क्षमताओं से भरा हुआ युवा और उसके खाली हाथ और फिर उनकों एक एसेट्स के रूप में नही बल्कि एक समस्या के रूप में देखा जाना। उत्तर-प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति 2017 इस परिस्थिति को बदलने की एक मजबूत कवायद है। आज पूरे देश और पूरी दुनिया के अनेक प्रतिष्ठित कम्पनियों को हमारे उत्तर-प्रदेश में निवेश एक फायदे का सौदा लग रहा है। मुस्तैद कानून व्यवस्था, गढ्ढा मुक्त अभियान, एन्टी-भू-माफिया अभियान, पर्याप्त लैण्ड बैंक की उपलब्धता, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, मुख्य मंत्री कार्यालय के अंतर्गत सिंगल विन्डो क्लीयरेन्श विभाग की स्थापना। 21-22 फरवरी को लखनऊ में होनी वाली यूपी इन्वेस्टर्स समिट 2018 जो अपने रोड़ शो के जरिये पहले ही सफल हो चुकी हैं। और इस सफलता का आधार ही इन सारी योजनाओं में शामिल है और जो हमारी सरकार का ध्येय वाक्य है और जो नीचे उतरकर आया है 'सबका साथ, सबका विकास' आज वह ध्येय वाक्य और तेजी के साथ सबके विकास में बदल में चुका है। जहां एक ओर हमारी सरकार का ध्यान आयुर्वेद, होम्योपैथ एवं यूनानी आयुष जो हमारी चिकित्सा पद्धति है उसकी

तरफ है और इसका जो दुष्प्रभाव रहित लाभ है वह हमारी उत्तर-प्रदेश की जनता को कैसे सुलभ हो।

वहीं दूसरी तरफ जो हमारी एलोपैथिक सर्जरी है और जो अत्याधुनिक तकनीक है और जो अंगप्रत्यारोपण की व्यवस्था है। हमारी सरकार ने हमारे ही प्रदेश में इसकी व्यवस्था करके एक अंग प्रत्यारोपण की युनिट हमारे ही प्रदेश में स्थापित करने का निर्णय लिया है। तो पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान और आधुनिक तकनीक के माध्यम से हमारी सरकार उत्तर प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए चिंतित है। मा0 अध्यक्ष जी, एक ओर लड़कों से तो गलतियॉं हो जाती हैं इस मानसिकता की सरकार थी और एक और जैसे ही सरकार बनी उनके शुरू के निर्णयों में प्रत्येक जनपद में एंटीरोमियो दल का गठन किया गया है। मान्यवर, निश्चित रूप से आज उत्तर प्रदेश में मातृशक्ति के लिए माहौल बदलने का काम हुआ है। आज वह हीनता की भावना से आगे आकर उत्तर प्रदेश के विकास की मुख्यधारा में स्वछन्द वातावरण में आत्मसम्मान के साथ इसके विकास की धारा के साथ जुड़ने का काम मातृशक्ति आज उत्तर प्रदेश के अंदर कर रही है। हमने ही सुना अपने देश में और हमने ही जाना अपने देश में। हमारे प्रमुख दायित्व की जिम्मेदारियों से जुड़े जो हुए थे उन्होंने कहा कि दिल्ली से सौ रूपया चलता है तो सुपात्र लाभार्थी तक दस पैसे पहुंचता है। ऐसे माहौल में गरीब के लिए तय दाना गरीब के पेट तक पहुंचे यह व्यवस्था आज उत्तर प्रदेश के अंदर सुनिश्चित हुयी है। मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे महामहिम श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिए अवसर दिया मैं उसका समर्थन करते हुए अपनी वाणी को विराम देती हूँ।

श्री कपिल देव अग्रवाल-

मा0 अध्यक्ष जी, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर मुझे आपने चर्चा में भाग लेने का अवसर प्रदान किया मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। मान्यवर, रामगोविन्द जी जिस समय सभी नये विधायकों को प्रशिक्षण दे रहे थे उस समय बहुत ज्ञान की बातें आपने बतायीं। हम उनका बहुत सम्मान भी करते हैं बहुत वरिष्ठ भी हैं।

श्री अध्यक्ष-

कोई व्यक्तिगत बात करने से वातावरण बिगड़ता है। तो आप मूल विषय पर बोलिये।

श्री कपिल देव अग्रवाल-

मान्यवर, आपके आदेश का मैं पालन करूंगा। उसको पूरे देश ने पूरे प्रदेश ने टेलीविजन के माध्यम से देखा। जब हम अपने क्षेत्र में गये तो वहॉं पर बच्चों ने भी चर्चा की। और बहुत शर्मसार यह सारा सदन हुआ। हम सुनते थे कि राज्यपाल महोदय के बारे में कोई टिप्पणी कभी समाचार पत्रों में कभी टेलीविजन पर होती नहीं थी। लेकिन जिस प्रकार से गोले

फेंक कर, गुब्बारे फेंककर और हवाई जहाज उड़ा करके सदन में व्यवधान करने का काम किया। मैं इसकी बहुत भर्तस्ना करता हूँ, और इससे पूरे प्रदेश में सदन की बहुत अवहेलना हुयी है। मान्यवर, मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी ने शपथ लेने के बाद ही, जो भाषण अपने संकल्प पत्र में कहा था कि 'न गुण्डाराज न भ्रष्टाचार अबकी बार भाजपा सरकार' । इस नारे के साथ जिस प्रकार से मा0 मुख्य मंत्री जी ने अपनी कर्मशैली को शुरू किया। जितने गुण्डे थे, जितने लुटेरे थे जितने राहजनी करने वाले लोग थे ऐसे लोगों को या तो जेल में भेजने का काम किया या मुठभेड़ के माध्यम से उनको अंतिम स्थान तक पहुंचाने का काम किया, दूसरी ओर समाजवादी पार्टी की सरकार में कैसा माहौल था। मैं मुजफ्फरनगर जनपद से आता हूँ। मुजफ्फरनगर जनपद के अंदर कैराने के अंदर जिस प्रकार से पलायन का मामला था। लगातार राहजनी होती थी। इस समय बसपा की सरकार में हमारे मुजफ्फरनगर में एक महिला को उठाकर बसपा की सरकार में वहीं के जनप्रतिनिधियों के परिवार के लोगों ने उस बेटी को उठाकर उसका बलात्कर किया। मुकदमा कायम हुआ। और आज उसी की परिणति है कि योगी आदित्यनाथ जी की सरकार के अल्प कार्यकाल में अंदर इस प्रकार की व्यवस्था प्रदेश के अंदर बनी है कि कोई भी माफिया कोई भी गुण्डा आज सिर उठाने की स्थिति में नहीं है। मान्यवर, व्यापारियों में खौफ का माहौल था। व्यापारी व्यापार नहीं कर पा रहे थे। कैराने में पलायन का मुद्दा हमारे पूर्व सांसद आदरणीय हुकुम सिंह जी ने उठाया था। उसमें आप देखिये कि लोग कितने भयभीत थे, कितने चिंतित थे लोग व्यापार नहीं कर पा रहे थे।

...एक माहौल देने का काम हमारी सरकार ने किया है। आज सब लोग बहुत प्रसन्न हैं और पूरे प्रदेश में एक ऐसा वातावरण बना है कि लोग स्वतंत्र रूप से व्यापार कर सकें। मान्यवर, हमारी बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थीं, तांगे में, बसों में, रिक्शों में, रेलों में और जो लड़कियां कॉलेज जाने से भयभीत रहती थीं और कॉलेज जाने से डरती थीं हमारी सरकार ने एंटी रोमियो स्कवायड के माध्यम से उस माहौल को सुधारने का काम किया है। मान्यवर, इस बात के लिए मैं सरकार को धन्यवाद करता हूं कि सबसे पहला माहौल सुरक्षा का पैदा हुआ है और उस सुरक्षा का वातावरण में हमारे उद्योग मंत्री श्री सतीश महाना जी के प्रयास से और मा0 मुख्य मंत्री जी के निर्देश में और आदरणीय प्रधानमंत्री जी के निर्देश पर जो इन्वेस्टर्स समिट जहां रही है वहां पूरे देश के उद्योगपति लोग और विदेश के लोग भी उ0प्र0 के अंदर आज अपना पैसा इनवेस्ट करना चाहते हैं। हजारों लाख करोड़ रूपये का इनवेस्ट होने का वातारवरण आज उ0प्र0 में बना है। मान्यवर, हमारे गन्ना मंत्री जी के प्रयास से और मा0 मुख्य मंत्री जी के निर्देश में गन्ने का कैसा माहौल था? किसान बिल्कुल दुखी थे। रोज आंदोलन होते थे। समाजवादी पार्टी की सरकार में दो-दो साल तक गन्ने का भुगतान नहीं होता था। मान्यवर, कैसा माहौल बना हुआ था धरने, प्रदर्शन, आंदोलन, राजनीतिक पार्टीयां अवसर ढूंढ़ती थीं कि किसी प्रकार से आंदोलन हों। मान्यवर, हमारी सरकार में सबसे पहले 36 हजार करोड़ रूपये का ऋण माफी और उसके बाद गन्ने का भुगतान तथा साथ-साथ नई मिलों को चलाने

का काम किया गया है। मान्यवर, बसपा और सपा की सरकारों में जिस तरह से औने-पौने दामों में मिलों को बेचा गया है हमारी सरकार ने उन मिलों को लगाने का काम किया है और मिलों को लगाने के साथ-साथ गन्ने का भुगतान करने का भी काम किया है। मान्यवर, व्यापारी को सम्पन्न करने का भी काम किया गया है आज किसान भी प्रसन्न हैं, व्यापारी भी प्रसन्न हैं और ऐसा माहौल इस प्रदेश के अंदर हमारी सरकार ने बनाने का काम किया है। मान्यवर, उद्योग में भी लगातार प्रगति हो रही है। मान्यवर, इसके साथ-साथ स्वास्थ्य के हिसाब से भी स्वास्थ्य मंत्री जी ने शपथ लेने के साथ ही हमारे दो-दो एम्बुलेंस पूरे प्रदेश में देने का काम किया है। मान्यवर, क्षेत्र में बिजली नहीं आ पा रही थी। गांव में लोग बिजली देखने को तरसते थे हमारे ऊर्जा मंत्री जी ने 18 घण्टे गांव के अंदर और 22 से 24 घण्टे शहरों के अंदर बिजली देकर एक नया कीर्तिमान स्थापित करने का काम किया है। मान्यवर, मैं चाहता हूं कि हमारे क्षेत्र मुजफ्फरनगर जनपद में एक मेडिकल कॉलेज इस सरकार के माध्यम से बने यह मेरा निवेदन है और सुझाव भी है। इसी के साथ मैं अपनी बात को विराम देता हूं। आप सभी लोगों को धन्यवाद तथा राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बल देता हूं।

श्री विनय शंकर तिवारी-

मान्यवर, आपने मुझे श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया है इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मान्यवर, सर्वप्रथम बहुजन समाज पार्टी के नेता श्री लालजी वर्मा जी की बातों से अपने को सम्बद्ध करते हुए मैं उ0प्र0 के पूर्वांचल गोरखपुर जिले से आता हूं जोकि मा0 मुख्य मंत्री जी का भी जिला है और उसके दक्षिण जो विधान सभा है वह चिल्लूपार विधान सभा है जहां से मैं विधायक होकर आता हूं। मान्यवर, आज सरकार बड़े जोरों-शोरों से यू0पी0 समिट की बात कर रही है, लेकिन एक तरफ से नये-नये उद्योग लगाने की भी बात हो रही है और वहीं पर सरकार की एक बीमार धुरियापार चीनी मिल है जिसके पास सभी संसाधन उपलब्ध हैं, लेकिन आज तक उसको चलाने की कोई बात नहीं हुई है। मान्यवर, मैंने आपके माध्यम से विगत विधान सभा में भी यह बात रखने की कोशिश कही थी कि धुरियापार चीनी मिल को चलाये जाने का प्रयास किया जाए। जब एक तरफ से नये-नये उद्योग लगाने की बात हो रही है, लेकिन जो उद्योग सरकार के पास हैं वहां पूरी मशीनरी उपलब्ध है लेकिन उस उद्योग को चलाया नहीं जा रहा है। यह बड़े दुख की बात है। मान्यवर, विकास के नये-नये दावे करने की बात यह सरकार रोज कर रही है। यह सरकार किसानों की बात कर रही है। मान्यवर, खासकर हमारा जो जिला है वह नदियों से घिरा हुआ है वहां पर सरयु, कुआनों और राप्ती नदियां अपना कहर ढहाती रहती हैं। मान्यवर, अभी विगत दिनों में बाढ़ आई हुई थी उस बाढ़ में कितने गांव विलीन हो गयें। मान्यवर, जगदीशपुर जो गांव था वह बाढ़ में पूरी तरह से समाप्त हो गया।

हमने अधिकारियों से वहां पर बात करने का प्रयास किया कि जगदीशपुर गांव को पुनः स्थापित किया जाए लेकिन मुख्य मंत्री जी के कहने के बाद भी जगदीशपुर गांव को बसाने का कोई समुचित प्रयास नहीं किया गया है। वहीं दूसरी तरफ जो बैरिया सरया बंधा है जो कि राप्ती नदी का एक महत्वपूर्ण बंधा है उससे हजारों-हजार एकड़ फसल हर साल बर्बाद हो जा रही है लेकिन कोई भी अधिकारी उस बंधे के निर्माण की बात नहीं कर रहा है जिससे उस बंधे का निर्माण न होने से सैकड़ों गांव वहां पर प्रभावित हो रहे हैं और भविष्य में यदि राप्ती नदी वहां से दक्षिण की तरफ मुड़ जाएगी तो राप्ती और सरयू वहां पर इकट्ठा हो जाएगी और जो ऐतिहासिक राम जानकी मार्ग है, प्रभु राम वहां से जनकपुर गए थे जो प्रभु राम की सर्किट कही जाती है आज वह मार्ग भी अपने खस्ताहाल स्थिति में पड़ा हुआ है। आज सरकार और लोग दावे कर रहे हैं कि अच्छी सरकार है, गड्ढामुक्त सरकार है लेकिन अयोध्या से जनकपुर जाने के लिए राम जानकी मार्ग बना हुआ है लेकिन उस पर चलना किसी खतरे से खाली नहीं है। कोई ऐसी जगह नहीं है जहां पर गड्ढे उपलब्ध न हों खासकर जो हमारी विधान सभा है गोला से बड़हलगंज गोला से लेकर उरवा और गोपालपुर तक स्थिति ऐसी है कि कोई भी व्यक्ति उस पर चल सकने की स्थिति में नहीं है। आज वह सड़क नेशनल हाइवे को चली गई है। कहते हैं कि एन0एच0 हो गई है। लेकिन एन0एच0 होने के बाद भी जब वहां अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो अधिकारियों का उपेक्षापूर्ण रवैया रहता है। एक तरफ सरकार कहती है कि सबका साथ, सबका विकास वहीं हमारी विधान सभा क्षेत्र में कहीं कोई विकास की बात नहीं की जा रही है। 2009 में बहुजन समाज पार्टी की सरकार ने वहां पर एक होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज बनाने का काम किया था लेकिन आज वह होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज अपने आप में रो रहा है। आज उसमें कोई डॉक्टर नहीं उपलब्ध है, दवा नहीं उपलब्ध है। बड़े दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि उस होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में जाएं तो डॉक्टर की बजाय सांप और बिच्छू लोगों का स्वागत करते हैं। आपके माध्यम से मैं सरकार से यह चाहूंगा कि कम-से-कम उस मेडिकल कॉलेज को चलाया जाए क्योंकि उसमें जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा लगा हुआ है। वह मेडिकल कॉलेज चल जाएगा तो बहुत सारे लोगों का वहां पर कल्याण हो जाएगा। माननीय अध्यक्ष जी, इसी प्रकार से गोरखपुर में जो चिल्लूपार विधान सभा से वहां पर एक बड़हलगंज टॉउन एरिया है। बड़हलगंज टॉउन एरिया ने आज एक बड़ा स्वरूप ले ली है, नगरपालिका का स्वरूप ले ली है। वहां पर नगरपालिका न होने से जो नालियां हैं भर जाती है उसकी सफाई नहीं हो पाती है सफाई न हो पाने से जे0ई0 जैपनीज इंसेफ्लाइटिस के कारण वहां पर ढेर सारे बीमारियां फैलने का खतरा बना रहता है और यदि सरकार बड़हलगंज को नगरपालिका बनाती है तो निश्चित रूप से उसमें सफाई करने का मौका मिलेगा और वहां के जनमानस को अच्छी सुविधा मिल सकेगी। इसी तरह से जो उरवा बाजार है जो सरकार की टॉउन एरिया की मान्यता है कि किसी भी बाजार में यदि अस्पताल हो, थाना हो, बैंक हो तो उसे टॉउन एरिया घोषित किया जा सकता है तो आज वहां पर सब कुछ उपलब्ध है लेकिन उसे

टॉउन एरिया नहीं घोषित किया जा रहा है। चूंकि मैं विपक्ष से जीतकर आया हूं इसलिए उस टॉउन एरिया के साथ उस विधान सभा के साथ दोहरा व्यवहार करने की बात की जा रही है। जो वहां की तहसील है वहां पर आज भी दीवानी न्यायालय नहीं है। दीवानी न्यायालय न होने की वजह से वहां के लोगों को न्याय के लिए दूर जाना पड़ता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि जब सरकार सबका साथ, सबका विकास की बात करती है तो अपने दावे को सच करने के लिए कम-से-कम वहां उस तहसील में दीवानी न्यायालय की स्थापना करे जिससे वादियों को सुचारू रूप से न्याय मिलने का काम हो सके। इसी तरह से गोला मुख्यालय, जो कि वहां का तहसील मुख्यालय है वहां से 60 किमी दूर जिला मुख्यालय है लेकिन जिला मुख्यालय से आने-जाने के लिए कोई साधन नहीं है। आज वहां सरकारी साधन नहीं है। अगर कोई व्यक्ति वहां से आना-जाना चाहता है तो अपने व्यक्तिगत साधन से आ-जा सकता है। इसलिए वहां पर गोला जो तहसील मुख्यालय है उस पर एक बस स्टेशन निर्माण का कार्य सरकार को करना चाहिए। साथ ही जब सिंचाई की बात होती है, नदियों की बात होती है तो वहां पर तरैना नाला है जो कि लगभग 60 से 70 किमी की लंबाई में फैला हुआ है। वह नाला बाढ़ में विकराल स्वरूप धारण कर लेता है और जब बाढ़ समाप्त हो जाती है तो सूखे का रूप धारण कर लेता है। अगर उस तरैना नाले का गहरा करवा कर उसमें चेक डैम बनवा दिया जाए तो, जो पानी वहां पर रुकेगा, उससे लोगों को सिंचाई का साधन मिलेगा और जब गर्मी का मौसम होगा तो उससे पशुओं को पीने का पानी मिलेगा।

मान्यवर, जब कटाई का सीजन आता है तो मशीनें चलने से कभी-कभी आगजनी भी वहॉ हो जाती है। पिछले साल भी वहॉ आगजनी हुई थी, जिसमें हजारों एकड़ फसल बर्बाद हो गयी थी। यदि उस नाले में पानी रहता तो वहॉ से पम्पिंग सेट लगाकर किसान उसका फायदा ले सकता था और कहीं न कहीं उससे किसानों की बर्बादी बच सकती थी। अध्यक्ष जी, इसी तरह से वहॉ पर बहुजन समाज पार्टी की सरकार में एक आई0टी0आई0 खोलने का काम हुआ था लेकिन आज भी वहॉ पर आई0टी0आई0 खोला नहीं जा सका है जिससे वहॉ के लोगों को उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसी तरह से वहॉ पर एक जगदीशपुर गांव है, यह जगदीशपुर गांव और दंतेहरिया गांव जो समाजवादी नेता, उग्रसेन सिंह जी का गॉव है, वह गॉव आज कटान की कगार पर खड़ा है, लेकिन उसकी तरफ भी सरकार का ध्यान नहीं जा रहा है। इसी तरह से बड़हलगंज जो एक प्रमुख कस्बा है, वाराणसी और गोरखपुर मार्ग पर स्थित है, वहॉ नेता जी, सुभाष चन्द्र बोस के नाम पर एक पार्क है, उस पर अनधिकृत लोगों के द्वारा कब्जा किया हुआ है लेकिन अधिकारियों से लाख बार कहने के बाद भी वहॉ के अधिकारी सुनने को तैयार नहीं हैं कि उस पार्क को खाली कराया जा सके और जिससे वहॉ के आमजन को सुविधा मिल सके, अधिकारी बराबर टाल-मटोल का रवैया अपनाया करते हैं। अध्यक्ष जी, जैसा अभी सत्तापक्ष के हमारे साथी कह रहे थे कि बहुत विकास हो रहा है, चीजें बहुत अच्छी हो रही हैं। हम एक बानगी आपके सामने उपस्थित करना चाहते हैं। अभी कड़ाके की ठण्ड पड़

रही थी, पूरे प्रदेश में कम्बल वितरित किये जा रहे थे, जब हमने सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि कम्बल वितरण का कार्य यहाँ पर भी होना चाहिए, उन्होंने टाल-मटोल का रवैया अपनाया और कहीं पर भी उस विधान सभा क्षेत्र में कम्बल वितरण करने का काम नहीं हुआ तो आज अधिकारी निरंकुश हो गए हैं, अधिकारी किसी की बात को सुनने का काम नहीं कर रहे हैं। इसकी बानगी अभी दो दिन पहले सदन के अन्दर भी एक सदस्य ने नेता प्रतिपक्ष की बातों का समर्थन करते हुए कहा था, हमारे वह साथी अच्छी-अच्छी बात कर रहे थे लेकिन उन्होंने कहा कि लेखपाल उनकी नहीं सुन रहा है, अगर सत्तापक्ष के लोगों को लेखपाल नहीं सुन रहा है, माननीय अध्यक्ष जी, तो विपक्ष के लोगों का क्या हाल होगा, इससे आज सरकार के विकास का अनुमान लगाया जा सकता है।

श्री अध्यक्ष-

बहुत हो गया, अब समाप्त करिए।

श्री विनय शंकर तिवारी-

अध्यक्ष जी, पूरी बात आ जाए, अध्यक्ष जी कई मुद्दे हैं। हमारे वहाँ एक बारानगर कैनाल है, उसमें पानी उपलब्ध नहीं है, अभी जब हमने वहाँ के लोगों से बात करने का काम किया तो उन्होंने कहा कि हमारे पास धन नहीं उपलब्ध है, अगर धन नहीं उपलब्ध होगा और कैनाल में पानी नहीं छोड़ा जायेगा और आज सिंचाई की सबसे ज्यादा जरूरत है, लेकिन पानी नहीं होने से आज वहाँ के किसान परेशान हैं। कम से कम आपके माध्यम से मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ कि इस कैनाल को चलाया जाए, जिससे वहाँ के लोगों को सिंचाई की सुविधा मिल सके। अध्यक्ष जी, वहाँ पर अवैध खनन की भी समस्या है, वहाँ पर तीन तरफ से नदियाँ हैं, अवैध खनन हो रहा है, खनन करने वाले बेलगाम हैं और वहाँ का प्रशासन सुनने का काम नहीं कर रहा है, अवैध खनन वहाँ पर आज भी जारी है और उस पर प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। तो आपके माध्यम से आज सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ और यह चाहता हूँ कि इन क्षेत्रों में कार्य हों जिससे उस क्षेत्र का विकास हो। जो सरकार का यह नारा कि 'सब का साथ, सबका विकास', लेकिन वहाँ पर दूसरा रवैया अपनाया जा रहा है। लोकतंत्र में लोकहित में काम होना चाहिए, दल-विशेष के ऊपर काम नहीं होना चाहिए। आज सरकार, पक्ष और प्रतिपक्ष के रूप में काम कर रही है, लोकतंत्र में लोक महत्वपूर्ण है, सरकार या दल महत्वपूर्ण नहीं है तो आपसे आग्रह है कि वहाँ पर हम लोगों की बातों को भी सुनने का काम किया जाए। माननीय अध्यक्ष जी, आपने श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, जय हिन्द।

श्री अध्यक्ष-

अब श्री दल बहादुर जी।

(श्री मो0 असलम ''राइनी'' (एडवोकेट) के खड़े होकर कुछ बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष-

लगता है आज आप गुलेल नहीं लाए। (हँसी)

आप बैठिए।

दल बहादुर जी, आप अपनी बात 04 मिनट में कह लीजिए। हम और आप पड़ोसी हैं, 04 मिनट में कह लीजिए।

श्री दल बहादुर-

ठीक है, अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको इस बात का धन्यवाद देता हूं कि महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर समर्थन करने का अवसर प्रदान किया है। माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश की योगी सरकार आज गरीबों के लिए, किसानों के लिए, मजदूरों के लिए एक अच्छा काम कर रही है। पूर्ववर्ती सरकारों में पेंशनों में जो घोटाले हुए थे आज वे कैन्सिल किये गये और यही नहीं पूर्व की सरकारों में निजी लोगों को जो पेंशन देने का काम किया गया था आज जांच में वे फर्जी पाये गये और निकाले गये इसलिए विपक्ष के लोगों को तकलीफ हो रही है। आज किसानों को फ्री में बीज, खाद्य में छूट और उनके कर्जे माफ करने का काम सरकार ने किया था। इनकी भी सरकार ने कर्जा माफ करने का काम किया था लेकिन ऐसी बैंकों का कर्जा माफ किया था जो इस धरती पर कहीं है ही नहीं। आज ये किसानों के हितैषी बनते हैं इनके जमाने में कितने गरीब लोग परेशान रहे, आज ये कहते हैं कि भाजपा की सरकार में पुलिस प्रताड़ित है, ये ध्यान करें कि इनके कार्यकर्ता पुलिस को जीप में बांध कर इसी हजरतगंज के अन्दर दौड़ाने का और प्रताड़ित करने का काम करते थे और हर जनपद में एक नहीं अनेक मुख्य मंत्री हो गये थे, जितने जनपद उतने मुख्य मंत्री थे हालत खराब कर रखी थी प्रशासन की। अगर ये इतने अच्छे थे तो इनको समझना चाहिए कि ये सत्ता से घटकर 45 पर क्यों चले आये ? कहीं न कहीं इन्होंने कमियां की हैं पक्षपात किया है। माननीय अध्यक्ष जी आज किसानों को छूट, गरीबों को समय से मजदूरी और जो हमारी गर्भवती मातायें होती हैं इनकी सरकार में 1400 रूपये बच्चा जनने के बाद पाती थी, भाजपा की सरकार में आज गर्भ में ही 6000 रूपये का चेक उनको दिया जाता है कि जच्चा-बच्चा दोनों अच्छा खाना खायें, मजबूत रहें, कमजोर न होने पायें। माननीय अध्यक्ष जी, इनके लिए हम क्या कहें विपक्ष के लोग, इनको केवल आरोप लगाने के अलावा कुछ रह नहीं गया है। ये केवल आरोप लगाते हैं, ये अपनी करनी को नहीं देखते हैं, कि क्या किया है। आज उत्तर प्रदेश में जितने भू-माफिया फंस रहे हैं वो कहीं न कहीं इनके संरक्षण प्राप्त लोग हैं। आज जब उनका कब्जा हटाया जा रहा है इस सरकार में तो इनको सदन में तकलीफ हो रही है। उस समय इन्होंने ध्यान नहीं दिया कि जो भूमि का अधिग्रहण कर रहे हैं, कब्जा कर रहे हैं वो कौन लोग हैं, वे इन्हीं के

लोग थे। मान्यवर यह बार-बार धमकी देते हैं कि आगे आप नहीं आ पाओगे, हम कांग्रेस के लोगों को, समाजवादी लोगों को बता दें कि हम अमेठी संसदीय क्षेत्र, विधान सभा जालौन जनपद रायबरेली से आते हैं दोनों मिलकर हमसे लड़े और दोनों को हमने बारी-बारी ऐसी पटखनी दी कि कांग्रेस का तो अमेठी के अन्दर चेहरा समाप्त हो गया क्योंकि अमेठी से कांग्रेस जानी जाती थी वहां चेहरा ही नहीं रह गया। माननीय अध्यक्ष जी, अन्तिम बात यह है कि आज शिक्षा के क्षेत्र में इनको तकलीफ हो रही है। इनके नेता श्री मुलायम सिंह जी ने यह घोषित किया था कि 10वें तक कोई बच्चा फेल न किया जाये। ये अपने कानून का ध्यान करें।

श्री अध्यक्ष-

वे बहुत वरिष्ठ हैं, और यहां सदन में नहीं हैं, उनका उल्लेख आप न करिये आप ऐसे ही सरकार की बात करें।

श्री दल बहादुर-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं अपने शब्द वापस लेता हूं कि मैने उनका नाम लिया लेकिन इनकी शिक्षा नीति थी कि 10 वें तक बच्चों को फेल न किया जाये क्योंकि इनकी मंशा थी कि 10वें तक बच्चा फेल नहीं किया जायेगा, पढ़ेगा भी नहीं। आज जो बेरोजगारी पैदा हुई है इनकी शिक्षा नीति के कारण। लड़का बिना पढ़े ही 10वां पास हो जाता है। वह हल जोतने के लिए तैयार नहीं हैं वह कोई काम करने के लिए तैयार नहीं है, नौकरी मांगता है। आज अगर इनकी अच्छी शिक्षा नीति होती जैसे भारतीय जनता पार्टी की है तो अच्छे लोग जो पढ़ते थे वे पास होते और नौकरी के हकदार होते। आज इतनी नौकरियों की जरूरत इस देश में न पड़ती लेकिन यह समाजवादी की शिक्षा नीति का कारण है। बहुजन समाज पार्टी के जो हमारे साथी हैं इनके नेता ने तो इतना बड़ा काम कर दिया कि विश्व में दो सबसे बड़े लोकतंत्र थे, एक लोकतंत्र इंग्लैण्ड का है और एक इंडिया का। इन्होंने यह स्थिति पैदा कर दी कि गरीबों में और लोकतंत्र के अंदर जो पूंजीवाद को जन्म दिया है वह बहुजन समाजवादी पार्टी ने दिया है। आज गांव का कोई गरीब चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है क्योंकि उसके पास इतना पैसा नहीं है कि जन्म दिन का अलग दे, टिकट का अलग दे और लड़ने का अलग से लाए तो पूंजीवाद को जन्म दे दिया।

श्री अध्यक्ष-

मा0 राजभर जी कुछ कहना चाहते हैं।

***श्री सुखदेव राजभर-**

मा0 अध्यक्ष जी, ये आरोप लगा रहे हैं कि जन्म दिन में अलग दें और टिकट के लिए अलग दें।

(कई सदस्यों द्वारा एक साथ बोलने पर घोर व्यवधान की स्थिति)

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री दल बहादुर-

पूँजीवाद को जन्म दिया इन्होंने, गरीबों को चुनाव लड़ने से रोक दिया इन्होंने। अगर ये गरीबों के प्रति हितैषी होते तो ये कहते कि ऐसा नहीं होना चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

मा0 दल बहादुर जी आप बैठ जाइए।

श्री सुखदेव राजभर-

मान्यवर, ये सीधा आरोप लगा रहे हैं कि जन्म दिन पर पैसा ले रही हैं, टिकट पर पैसा ले रही हैं। इनसे माफी मंगवाया जाए। इनको बोलने न दिया जाए। मान्यवर, ये माफी मांगे।

श्री अध्यक्ष-

मा0 राजभर जी को बोलने दीजिए न। मा0 राजभर जी कुछ कहना चाहते हैं।

***श्री सुखदेव राजभर-**

आपने जिस गरिमामयी स्थिति में सदन को व्यवस्थित कर दिया मैं बहुत खुश हूँ। मैं थोड़ा सा समय लूँगा, मैं कभी-कभी बोलता हूँ। आज भी आपने चाहे सत्ता पक्ष या विपक्ष का हो। मा0 राम गोविन्द चौधरी के प्रति या किसी के प्रति किसी सदस्य ने कहा तो आपने एक अच्छी व्यवस्था दी और उसको शिरोधार्य किया। मा0 सदस्य का ये सीधा आरोप है कि पूंजीवाद को बढ़ावा दिया मायावती ने गरीबों में (व्यवधान) अरे ये नाम लिए हैं, क्या कार्यवाही निकलवा दूं ? इन्होंने कहा है, पहले तो मेरी सुन लें। दूसरा, इन्होंने कहा कि जन्मदिन पर पैसा लेती हैं, टिकट के लिए पैसा लेती हैं, गरीब कैसे चुनाव लड़ पाएगा ?

(कतिपय सदस्यों द्वारा बीच में टोका-टाकी करने पर)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग शान्त रहिए। बहुत वरिष्ठ सदस्य बोल रहे हैं।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, मेरा निवेदन यह है कि नियम एक है यहां पर आरोप लगाने का भी नियमावली है मान्यवर कि अगर किसी पर आरोप लगाया जाए कि कैसे सूचना दी जाएगी किस तरह से इस पर आरोप लगाया गया है मान्यवर एक पार्टी को इस तरह से लगाना है मा0 सदस्य द्वारा निश्चित रूप से ये सदन की गरिमा के अनुरूप है इसलिए मैं चाहूंगा कि उनके सारे उस बात को कार्यवाही से भी निकाले और सदस्य इस पर खेद व्यक्त करें मान्यवर

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

इसलिए हम किसकी को उठकर कह दें मान्यवर चाहे जो कह दें यही परंपरा अगर डाली जाएगी तो हम भी बोलेंगे और फिर कार्यवाही से भी निकल जाएगी वो खेद भी व्यक्त करें मान्यवर, तो इसलिए अगर.....

श्री अध्यक्ष-

उन्होंने पहले ही कह दिया था कि हम वापस लेते हैं।

श्री लालजी वर्मा-

लेकिन कहा नहीं मान्यवर, ये परंपरा तो फिर मान्यवर इसी तरह से हम लोग भी बोलेंगे कार्यवाही से फिर निकलेगा कोई बात नहीं मान्यवर, अगर इसी को बढ़ावा देना है कौन कहां से ले रहा है कहां से लिया जा रहा है हम भी कहेंगे मान्यवर, कौन अंबानी से ले रहा है कौन अडानी से ले रहा है किससे ले रहा है हम भी कहेंगे मान्यवर, तो अगर ये कहने को आप स्वतंत्र करेंगे तो ये बात हम भी कहेंगे मान्यवर, तो इसलिए मान्यवर, इस बात को ये खेद भी मा0 सदस्य व्यक्त करें और उसके लिखित सूचना दिए बगैर इस तरह की बात तो नहीं की जा सकती।

श्री अध्यक्ष-

आप कुछ कहना चाहते हैं ?

***श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय मंत्री (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-**

मा0 सदस्य दल बहादुर कोरी जी किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं आप बीती सुना रहे हैं वो भी एक बार बसपा में रह कर के जिन-जिन परिस्थितियों से गुजरे हैं उस परिस्थितियों को बता रहे थे और अगर मान्यवर जो भुक्तभोगी खुद अपनी बात कर रहा है इससे ज्यादा प्रमाणित क्या हो सकता है? और रही बात दलबहादुर कोरी जी ने किसी भी नेता का नाम नहीं लिया। नेता का नाम लिया तो मा0 हमारे वरिष्ठ नेता सुखदेव राजभर जी ने लिया। मायावती का नाम आपने लिया उन्होंने तो केवल बसपा के एक नेता से हवाला दिया उन्होंने नेता का नाम ही नहीं लिया और मान्यवर यह जगजाहिर है कि किस तरीके से आज लोकतंत्र को बेचा जा रहा है।

(बहुजन समाज पार्टी के सदस्यगण द्वारा अपने-अपने स्थानों से खड़े होकर बोलने का प्रयास करते रहने से घोर व्यवधान की स्थिति)

(घोर व्यवधान के मध्य)

मान्यवर, किस तरीके से बाबा साहब डॉ0 अम्बेडकर के मिशन की दुहाई देकर बाबा साहब डॉ0 अम्बेडकर के मिशन को करोड़ों-करोड़ों थैलीशाहों के हाथों में गिरवी रखा जा रहा

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

है। अगर यह बात किसी भुक्तभोगी सदस्य ने कही, अगर किसी भुक्तभोगी सदस्य ने इस बात को कहा है तो मान्यवर, आपकी पीठ से अगर कोई निर्देश है तो वह सर्वमान्य है लेकिन मा0 दलबहादुर कोरी ने किसी भी नेता का नाम नहीं लिया है और किसी पर कोई व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाया। उन्होंने अपनी आप बीती सुनाई है। इससे ज्यादा कुछ नहीं कहा है।

श्री लालजी वर्मा-

अध्यक्ष जी, मा0 स्वामी प्रसाद मौर्य जी किस हैसियत में थे और किस नेता की बदौलत आज इनकी हर जगह सम्पत्ति ही सम्पत्ति दिखाई पड़ रही है। मान्यवर, अगर यह बात स्वयं पर लागू नहीं है, ये इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। मान्यवर, उसी नेता की बदौलत आज ये सदन में दिखाई पड़ रहे हैं। मान्यवर, पैर छू-छूकर दिखाई पड़ रहे हैं और आज इस तरह से बात कर रहे हैं। इनको शर्म नहीं आती, इनको अपनी बात पर शर्म नहीं आती। सदन की एक मर्यादा है।

(घोर व्यवधान के मध्य)

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मा0 अध्यक्ष महोदय जी, ये जिस नेता की बात कर रहे हैं, जब तक वह नेता बाबा साहब के मिशन पर चल रही थी, मान्यवर, कांशी राम के सामाजिक परिवर्तन आन्दोलन पर चल रही थी, तब तक स्वामी प्रसाद मौर्य वहाँ लोहालाट की तरह खड़े थे लेकिन जब उन्होंने मिशन को बेचना शुरू किया, सब कुछ बेचना शुरू किया तो मैंने इनकी नेता को ऐसी पटकनी दी, ऐसी पटकनी दी कि उत्तर प्रदेश की राजनीति से उनका बोरिया-बिस्तर बँध गया। मैं पहले भी अपनी ताकत पर जीतकर आता था और आज भी अपनी ताकत पर विधायक बनकर आया हूँ इसीलिए ऐसे लोगों की बातों पर हम यह कहना चाहेंगे कि अगर आरोप-प्रत्यारोप की बात होगी तो इस पर खुली बहस होनी चाहिए। ऐसे लोग जो लोकतन्त्र को बेचने वाले हैं, जो लोकतन्त्र के हत्यारे हैं, अगर ये लोकतन्त्र की बात करते हैं तो शायद यह मिथ्याजनक होगा।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, 50 सेक्रेट्री में एक सेक्रेट्री मैं बनाता था। मुझे भी मालूम है और जिस नेता की बदौलत ये बने हैं।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मा0 अध्यक्ष जी, यह परम्परा भी रही है कि जो नेता इस सदन में नहीं है उसके विषय में कोई आरोप लगाने से पहले ध्यान रखना चाहिए।

(सत्तापक्ष के कतिपय सदस्यों द्वारा बीच में टोका-टाकी करने पर)

पहले बोल तो लेने दीजिए। फिर आप ही लोग बोल लीजिए। आप लोग तेज हैं तो बोल लीजिए। मान्यवर, यह प्रकरण सवेरे से चल रहा है। हमारे साथी जो बोल रहे थे उन्होंने नाम लिया है और जो बातें सदन में नहीं कहनी चाहिए, उन्होंने कही हैं जबकि वह नेता सदन में नहीं हैं। वह इस प्रदेश और देश की जानी-मानी नेता हैं। मा0 स्वामी प्रसाद मौर्य की कोई व्यक्तिगत खीझ हो सकती है लेकिन किसी नेता के विषय में इस तरह से कहना ठीक नहीं है। यह बात ठीक है कि आज आप अलग हो गए, कल फिर उधर हो सकते हैं लेकिन एक राष्ट्रीय नेता जो इस सदन में नहीं है, उसके विषय में इस तरह की असंवैधानिक बातें इस सदन में नहीं होनी चाहिए और इसमें अन्ताक्षरी भी नहीं होनी चाहिए। मा0 मौर्य जी, संसदीय कार्य मंत्री की कुर्सी पर बैठे हैं, वे झगड़ा करने की स्थिति में नहीं बैठे हुए हैं। आप अपनी बात सलीके से कहें और मा0 नेता बसपा विधान मण्डल दल ने जो प्रस्ताव रखा है उस पर आपको विचार करना पड़ेगा।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मा0 अध्यक्ष महोदय, मेरा निश्चित मत है कि दल बहादुर कोरी जी ने किसी नेता का नाम नहीं लिया। यदि कार्यवाही में नाम है तो आप नाम निकाल दें। मैं खुद प्रस्ताव करता हूँ।

श्री लालजी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, मैंने बार-बार मान्यवर, कार्यमंत्रणा समिति में भी और दलीय नेताओं की बैठक में भी और आपके चैम्बर में अलग से बैठकर बार-बार कहा कि निश्चित रूप से सदन संचालन में सबसे महत्वपूर्ण है कि हम नियमों का पालन करें किसी भी व्यक्ति के ऊपर आरोप लगाने का यदि नियमावली में प्रॉविजन है और उस नियमावली का पालन करते हुए हम कोई आरोप लगाये तो निश्चित रूप से वह स्वागतयोग्य है। मान्यवर, लेकिन जिस तरह से कोरी जी ने अपनी बात रखी और जिस तरह से माननीय स्वामी प्रसाद मौर्या जी मान्यवर, उम्र में मुझसे बड़े हैं लेकिन उसके बावजूद जिस तरह से जिस नेता ने आज उनको ऊँचाइयों तक पहुँचाने का काम किया और जिस तरह से 20-25 साल तक जिस नेता के बदौलत उन्हें जो गरिमा जो सम्मान मिला आज वह सम्मान नहीं है। मान्यवर, निश्चित रूप से मंत्री बन जाना अलग बात है लेकिन वह सम्मान नहीं है उस नेता के बदौलत और निश्चित रूप से आज अगर आज ये सदन में है, दूसरी पार्टी ने सम्मान भी किया है तो उसी नेता के बदौलत किया और 25 साल तक जिस तरह का सम्मान पाते रहे उस समय इनको कोई कमी नजर नहीं आई। अब 25 साल के बाद इनको कमी नजर आ रही है ''सूप हँसे तो हँसे चलनी भी हँसे जिसमें 72 छेद।'' मान्यवर, यदि 25 साल तक हमें भी मालूम है और मैं भी काफी लंबे समय से माननीय मौर्या जी से जुड़ा हुआ हूँ।

श्री अध्यक्ष-

आप दोनों पुराने मित्र हैं ये मामला आप अलग अकेले में नहीं सुलझा सकते।

श्री लालजी वर्मा-

लेकिन मान्यवर, जिस तरह का आरोप लगाया है यह शर्म की बात है इनको चुल्लू भर पानी में डूब मरना चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

अब यह तो और गड़बड़ हो गया।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, निश्चित रूप से मैं आपके माध्यम से चाहूँगा कि माननीय दल बहादुर कोरी जी ने जो आरोप लगाया है उस पर वह खेद व्यक्त करें।

श्री अध्यक्ष-

यह जो चल्लू भर पानी में डूबने की आपने बात की उसका क्या करें?

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, मैं तो सही कह रहा हूँ, बिल्कुल सही कह रहा हूँ यह असंसदीय नहीं है। मान्यवर, जिस तरह से जो सम्मान पाये हैं निश्चित रूप से वह व्यक्ति हँसे तो बहुत अजीब है। मान्यवर, कौन क्या कर रहा है 15-15 हजार करोड़ रूपये चुनाव में लग रहा है किसी एक पार्टी द्वारा, यह पैसा क्या कोई फिजूल में आ रहा है, ये भी किसी से ले रहे हैं। मान्यवर, यदि इस तरह की बात की जाएगी तो ठीक नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

इस विषय को समाप्त करते हैं चर्चा पर आ जायें। हम उसको पूरा देख लेंगे और उसके सारे अंश निकलवा देंगे।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, मेरा एक निवेदन है कि खेद व्यक्त करें। मान्यवर, खेद व्यक्त करें यह मेरा आपसे फिर निवेदन है।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

माननीय अध्यक्ष महोदय जी, [x x x] क्योंकि इन्होंने जिस तरीके से लोकतंत्र को बेचने के साथ ही साथ कलेक्शन अमीन बनकर के जिस तरीके से लोगों का शोषण किया है उसके चलते लगभग 150 विधायक बसपा से निकलकर मायावती को सबक सिखाने के लिए इस तरफ चुनकर आए हैं और अपने बलबूते चुनकर आए हैं। 150 बसपा के, बसपा को छोड़कर निकलकर आने वाले विधायक इधर बैठे हैं। मान्यवर, मैं यह कहना चाहता हूँ कि यदि इनकी

नोट : [x x x] यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

नेता ने यदि लोकतंत्र को नहीं बेचा होता। इनकी नेता ने अगर बाबा साहब के लिखे की हत्या नहीं की होती इनकी नेता ने मान्यवर कांशीराम के सामाजिक परिवर्तन आंदोलन को कुचला नहीं होता तो शायद आज इनकी यह दुर्गति नहीं होती।

श्री लालजी वर्मा-

दो-दो बार अपने लड़के को नहीं जिता पाये, बेटी को भी नहीं जिता पाए कितनी ताकत है वर्ष 2007 में स्वयं चुनाव हार गये। 1996 के पहले जिनकी जमानत जब्त हो गई थी वे लोग आज चुनाव जीतने की बात कर रहे हैं।

मान्यवर, हम भी जानते हैं, हमें भी मालूम है। आज दल बहादुर कोरी जी क्षमा मांगे, खेद व्यक्त करें।

श्री अध्यक्ष-

मैं एक निवेदन कर लूं कि मैं इसका पूरा अंश निकलवा दूंगा। आप लोग बैठे, माननीय सुखदेव राजभर जी कुछ कहना चाहते हैं।

श्री सुखदेव राजभर-

मान्यवर, मैंने बड़ी नम्रता के साथ आपसे अनुरोध किया कि इस सदन में आरोप-प्रत्यारोप की व्यवस्था है लेकिन नियमावली के तहत। हमारे दल बहादुर कोरी सदस्य हैं, मिनिस्टर भी सरकार में रह चुके हैं और उन्होंने जिस तरह से स्वामी प्रसाद मौर्य जी का नाम लिया जो कि आज भी कार्यवाही का अंग है जो उन्होंने नाम लिया था। माननीय मौर्य जी ने भी लिया, मौर्य जी ज्यादा बोल गए, कभी-कभी खराश जब होती है, मौका पा जाते हैं तो निकाल देते हैं। थोड़ा-सा चुलबुलापन होता है इसमें, चलिए उतना बोल दिया, अच्छा है आपको कम-से-कम बोलना भी चाहिए।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

आप स्वागत कर रहे हैं न ?

श्री अध्यक्ष-

मौर्या जी, आप बैठिए।

श्री सुखदेव राजभर-

मान्यवर, मैं इसलिए स्वागत कर रहा हूँ कि आप उलजलूल यहां भी बोलते थे लोग मना करते थे कि इतना मत बोला करिए नेता प्रतिपक्ष के रूप में, हम सदस्य लोग ताली बजाकर स्वागत करते थे। माननीय अध्यक्ष जी, यह परम्पराएं अगर बनेंगी तो यहां के सदन में आरोप-प्रत्यारोप जिस तरह से हम लोग एक-दूसरे पर घिनौना बोल रहे हैं, यह परम्परा आपके रहते, आप जैसे विद्वान अध्यक्ष के रहते नहीं बनेगी। हम लोग छोटा-सा एक निवेदन कर रहे

हैं यदि उस निवेदन को स्वीकार नहीं किया गया तो मैं समझता हूँ कि परम्पराएं आज टूट जायेगी दल बहादुर कोरी कम से कम खेद प्रकट कर दें कि मैंने जो कहा उसके लिए। बस यह बहुत बड़ा होगा उसमें उनका अपमान नहीं हो जायेगा, उनका बड़प्पन होगा।

(सदस्यों के एक साथ बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष-

अब आप लोग शांत हो जाएं, अजय जी बैठें, दल बहादुर जी को हमने बुला लिया है, उनको बोलने दीजिए। माननीय दल बहादुर जी आपको कुछ कहना है ?

श्री दल बहादुर कोरी-

माननीय अध्यक्ष जी, अभी बहुजन समाज पार्टी के सदस्यों द्वारा कहा गया कि स्वामी प्रसाद जी को उसी नेता की बदौलत नाम मिला है, इसको यह उल्टा समझें, स्वामी प्रसाद का कद इतना ऊंचा था अपने समाज में कि उनके बसपा में जाने से उनका नाम ऊँचा हुआ है, मायावती का कद बढ़ा है तो स्वामी प्रसाद जी की वजह से बढ़ा है और अगर यह कद वाले नहीं थे तो इनको पार्टी में लिया ही क्यों था उन्होंने, इसलिए यह कद वाले नेता थे।

श्री अध्यक्ष-

मैं एक निवेदन कर लूँ अभी थोड़ी देर बाद माननीय नेता प्रतिपक्ष का भाषण होना है और संसदीय परिपाटी में नेता प्रतिपक्ष का, नेता सदन का भाषण बहुत महत्वपूर्ण होता है और उसे बहुत धैर्य के साथ सुना जाता है। परिपाटी यह है कि जब नेता प्रतिपक्ष बोलेंगे तो माननीय नेता सदन भी यहां उपस्थित रहेंगे। उसके पहले जो वातावरण बड़ा कटु हो गया है क्या यह संभव नहीं, मैं क्या लगाकर कह रहा हूँ क्या यह संभव नहीं कि इनके जितने भी वाक्य आपत्तिजनक हैं आप लोगों में भी बड़ा नोक झोंक हो गया है उस सबको दिखवा कर हम सदन की कार्यवाही ठीक कर लेंगे और आगे थोड़ी देर चर्चा कर लें।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

माननीय अध्यक्ष जी, इस वातावरण को साफ आप ही करेंगे। कोरी जी भी हमारे बहुत शुभचिंतक हैं, मैं भी उनका शुभचिंतक हूँ और स्वामी प्रसाद मौर्या जी के कहने के अनुसार वह भी उसी दल में रहे हैं तो यह परम्परा कि जिस दल में हम रहे हैं अगर किन्हीं मतभेद होने पर दूसरे दल में चले जाएं तो हम अपने नेता को गाली देंगे, अपमानित करेंगे? क्या यह कभी आज तक के राजनीतिक इतिहास में आया है? ठीक है, हमारा मतभेद है, हम आज इस पार्टी में हैं कल दूसरी पार्टी में चले जाएं लेकिन क्या जिस पार्टी को छोड़कर दूसरी पार्टी में हैं उस नेता को हम गाली देंगे, बेइज्जत करेंगे। कोरी जी, आप बड़े आदमी हैं आपको हम लोग बहुत मानते हैं, तो अगर कहा है तो उस पर खेद व्यक्त कर देने में कोई बात नहीं है और अध्यक्ष जी, आपको उनसे भी कहना चाहिए कि इस बात के लिए खेद व्यक्त कर दें।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

माननीय अध्यक्ष महोदय जी, जो मुझे संज्ञान है जैसा कि आपकी कार्यवाही में [x x x] शब्द लिखा गया है, माननीय दल बहादुर कोरी जी ने किसी नेता का नाम नहीं लिया और यदि नेता का नाम लिया है, आप इंगित करेंगे तो खेद व्यक्त करेंगे, मान्यवर, क्योंकि आपकी पीठ सर्वोपरि है, धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

वह तो कार्यवाही का भाग है, इसीलिए मैं कह रहा हूँ कि कार्यवाही का अध्ययन के बाद ..

श्री अजय कुमार 'लल्लू'-

अध्यक्ष जी, 02 मिनट हमारी भी बात सुन लीजिए।

श्री अध्यक्ष-

आपका इससे सम्बन्ध नहीं है, इसलिए नहीं सुन रहे हैं।

श्री अजय कुमार 'लल्लू'-

मान्यवर, सम्बन्ध है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, आप कुछ कहेंगे?

***कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री (श्री सूर्य प्रताप शाही)-**

लाल जी वर्मा जी बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं, संसदीय कार्य मंत्री भी रहे हैं और भी अन्य बड़े पदों पर रहे हैं। आपने भी आदरणीय स्वामी प्रसाद मौर्या जी के बारे में बहुत सारे अनर्गल, जिसका कोई आधार नहीं है, इस प्रकार के आरोप आपने रखे हैं। अभी आप जब बोल रहे थे, उसके पूर्व वाले भाषण में आप कार्यवाही निकलवा लेंगे तो आप देखेंगे कि हजारों करोड़ रूपये की आज उन्होंने चर्चा की है। तो मैं निवेदन करना चाहूँगा कि जो चीजें सुसंगत नहीं है, उनके भी भाषण में जो बात आई है उसको भी निकलवा दें और वह कार्यवाही का हिस्सा नहीं बनना चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

उनके भाषण में, इनके भाषण में, इस प्रसंग से जुड़े सारे भाषणों को मैं दिखवा लूँगा और आपत्तिजनक अंश निकलवा दूँगा।

नोट : [x x x] यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

***संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

माननीय अध्यक्ष जी, बशीर बद्र ने एक स्थान पर कहा था कि ''दुश्मनी जम कर करो, पर इतनी गुँजाइश रहे कि फिर कभी हम दोस्त बन जायें तो शर्मिंदा न हों।''

श्री अध्यक्ष-

यही बात तो नेता प्रतिपक्ष ने अभी कही, उन्होंने हिन्दी में कही, आपने शेर में कहा।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, क्षमा करेंगे कि मैं 15-20 मिनट के लिये चला गया था, तब तक बीच में पता चला कि वाद-विवाद ज्यादा बढ़ गया।

श्री अध्यक्ष-

इसमें अच्छा रहा कि आप एक शेर तो ले आये।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय शाही जी ने जो कुछ कहा है मान्यवर, जो भी ऐसी बात हो जो सुसंगत न हो, उसको कार्यवाही से निकाल दें और मान्यवर, इसका पटाक्षेप कर दें कि कई माननीय सदस्यगण और नेता विरोधी दल को भी बोलना है और माननीय नेता सदन को भी 4.00 बजे बोलना है, मान्यवर तो इस विषय को आगे बढ़ा दें।

श्री अध्यक्ष-

हाँ, यही बात है और भविष्य में भी जो माननीय नेता चाहे वह विधान परिषद् के सदस्य हों, चाहे वह लोकसभा के सदस्य हों, चाहे अपने संगठनों के अध्यक्ष हों, किसी भी माननीय नेता पर जो यहाँ सदन में उपस्थित नहीं हैं, उस पर टिप्पणी नहीं की जानी चाहिये। जो उपस्थित हैं उन पर भी नहीं की जानी चाहिये, लेकिन आज काफी नोक-झोंक होगी, जो उचित नहीं थी और प्रिय भी नहीं थी।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, आपसे निवेदन करना चाहता हूँ और केवल इतना निवेदन है कि यह एक गलत परम्परा होती है कि एक बार हम किसी को अपमानित करें और उसके बाद हम कह दें कि कार्यवाही से निकाल दिया जाये। मान्यवर, इतने से मामला शांत नहीं होता है।

श्री अध्यक्ष-

लेकिन आप दोनों भी तो भिड़ गये थे। मौर्या जी और आप।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, अगर मेरा भी कोई शब्द निश्चित रूप से आपत्तिजनक होगा तो निश्चित रूप से अगर कोई शब्द ऐसा होगा तो तथ्यों पर आधारित नहीं होगा या आपत्तिजनक होगा तो

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

निश्चित रूप से मैं आवश्यकता पड़ने पर खेद व्यक्त कर सकता हूँ। मान्यवर, लेकिन निश्चित रूप से जिस तरह से कोरी जी ने नाम लिया और उसके बाद माननीय स्वामी प्रसाद मौर्या जी ने नाम लिया। मान्यवर, स्वामी प्रसाद मौर्या जी 96 के पहले बहुत चुनाव लड़े हैं और भी लड़े हैं। क्योंकि मालूम है कि किसका कितना आधार रहा है। उन सब बातों में मैं नहीं जाना चाहता। एक दिन इसी पर चर्चा करा ले, मान्यवर। इसी पर ही चर्चा हो जाये कि किसका आधार रहा है ? मान्यवर, इसी पर चर्चा हो जाये और एक दिन पूरा चर्चा हो जाये, मान्यवर। मेरा भी ज्ञानवर्धन भी हो जायेगा, मान्यवर, कुछ कम जानकारी है, ज्यादा ज्ञानवर्धन हो जायेगा।

श्री अध्यक्ष-

इसको समाप्त करें।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, क्या आप यह उचित मानेंगे कि एक बार आपको अपशब्द कहें या आपके खिलाफ आरोप लगायें और बाद में यह हो जाये कि वह कार्यवाही से निकल जाये। अगर हमने आरोप लगाया है। तो हमें उसके प्रति शर्मिंदा होना चाहिये, मान्यवर, ऐसा मेरा मानना है। संसदीय परम्परा भी यही है और परिपाटी भी यही है और सदन में बहुत लम्बे समय से लगभग 1986 से मैं इस या उस हाउस में रहा हूँ बीच में एक या दो बार को छोड़कर। मैंने देखा है कि बहुत बार ऐसी परिस्थितियाँ आई हैं और किसी सदस्य से अगर ऐसी कोई बात निकली है तो उन्होंने उस पर खेद भी व्यक्त करने का काम किया है और उसके बाद मामले का पटाक्षेप हुआ। संसदीय कार्यमंत्री जी ने बहुत अच्छी बात कही है, मैं उनकी बात से सहमत हूँ कि निश्चित रूप से हमें इसका लिहाज जरूर करना चाहिए कि कल यदि हम एक दूसरे से कहीं अलग मिलें तो हमें शर्मिन्दा न होना पड़े। कई बार मैंने आपसे कहा भी है कि हमारी नियमावली में बहुत नियम हैं जिसके अनुसार हम इस पर भी चर्चा कर सकते हैं, हम उसको नियम के अनुसार देंगे और किस व्यक्ति के ऊपर होगा उसके बारे में दिया गया है कि कैसे-कैसे चर्चा होगी, मान्यवर, इसका कोई अन्त है ?

श्री अध्यक्ष-

यदि आप कहें तो आगे चर्चा करायें।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, मैं चाहता हूँ कि जिस व्यक्ति ने कहा है वह इस बात को कहे कि अगर हमने ऐसा कहा है तो उस पर हमें खेद है। अगर उन्होंने नाम लिया है और नाम लेकर आरोप लगाया है तो निश्चित रूप से खेद व्यक्त करने के नीचे कोई समझौता हो ही नहीं सकता है। इसलिए मैं चाहूँगा चूँकि इसको हम लोग शान्तिपूर्वक श्रवण करते हैं, सारी बातें सुनते हैं और कभी भी मर्यादित आचरण के विपरीत कोई आचरण नहीं करते हैं लेकिन मान्यवर, आज हमें

भी मजबूर होना पड़ेगा, इस तरह की स्थितियों में निश्चित रूप से चर्चा परिचर्चा निरर्थक साबित होगी, हम क्या सीख करके जायेंगे, चाहे जब जिसके बारे में जो चाहें वह बोल दें। आपकी कहीं कोई खीझ है, हो सकता है कि कहीं खीझ हो, हो सकता है कि आपकी जो चाहत रही हो वह पूरी न हुई हो लेकिन उसको व्यक्त करने का स्थान विधान सभा नहीं है, बाहर आप कीजिए।

श्री अध्यक्ष-

अब आपकी बातें आ गईं।

श्री लाल जी वर्मा-

विधान सभा परिलक्षित करने का साधन नहीं है, आप बाहर कहिये, जो कुछ कहना है बाहर कहिये लेकिन विधान सभा में एक मर्यादित आचरण करना पड़ेगा और मर्यादा तथा नियमों के अनुसार आपको आरोप-प्रत्यारोप लगाना पड़ेगा। इसलिए मैं चाहता हूँ कि आप जैसे विद्वान व्यक्ति अगर पीठ पर बैठे हैं तो निश्चित रूप से अगर ऐसी भाषा का उन्होंने प्रयोग किया है तो निश्चित रूप से उसके लिए उनको खेद व्यक्त करना चाहिए, यह मेरा आपसे आग्रह है।

श्री अध्यक्ष-

मैंने पहले ही कहा कि उनका भाग और जो अन्य बातें बाद में हुई हैं।

श्री लाल जी वर्मा-

भाग की बात नहीं है, भाग निकाल देना ही पर्याप्त नहीं है। हम कह दें कि फलाँ व्यक्ति चोर है, मान लीजिए हमने कहा कि फलाँ व्यक्ति चोर है और यह कहने के बाद आप कहें कि उसको निकाल दिया जाय, यह बात तो उचित है नहीं। मान्यवर, हम यह कह दें कि अमुक व्यक्ति चोर है।

(सत्तापक्ष के कई मा0 सदस्यों द्वारा एक साथ खड़े होकर बोलने से व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

मा0 संसदीय कार्यमंत्री जी आप इस सम्बन्ध में बतायें।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मा0 अध्यक्ष जी, सदन में पहले हम नियमों से चलते हैं, बाद में परम्पराओं से। जैसा कि वर्मा जी ने कहा नियम तो यही है कि अगर नाम लेकर किसी व्यक्ति के बारे में आरोप लगाया जाता है तो फिर उसके सम्बन्ध में आगे की कार्यवाही की व्यवस्था है उसको किया जाना चाहिए। लेकिन मान्यवर, सदन के सामने यह स्पष्ट है, कार्यवाही से भी स्पष्ट है कि

जब किसी मा0 सदस्य ने किसी का नाम नहीं लिया, एक जनरल बात कही, इसका मतलब यह है कि उसको उस परिधि में नहीं लाना चाहिए।

(विपक्ष की ओर से कहा गया कि ''नाम लिया गया है।)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

अभी मुझे तो यही बताया गया कि कार्यवाही में है कि नाम नहीं लिया गया है।

श्री सुखदेव राजभर-

मैं संसदीय कार्यमंत्री जी का आदर करता हूँ आप एक मिनट बैठ जाएं। अभी कार्यवाही के बारे में मा0 अध्यक्ष जी के सामने नहीं कहूँगा, वह कार्यवाही पढ़ लें लेकिन एक सेन्टेंस पूरा है, आप यहाँ उपस्थित नहीं थे। पहला यहीं से उन्होंने स्टार्ट किया कि इनकी नेता ने गरीबों में, दलितों में पूँजीवाद की व्यवस्था बढ़ा दिया, पूँजीवाद हो गया।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य (बैठे हुए)-

इनकी नेता कहा, नाम नहीं लिया।

श्री सुखदेव राजभर-

आगे सुन लें, अभी तो ''इनकी नेता ने'' कहा है, यहाँ तक तो मैं भी स्वीकार कर रहा हूँ। इसके बाद जब आगे बढ़े हैं तो नाम लिया और कौन लेता है जन्मदिन पर, सुखदेव राजभर लेता है या खन्ना साहब लेते हैं। वह जन्मदिन पर पैसा लेती है यह सेन्टेंस है। वह इंगित करता है नेता के प्रति। और वह जन्मदिन पर पैसा लेती है, टिकट के नाम पर पैसा लेती है, और यह संकेत से क्या? पहले तो उन्होंने बहन मायावती जी का नाम लिया, इसके बाद यह आरोप लगाना शुरू कर दिया कि जन्मदिन पर पैसा लेती है, टिकट पर पैसा लेती हैं, गरीब कैसे चुनाव लड़ेगा, पूंजीपति को पैसा देती-लेती है। इसलिए माननीय अध्यक्ष जी, माननीय संसदीय कार्य मंत्री खन्ना साहब, उन्होंने सीधा नाम लिया है, अभी कार्यवाही दिखवा लें, और प्रतिष्ठा न बनाएं। एक राष्ट्रीय नेता पर आप लोग आरोप लगाए, आपको अधिकार है। जिसको चाहें बुरा या भला कहो। आज भी हम-सब लोग माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी, उनके चाहे इधर के कुछ सम्मानित सदस्य हैं चाहे उधर के। आज भी हम लोग बहन जी कहते हैं और कहना भी चाहिए। जितनी बहनें बैठी हैं मैं इनको बहन कहूंगा, ये हमारी बहन है। आज भी बहन के नाम पर सम्मान देते हैं, मौर्या जी भी बहन जी कहते हैं अगर एक बहन के प्रति अगर किसी भाई ने अपमानित शब्द का प्रयोग किया है तो माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी आप उस बहन के सम्मान में खड़ा होकर कह दीजिए कि कोरी मैं कह रहा हूं कि खेद प्रकट कर दो, बहुत बड़ा पहाड़ नहीं टूट जायेगा। संदेश जायेगा पूरे देश में जिसको प्रदेश और देश में हम बहन के नाम पर, आप भी संबोधित करते हैं कि बहन जी, बहन जी। आज उस बहन के प्रति अगर किसी तरह का इस तरह का अपमान किया गया है तो खेद प्रकट कराने के लिए आप इंगित कर दें, कोई बहुत बड़ी बात नहीं होगी,पहाड़ नहीं टूट जायेगा, एक अच्छी परंपरा

बन जायेगी और प्रतिबंध लग जायेगा कि अब कोई किसी नेता के प्रति अपमानित शब्दों का प्रयोग नहीं करेगा। इसलिए मैं माननीय अध्यक्ष जी से निवेदन करूंगा कि इसमें बहुत बड़ा पहाड़ नहीं टूट जायेगा। मैं कह रहा हूं कि मैं भी भाई हूं, बहन कहता हूँ, माननीय मौर्या जी भी बहन कहें है, अगर कोई नालायक भाई हो जाए तो मैं नहीं कह सकता हूं, लेकिन लायक भाई की हैसियत से कहता हूं कि एक बार खेद प्रकट करवा दें।

अध्यक्ष जी-

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी।

(श्री स्वामी प्रसाद मौर्य जी के खड़े होने पर)

मा0 अध्यक्ष-

आपको और वर्मा जी को हम बाद में एक साथ बैठा देंगे।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मा0 अध्यक्ष महोदय, मैंने आपसे विनम्र निवेदन किया अगर दल बहादुर कोरी जी ने नाम का प्रयोग किया है तो मान्यवर आपकी कार्यवाही में हैं, उसके लिए आप के पास सर्वाधिकार सुरक्षित है, आप देख लें। अगर उन्होंने नाम लिया है तब तो इनकी मांग मायने रखती है और नाम ही नहीं लिया यह पूरा सदन जानता है....

श्री अध्यक्ष-

अब आपकी बात आ गयी है, आप बैठ जाइए। अब आगे कोई जवाब न दीजिए।

(कई सदस्यों द्वारा एक साथ बोलने पर शोर)

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

दूसरा अनुरोध यह है कि मान्यवर दल बहादुर कोरी ने इनकी नेता कहा, नाम नहीं लिया, नाम तो हमारे माननीय सुखदेव राजभर जी ने लिया कि मायावती ने लूटा, मायावती जी ने भ्रष्टाचार किया, मायावती जी ने ये किया, मायावती जी ने वो किया, मान्यवर मायावती जी का नाम इन्होंने ही लिया दल बहादुर कोरी ने नहीं लिया।

(संसदीय कार्य मंत्री जी के खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी की बात आ जाए। कुछ कहना चाह रहे हैं।

श्री लाल जी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, पहले मा0 मौर्या जी माफी माँगें। जिस तरह की भाषा का प्रयोग किया है वह शोभा नहीं देता। मा0 मौर्या जी को इतनी भी शर्म नहीं रह गयी है कि वह किस भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। जिसके बदौलत 1200 वोट पाने वाले व्यक्ति को 5 बार

असेम्बली में और एक बार कांउसिल में जाने का अवसर मिला, वह व्यक्ति इतना बेहया हो जायेगा, इसकी कल्पना नहीं की गयी थी।

(कई सदस्यों के एक साथ बोलने पर शोर)

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मा0 अध्यक्ष जी, यह लुटेरी पार्टी के लोग हैं, ये डकैती डालने का काम करते हैं, ये भ्रष्टाचारी लोग हैं। मैं इनकी निन्दा करता हूँ।

श्री लाल जी वर्मा-

आपकी क्या औकात है हमें भी मालूम है ?

श्री अध्यक्ष-

मैं सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित करता हूँ।

(घोर व्यवधान के कारण श्री अध्यक्ष ने 01 बजकर 50 मिनट पर सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी)

(02 बजकर 05 मिनट पर डिप्टी मार्शल ने सूचित किया कि श्री अध्यक्ष ने सदन का स्थगन 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया है)

(02 बजकर 20 मिनट पर मार्शल ने सूचित किया कि श्री अध्यक्ष ने सदन का स्थगन 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया है)

(02 बजकर 35 मिनट पर मार्शल ने सूचित किया कि श्री अध्यक्ष ने सदन का स्थगन 10 मिनट के लिए बढ़ा दिया है)

(02 बजकर 45 मिनट पर सदन की कार्यवाही श्री अध्यक्ष की अध्यक्षता में पुनः आरम्भ हुई।)

श्री अध्यक्ष-

मा0 दल बहादुर जी, आप इस प्रसंग पर क्या कहना चाहते हैं, जो अभी हो रहा था।

श्री दल बहादुर-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपसे इतना कहना चाहूंगा कि मैंने जो कुछ भी कहा है, किसी नेता का नाम नहीं लिया है। एक नेताजी का नाम आया, थोड़ी टिप्पणी हुई, मैंने अपने शब्दों को वापस लिया। बहुजन समाज पार्टी को आज बहुत ऐतराज हुआ है, हम इनको थोड़ा अतीत में ले जाना चाहते हैं।

श्री अध्यक्ष-

इतिहास बताने की आवश्यकता नहीं है, अभी जो प्रसंग हुआ है, उस पर बताइये।

श्री दल बहादुर-

मा0 अध्यक्ष जी, जैसे बार-बार कहा जाता है कि बहन जी। इनके दिल से पूछ लीजिए कि इसी सदन में मा0 लालजी टण्डन नेता थे। उन्होंने राखी बंधवाकर बहन जी की उपाधि दिया था, भाजपा ने उपाधि दिया था, किसी और ने नहीं दिया था।

श्री अध्यक्ष-

मा0 मुख्य मंत्री जी को बोलना है। मा0 नेता प्रतिपक्ष को बोलना है। आप जो प्रसंग अभी हुआ है, उस पर बतायें।

श्री दल बहादुर-

मान्यवर, इनको याद होना चाहिए कि इस सरकार की एक कुर्सी पर, कहीं न कहीं मैं भी इस सदन का सदस्य था और भारतीय जनता पार्टी ने इनको समर्थन देकर एक नहीं, तीन-तीन बार समर्थन देकर सरकार बनवाने का काम किया है। माननीय अध्यक्ष जी, इनको याद होना चाहिए कि जब गेस्ट हाउस काण्ड हुआ था तो मा0 ब्रह्मदत्त द्विवेदी जी और दल बहादुर इनके नेता को बचाने पहुंचे, तब कोई बसपाई वहां नहीं था। मा0 अटल बिहारी बाजपेई जी ने समर्थन देकर सरकार बनायी थी, यह बहुत अवसरवादी हैं। इनके नेता ने केन्द्र में मा0 अटल जी की सरकार को गिराने का प्रयास किया, जो इतिहास है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, आज महामहिम श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण के दौरान जो धन्यवाद प्रस्ताव के ऊपर चर्चा के समय हमारे माननीय सदस्यों के बीच में वार्तालाप हुई और उसके बाद जो वाद-विवाद हुआ, वह बहुत खुशनुमा नहीं था। सदन में नियम और परम्परा यह रही है कि हम एक-दूसरे के प्रति आदर का भाव व्यक्त करें और इसीलिए ज्यादातर माननीय सदस्य लोग इसका पालन भी करते हैं। हर माननीय सदस्य के पहले, नाम से पहले किसी न किसी रूप में हम एक-दूसरे को आदरणीय या माननीय और सदन के लिए भी आदरणीय या माननीय शब्द का प्रयोग करते हैं। ताकि हम एक दूसरे के प्रति मन से भी आदर को व्यक्त कर सकें। करना भी चाहिए। यह बड़प्पन है एक दूसरे के प्रति कि अगर हम दूसरे को सम्मान देंगे क्योंकि सम्मान कोई जबरदस्ती अर्जित करने वाली चीज नहीं है यह मन से होता है हम आपके प्रति सम्मान व्यक्त करें आप दूसरों के प्रति सम्मान व्यक्त करें यह हमारी परम्परा होनी चाहिए। और इस परम्परा का पूरी तरह से सदन में पालन होना चाहिए। मैं इस बात को बहुत लम्बा न करते हुए माननीय वर्मा जी ,माननीय स्वामी प्रसाद जी और माननीय दल बहादुर जी के बीच यहाँ पर जो भी बात बढ़ी और सदन स्थगित करना पड़ा आपको भी कई बार उसमें हस्तक्षेप करना पड़ा तो मैं आपसे भी अनुरोध करूँगा कि ऐसी कोई बात जो संसदीय परम्पराओं के अनुकूल न हो जो किसी की भावना को ठेस पहुँचाती हो उसको कार्यवाही से निकाल दें और

सम्पूर्ण प्रकरण पर हम दुख व्यक्त करते हैं चाहे माननीय वर्मा जी की बात हो चाहे माननीय स्वामी प्रसाद जी की बात हो चाहे मान्यवर दल बहादुर की बात हो।

श्री अध्यक्ष-

अब इस मामले को समाप्त करते हैं। मैंने पहले भी कहा था हम दोहराए देते हैं कि तीनों महानुभावों के भाषण में जो भी अप्रिय असंसदीय और कहीं किसी को क्लेश पहुँचाने वाला वाक्य, शब्द होगा उसे हम कार्यवाही का भाग नहीं मानेंगे निकाल देंगे । अभी बीच में व्यवधान आ गया था अनेक माननीय सदस्यों ने इच्छा व्यक्त की है बोलने की लेकिन सबसे क्षमा याचना करते हुए मैं माननीय नेता प्रतिपक्ष को आमंत्रित करता हूँ।

कैन्टीन में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता के सम्बन्ध में व्यवस्था का प्रश्न

***श्री मयंकेश्वर शरण सिंह-**

माननीय अध्यक्ष जी व्यवस्था का सवाल है। एक मिनट लेंगे । अभी जब आपने सदन स्थगित किया था इत्तेफाक से आज सबेरे मैं कुछ खाकर नहीं आया था नीचे कैंटीन खाने चला गया अध्यक्ष जी आधी रोटी खाई और एक चम्मच चावल खाया है चार सौ बयासी रुपए दिए हैं और उसके बाद मुझे उल्टी आने लगी। इस तरीके का बेकार खाना यहाँ पर कैंटीन में मिल रहा है।

(अनेक सदस्यों ने मेजें थपथपाईं)

श्री मयंकेश्वर शरण सिंह-

अध्यक्ष जी अखबारों में छपता है कि विधान सभा की कैंटीन में कम दामों में खाना मिलता है और बहुत ही अच्छा खाना मिलता है । इतने ज्यादा दाम में और इतना बेहूदा खाना मिलता है जिसको खाने की इच्छा नहीं रहती है।

श्री अध्यक्ष-

इस मामले को दिखवा लेंगे।

श्री मयंकेश्वर शरण सिंह-

पूर्व में कर्मचारी कल्याण निगम इसकी व्यवस्था करता था उनकी इतनी बढ़िया व्यवस्था थी इतना बढ़िया खाना रहता था उनका लेकिन दो बार से मैं देख रहा हूँ कि इतना रद्दी खाना मेरे ख्याल से कभी इतिहास में नहीं रहा।

श्री अध्यक्ष-

मैं इसको दिखवा लूँगा।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री मयंकेश्वर शरण सिंह-

आप सभी सदस्यों से पूछ लें चाहे पक्ष के हों या विपक्ष के ।इतना खराब खाना आज तक कैंटीन में नहीं मिलता था। बहुत सारे सदस्य 10 बजे आ जाते हैं शलाकाएं आदि लगानी पड़ती हैं इसलिए माननीय सदस्य 9 बजे के पहले आ जाते हैं। कोई घर से खाना खाकर नहीं आ सकता। ऐसी स्थिति में अध्यक्ष जी आपकी व्यवस्था चाहता हूँ।

***श्री पूरन प्रकाश-**

मान्यवर, मेरा भी इस पर व्यवस्था का सवाल है।

श्री अध्यक्ष-

आप बैठ जाएं भोजन पर चर्चा नहीं हो रही है। इसके पहले एक कैंटीन संचालक था उसके बारे में खूब शिकायतें मिली थीं उसे हटाकर एक दूसरे व्यक्ति को यह ठेका दिया गया था उस व्यक्ति के बारे में शिकायतें आईं तो तीसरे व्यक्ति को देंगे यह तो आपके अधिकार में है हमारे अधिकार में है। इसको सदन में ज्यादा कहने की जरूरत नहीं है।

श्री पूरन प्रकाश-

मान्यवर, मेरा भी व्यवस्था का सवाल है।

श्री अध्यक्ष-

आप क्या इस पर चर्चा चाहते हैं। आप कृपया बैठ जाएं। हमने कहा कि पहले एक संचालित कर रहा था उसको हटाकर अभी 6-7 दिन पहले दूसरे को दिया गया यह भी नहीं काम करेगा तो हटा देंगे । कल्याण निगम से भी वार्ता की थी । इस पर चर्चा नहीं हो रही है। आप लोग उत्तर प्रदेश की 22 करोड़ जनता का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कैंटीन पर चर्चा करने की आवश्यकता नहीं है। हम और आप जैसा चाहेंगे वैसा होगा मैं इसे दिखवा लूँगा।

नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने हमें महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने के लिये परम्परा को तोड़कर के अनुमति प्रदान की। श्रीमन्, जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई है लगातार परम्पराओं को तोड़ रही है। जहाँ तक हमको जो सूचना है, महामहिम राज्यपाल जी इस अभिभाषण को पढ़ना नहीं चाहते थे। इसको मैं जोर देकर के कह रहा हूँ। सरकार ने यह जो अभिभाषण उपलब्ध कराया है, इस अभिभाषण को महामहिम राज्यपाल पढ़ना नहीं चाहते थे, क्योंकि उसमें त्रुटि थी। त्रुटि है। महामहिम राज्यपाल का पिछली बार भी जो अभिभाषण हुआ था और सरकार ने जो अभिभाषण उपलब्ध कराया, उसमें भी त्रुटि थी। इस बार महामहिम राज्यपाल अड़े कि मैं गलत अभिभाषण नहीं दूँगा तब

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सरकार ने अनुनय-विनय किया होगा कि हमारी तो प्रतिष्ठा चली जायेगी। आपको याद होगा कि उत्तर प्रदेश के इतिहास में पहली दफे तय समय से 15 मिनट बाद महामहिम राज्यपाल जी का अभिभाषण शुरू हुआ। अभिभाषण, बजट और विनियोग विधेयक, इसकी तिथि और समय निर्धारित होता है। उत्तर प्रदेश के इतिहास में पहली दफा महामहिम राज्यपाल जी लगभग 15 मिनट लेट आए। वह इसलिये लेट आए कि इस सरकार को हमेशा गलत अभिभाषण बना करके देने का और किन्हीं न किन्हीं परम्पराओं को लेकर के अपनी पीठ थपथपाने की आदत पड़ गई है। श्रीमन्, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के पृष्ठ-3 पर देखें। हमारी किताब यहीं पर रखी थी कहॉ चली गयी।

(सदन में हँसी)

श्री अध्यक्ष-

आप पिछले साल वाली तो नहीं ले आए।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना) (अपने स्थान पर बैठकर)-

मान्यवर, कलियुग है परम्परा टूट गई है।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं अभिभाषण की प्रति भी लाया हूँ, सरकार का जो लोक कल्याण संकल्प पत्र था उसको भी लाया हूँ। हमारे मा0 मित्र श्री असीजा जी ने जो धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया और हमारे मित्र के योग्य सुपुत्र जिनका भविष्य उज्जवल है, जिन्होंने प्रस्ताव का समर्थन किया था, उसको भी लेकर आया हूँ। इन्होंने कहा कि इस सरकार ने इस वर्ष बाल गंगाधर तिलक का 101वॉ जन्मदिन मनाया जो पहले कभी किसी ने नहीं मनाया और उनको विनम्र श्रृद्धांजलि अर्पित की। पूरी पीठ थपथपाई। मा0 अध्यक्ष जी, जन्मदिन मनाया जाता है तो श्रद्धासुमन अर्पित किया जाता है, श्रृद्धांजलि अर्पित नहीं की जाती है। जब भगवान ने खोपड़ी ही उल्टी कर दी है कि जन्मदिन के दिन श्रृद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं और उनका 101वॉ जन्मदिन मना रहे हैं। यह बिल्कुल गलत है। भारतीय राष्ट्रवादी शिक्षक, समाज सुधारक, वकील, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लोकप्रिय नेता जिन्हें लोकमान्य की उपाधि दी गयी और जिनका बचपन का नाम केशव गंगाधर तिलक था जो बाद में बाल गंगाधर तिलक हुआ। उनका जन्म मुम्बई, महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले के चिखली गॉव में 23 जुलाई, 1856 को हुआ था। इस हिसाब से 23 जुलाई, 2017 को उनका 161वां जन्मदिन था जो ये 101वां जन्मदिन मना रहे थे। मना रहे थे जन्मदिन, और दे रहे थे श्रद्धांजलि। मा0 नेता सदन मुस्कुरा रहे हैं, ये भी सोच रहे हैं कि कहां हमको जंगल में डाल दिया, बार-बार गलत ही छप जाता है। 30 दिसम्बर, 1916 को इसी जगह पर कांग्रेस के अधिवेशन में श्री लोकमान्य तिलक जी ने कहा था कि 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और इसको मैं लेकर रहूँगा', इसी जगह

पर कहा था। उसके 101 वर्ष पूरे हो रहें हैं जो उन्होंने कहा था, कि 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है इसको मैं लेकर रहूँगा'। 101 वर्ष इस आंदोलन को हो गये। अगर जन्मदिन मनाना था तो 161वां वर्ष मनाते। यह तो श्रीराम जी, श्रीराम जी कहते रहते हैं तो श्रीराम जी भी कुछ करेंगे की नहीं करेंगे? ऐसे ही उत्तर प्रदेश दिवस को मनाने के लिए पूरे राष्ट्र भर में उत्तर प्रदेश दिवस मनाया गया। उत्तर प्रदेश दिवस 33 बरस पहले से इस प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार श्री श्याम जी मनाते रहे हैं, श्री श्याम किशोर जी। एक बार मना रहे थे तो हम उस समय विशिष्ठ अतिथि थे, मंत्री थे और महामहिम राज्यपाल उसके मुख्य अतिथि थे। उनको जब मालूम हुआ कि उत्तर प्रदेश दिवस है और जब यह सरकार आयी तो उन्होंने इसको मनाने के लिए कहा। ये कहना कि पहली बार कर रहे है तो पहली बार नहीं कर रहे हैं उत्तर प्रदेश दिवस पहले से ही मनाया जा रहा है। यह कहिये कि सरकारी तौर पर पहली बार मनाया जा रहा है उत्तर प्रदेश दिवस और फिर मा0 अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश, कौन उत्तर प्रदेश राम का उत्तर प्रदेश, कृष्ण का उत्तर प्रदेश, शिव का उत्तर प्रदेश, गंगा का उत्तर प्रदेश, सरयू का उत्तर प्रदेश, यमुना का उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश की देव भूमि, जो दुनिया में उत्तर प्रदेश की एक गरिमा थी, इन्होंने उत्तराखण्ड बना करके हमारी देव भूमि को अलग कर दिया है, धोखा दिया है ऐसे लोगों को उत्तर प्रदेश की स्थापना दिवस मनाने का जन्मसिद्ध अधिकार नहीं है। इन्होंने उत्तर प्रदेश को तोड़ दिया। हृदय को तोड़ दिया, जो देव भूमि कही जाती थी। अब हम देव भूमि से इन्हीं के कारण अलग हो गये हैं। अब यह खण्डित उत्तर प्रदेश को मना रहे हैं। किसी का जन्मदिन, मरणदिन, स्थापना दिवस मनाने में आप वाहवाही तो लूट सकते हो लेकिन इसमें गरीब को क्या मिल रहा है, बेरोजगार को क्या मिल रहा है, खेत को क्या मिल रहा है, किसान को क्या मिल रहा है, विद्यार्थी को क्या मिल रहा है, छोटे उद्योग वाले को क्या मिल रहा है? पीठ थपथपाना इस सरकार का काम है और यह कहना कि यह पहली बार हो रहा है इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। महामहिम राज्यपाल जी का अभिभाषण होता है, उसके बाद आप उसको यहां पर पढ़ते हैं, उसके बाद सत्तापक्ष के एक माननीय सदस्य उसका प्रस्ताव करते हैं, एक सदस्य उसका समर्थन करते हैं, उसके बाद नेता विरोधी दल का भाषण होता है फिर उस पर चर्चा शुरू हो जाती है। अंत में माननीय मुख्य मंत्री जी नेता सदन उसका उत्तर देते हैं। यह परम्परा भी तोड़ दी गई। मुख्य मंत्री जी को सदन की चिंता नहीं है, सदन की मर्यादा की चिंता नहीं है केवल वोट की चिंता है। जानते थे कि अभिभाषण प्रस्तुत हो चुका है तो जहां का कार्यक्रम पहले से निर्धारित था वहां का कार्यक्रम टाल दिये होते, कोई बहुत बड़ी बात नहीं थी। कम से कम सदन की गरिमा और परम्परा तो बच गई होती। इसको भी इन लोगो ने खण्डित किया यह अच्छी बात नहीं है। जब सारे सदस्य बोल लिये तब हम बोले। नेता सदन का अंत में बोलना तो ठीक है उनको तो अंत में बोलना ही था, लेकिन नेता विरोधी दल के पद के साथ इस सरकार ने खिलवाड़ किया है, जो नहीं होना चाहिये था। माननीय अध्यक्ष जी, सत्ता पक्ष के

बहुत सारे सदस्य बोले, स्वयं माननीय नेता सदन ने भी अपराधमुक्त, भयमुक्त समाज की स्थापना की बात की है। नारी का सम्मान, बेटियों का सम्मान करने की बात की है। जो बदमाश थे, गुण्डे थे, अपराधी थे उन्हें जेल में डाल दिया गया, इनकाउन्टर किया गया, बाकी प्रदेश छोड़कर भाग गये तो फिर यह अपराध कौन कर रहा है, कैसे अपराध हो रहे हैं। माननीय नेता सदन की यह भाषा कि बन्दूक का जवाब बन्दूक से दिया जायेगा यह भाषा इस कुर्सी के लिए शोभा नहीं देती है श्रीमन्। चाहे इसके लिए कितना ही कोई कुछ कहे, लेकिन जिस आसन पर आज यह बिराजमान है उस आसन के लिए यह बात शोभायमान नहीं है, आप कार्यवाही करिये। उसमें किसी को आपत्ति नहीं है, कानून के द्वारा कानून का राज स्थापित हो। माननीय अध्यक्ष जी, कानून क्या कहता है, कानून कहता है कि अपराधी को पकड़िये अगर वह पकड़ा जाता है तो, जिन धाराओ का वह अपराधी है उनमें उसको जेल भेजिये। मुकदमा चलाइये, न्यायालय उसको सजा देगी। कितना ही बड़ा कोई अपराधी हो, कितनी ही बड़ी कोई सरकार हो उसको किसी की जान लेने का अधिकार नहीं है और यह कानून सम्मत नहीं कहा जा सकता है। ठीक है, कहीं डकैत डकैती डाले हो और अचानक पुलिस से मुठभेड़ हो गई, वो तो ठीक है। माननीय नेता सदन जी आप चाह रहे थे कि अपराध में कमी हो, आपकी सोच अलग थी, लेकिन हमने भी सरकार चलाई है। आपसे पहले भी भारतीय जनता पार्टी के लोग सरकार चलाये हैं, बहुजन समाज पार्टी के लोग भी सरकार चलाये हैं, कांग्रेस पार्टी के भी लोग सरकार चलाये हैं जब-जब पुलिस को असीमित अधिकार दिये गये हैं, उसको खुला छोड़ा गया है तो उसने सरकारो की ऐसी की तैसी कर दी है। अपराधी को आप दण्डित कीजिये, लेकिन एक महान कुर्सी पर बिराजमान आप जैसा एक व्यक्ति कहे कि बन्दूक का जवाब बन्दूक, डकैती का जवाब डकैती, चोरी का जवाब चोरी से दिया जायेगा, तो यह शोभा नहीं देता है।

(सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा टोकाटाकी)

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जिसको जो कहना हो कह ले, हम बैठ जा रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

कृपया आप लोग शांत रहे, बाधा नहीं डाले। माननीय नेता प्रतिपक्ष जी आप जारी रखे।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मान्यवर, चूंकि हमारा मुख्य मंत्री जी से लगाव है इसलिए इनसे मैं अपनी बात कह देता हूं। मैं अपनी सलाह दे देता हूं। मानना न मानना इनका काम है। ये भी जो हमको सलाह देंगे उसको हम भी मानेगें। जितने भी इनकाउण्टर हुए है। उसमें बहुत से फर्जी इनकाउण्टर हुए है। आप पता-जांच करवाइए। नही तो मैं मांग करता हूं कि अगर सरकार में दम है तो जितने

भी इनकाउण्टर हुए हैं सबकी सीबीआई जांच कराई जाए। 'दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा'। अभी आप हम लोगों के आग्रह को मानते नहीं है। विधान परिषद् के माननीय सभापति जी ने गाजियाबाद, नोएडा और मथुरा के फर्जी इनकाउण्टरों की सी0बी0आई जांच का निर्देश जारी कर दिया है। इसकी भी हो जाये। अपराधी को कोई पसन्द नहीं करता है। डाकू को कोई पसन्द नहीं करेगा। 302 करने वाले को कोई पसन्द नहीं करेगा। चोरी, छिनैती, बलात्कार और डकैती करने वाले को कोई सपोर्ट नहीं करेगा। हिन्दुस्तान एक लोकतांत्रिक देश है, कानून के द्वारा कानून का राज स्थापित हो जो आपने लिखा इस पर मैंने सिर्फ इतना कहा है। तो कानून यही कहता है कि किसी को डायरेक्ट जान से मारने का अधिकार न किसी सरकार में है और न किसी में है न किसी पुलिस अधिकारी को है। और अगर यह सही रहता तो आपके कान में तो ये बात गई होगी। ये जो लखनऊ में डकैती हो रही थी, आपको तो पता लगा होगा, पुलिस गई और जब डकैतों की तड़तड़ाहट सुनी तो वापस पीछे भाग गई। क्यों नही फायरिंग की इनकाउण्टर की। आमने-सामने की बात थी क्यों नही की? इसीलिए इस पुलिस पर वर्तमान डी0जी0पी0 जी का भी विश्वास नही है। उन्होने खुद कहा कि हमारी सुरक्षा कमाण्डो करेंगे। अखबारों में आया है। हमारी सुरक्षा कमाण्डों करेंगे। आपकी सुरक्षा कमाण्डों करेंगे, मा0 मुख्य मंत्री जी की सुरक्षा कमाण्डों करेंगे, डी0जी0पी0 की सुरक्षा कमाण्डों करेंगें। दोनों उप मुख्य मंत्री की सुरक्षा कमाण्डों करेंगे। हम लोग कहां जायेंगे ? जनता कहां जाए ? तो फिर कानून-व्यवस्था के दुरूस्त होने की बात आप कैसे करते हैं। नेता सदन भारी लश्कर लेकर चलते हैं और जब आप चलते हैं हटो, पीछे मुड़ो, इधर देखो एक आगे-आगे बोलता आता है। हमारा घर रास्ते में ही है। हम लोग डर के मारे किवाड़ी बन्द कर लेते और जो सड़क पर चलता है उसके पीछे भी एक खड़ा करा दिया जाता है। तो आप भी डरे हुए हैं। डी0जी0पी0 भी डरे हुए हैं। सब विधायक एक-एक दो-दो गनर लिये हुए हैं वो भी डरे हुए हैं। तो फिर भय मुक्त का वातावरण कैसे हुआ? आप बतायें अध्यक्ष जी, भय मुक्त वातावरण कैसे हुआ? सब भय के वातावरण में जी रहे हैं सब। जो इस अभिभाषण प्रस्ताव के हैं समर्थक जी ने जो समर्थक थे पंकज बाबू। उन्होने कहा कि सदन में हंसी पैदा कर देना अलग की बात है, लेकिन समस्याओं का समाधान करना अलग की बात है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं। संसदीय परिपाटी या संसदीय कौशल में हास-परिहास भी एक अभिन्न अंग है। उसको इससे निकाल नहीं सकते। यहां बैठकर रोने के लिए हम यहां है? 24 घण्टा टेंशन में रहने के लिए हम यहां है ?

जब टेंशन होगा तो कोई न कोई सदस्य ऐसी बात कहेगा जिससे हाउस का माहौल हल्का होगा। तो मा0 अध्यक्ष जी, यह भयमुक्त वातावरण नहीं है यह भययुक्त वातावरण उत्तर प्रदेश में बना हुआ है। सब जेल चले गये। बाकी मार दिये गये। बाकी प्रदेश छोड़ दिये तो फिर यह कौन किया। एक, दो, तीन, चार, पांच, छः, सात, आठ, नौ, दस, ग्यारह, बारह। अभी आधा है। यह घटनायें कैसे हुयीं। अकेले लखनऊ में इस महीने 80 से अधिक घटनायें हुयीं हैं।

हम कोई आलोचना नहीं कर रहे हैं। जो बातें आयी हैं। संसदीय कार्यमंत्री जी कह देंगे कि अखबार की बातों का संज्ञान नहीं लिया जाता। बल्कि संज्ञान तो उसी से आता है। कहें तो पूरा पढ़ दें।

श्री अध्यक्ष-

दस पेज है।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मा0 अध्यक्ष जी, 26.12.2017 बांदा के अतर्रा थाना क्षेत्रांतर्गत एक गॉव में शौच के लिए गयी नाबालिग लड़की को अगवा कर बदमाशों ने, अभी हमारी बहन बेटी बैठी हैं इसलिए हम इस बात को अधिक नहीं कहेंगे। दिनांक-27.12.2017, चिनहट के जुग्गौर गॉव में असलहों से लैस बदमाशों ने सोमवार को तड़के आटो चालक विनोद यादव के घर धावा बोल, लाखों लूटे। चिनहट में विनोद यादव के घर में घुसे आधा दर्जन से अधिक डकैतों ने करीब दस राउंड गोलियॉं चलाकर कमरे का दरवाजा तोड़ पूरी की पूरी अलमारी उठा ले गये। ठाकुरगंज की पुलिस सोती रह गयी, थाने से दस कदम दूरी पर सर्राफ के घर पिस्टल सहित लाखों रूपये की चोरी। श्रीमन्, यह लखनऊ का है। मोहनलालगंज स्थित एस0बी0आई0 बैंक के खाते को हैक कर पचीस दिन में 3.60 लाख रूपये निकाल लिये। काकोरी में एक विद्यालय में दबंग ने घुसकर एक शिक्षिका से छेड़छाड़ की। विभूतिखण्ड में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेता पर राजनीतिक रंजिश में सपा युवजन सभा के नेताओं ने गुर्गों संग हमला कर लहूलुहान कर दिया। के0जी0एम0यू0 में महिला को जहर खिला नगदी-जेवरात लूटने की कोशिश। सुल्तानपुर, बदमाशो ने राहुलनगर बाजार में सोमवार की देर शाम को दुकान में घुसकर व्यापारी को गोली से उड़ाया। दिनांक-28.12.2017, मथुरा, महाराष्ट्र से भागवत सिखाने के नाम पर यहॉं लायी गयी दो युवतियों के साथ यौन शोषण। आगरा, ताज नगरी में सैलानियों से बुधवार को महताबबाग देखकर लौट रहे स्विटजरलैण्ड के सैलानियों को ए0डी0ए0 पार्क के गार्ड ने फोटोग्राफी करने पर बंधक बनाया। लखनऊ, शोहदे ने किशोरी से छेड़छाड़ की, किशोरी के परिवार ने पारा थाने में एफ0आई0आर0 दर्ज करायी। निगोहा में एक गॉव में दबंग युवक ने गॉव की एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ की। यह 28 तारीख का था। अब 29.12.2017 का है। लखनऊ, मड़ियांव व जानकीपुरम के दो घरों से लाखों की चोरी। कबीना मंत्री के करीबी होने का झांसा देकर जालसाज ने युवकों से आठ लाख रूपये ठगे। फिरोजाबाद, लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर थाना नगला खगर क्षेत्र के भदान रेलवे स्टेशन के पास गुरूवार को सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सुखराम यादव की हत्या। मान्यवर, दिनांक 29.12.2017 को लखनऊ में फन मॉल के पास नशे में धुत तीन रसूखदारों ने सिपाही को कार से कुचलने की कोशिश की। उन्नाव निवासी महिला से पिकअप वाहन में रेप की कोशिश, दरिंदों से भिड़ी

महिला, कूदकर बचाई जान। दिनांक 30.12.2017 को मुजफ्फरनगर में कक्षा आठ में पढ़ने वाली लड़की से चार युवकों ने छेड़छाड़ का विरोध करने पर उसकी और उसके परिवार के सदस्यों की कथित रूप से पिटायी की, हरदोई में शाहाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में झोपड़ी में सो रहे युवक मनोज कंजर की धारदार हथियार से हत्या। दिनांक 31.12.2017 को हाथरस जिले में 11 वीं क्लास की छात्रा को अगवा कर किया गैंगरेप, गांव के पास फेंककर फरार हुए आरोपी। दिनांक 01.01.2018 लखनऊ में गाजीपुर थाना क्षेत्र में सेक्टर-25 चौराहे पर बैग छीनने के विरोध पर बाइक सवार बदमाशों ने युवक को मारी गोली, हाथरस में सहमऊ क्षेत्र के एक कॉलेज से शनिवार करीब 11 बजे घर लौट रही किशोरी को गाड़ी में खींच किया गैंगरेप, सुल्तानपुर के मीरपुर प्रतापपुरगांव में शनिवार तीन युवकों ने लाठी-डंडे से की पिटाई, जख्मी बसपा नेता ने तोड़ा दम, नोएडा में कासना इलाके में बंटी की पत्नी बच्चों सहित पांच लोग चार दिन से लापता, मथुरा में कोहरे का फायदा उठाकर मथुरा जिला जेल से कलुआ, राहुल और संजय नामक तीन कैदी फरार हुए। दिनांक 02.01.2018 लखनऊ में कार सवार बदमाशों ने रिटायर सूबेदार को लूटा, लखनऊ काकोरी के महिपतपुर में किसान समेत दो घरों से लाखों की चोरी। दिनांक 03.01.2018 गोंडा में कोतवाली देहात क्षेत्र की किशोरी के साथ रेप करने वाले आरोपी की हत्या, टॉवर पर लटकाई लाश। दिनांक 04.01.2018 को बदायूं में प्रेमी जोड़े का शव नदी से बरामद। दिनांक 05.01.2018 लखनऊ के पारा क्षेत्र में डिप्टीखेड़ा में गोली मारने की धमकी देकर सर्राफ से बैग लूटा, चौक में सोमवार रात एक मजदूर की दुधमुंही बेटी का अपहरण, सरोजनीनगर में गुरूवार दोपहर कार सवार लोगों ने पैदल जा रही युवती का अपहरण किया और फरार हो गए, जानकीपुरम विस्तार में मंगलवार शाम बाइक सवार बदमाशों ने सपा नेत्री के बेटे पर बम व गोलियों से किया हमला। मान्यवर, मेरे पास तो बहुत सी घटनाएं हैं अगर नेता सदन कहें तो हम सब पढ़ देंगे। मान्यवर, जौनपुर में दिन दहाड़े एक दिन में दो-दो मर्डर हुए जिसमें हमारे वरिष्ठ नेता को धरना प्रदर्शन करना पड़ा। अमेठी में दलित की हत्या हुई लोग महिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं कोई पूछने वाला नहीं है। दिनांक 08.01.2018 कठिगरा गांव के पास शनिवार देर रात बाइक सवार तीन बदमाशों ने असलहा दिखा दो दोस्तों से बाइक व नकदी लूटी, काकोरी के खालिसपुर गांव में शनिवार देर रात नशे में धुत युवक ने घर में घुसकर किशोरी से छोड़छाड़ की। काकोरी के खालिसपुर गांव में शनिवार देर रात नशे में धुत युवक ने घर में घुसकर किशोरी से छेड़छाड़ की। जानकीपुरम सेक्टर-एच में हाईकोर्ट के वकील के मुंशी राहुल रस्तोगी को स्कूटी सवाल दो लोगों ने गोली से उड़ाया। काकोरी के करझन गांव में मंगलवार की सुबह आरएसएस कार्यकर्ता की कोचिंग संचालक बिहारी लाल रावत की लाठी-डण्डों से पीटकर कुछ लोगों ने हत्या कर दी। खंडासा के महात्मा गांधी चौराहे पर चार नकाबपोश बदमाशों ने सोमवार रात घर में घुस कर एक कारोबारी को पीट-पीटकर मार डाला।

श्री अध्यक्ष-

कृपया मनीष जी बैठिए।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

लाटूश रोड के पास स्कूटी सवार ठगों ने तेल गिरने का झांसा दे कार से बैग उड़ा ले गए।

श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नेता विरोधी दल की अस्वस्थता के कारण सदन का स्थगन

श्री अध्यक्ष-

पानी मंगाइए।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, पानी मंगवा दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

कह दिया।

***संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

मान्यवर, यह बिल्कुल निश्चित है कि स्वास्थ्य इस समय सही नहीं है।

***मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-**

आप आराम से अपना भाषण कर दीजिए और बाद में वह कागज मुझे दे दीजिएगा। मैं अपने भाषण में उसका उल्लेख कर लूंगा।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि चेहरे पर पसीना आना ठीक बात नहीं है। संग्राम सिंह जी आप इन्हें तुरन्त डॉक्टर को दिखवाए। चेहरे पर पसीना आ गया।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी यह तुरन्त निर्देशित किया जाना चाहिए कि इन्हें तुरन्त डॉक्टर को दिखवाया जाए। यहां सदन में सामान्य रूप से किसी को पसीना नहीं आ रहा है।

***श्री पारसनाथ यादव-**

माननीय अध्यक्ष जी 15 मिनट के लिए सदन का स्थगित कर दीजिए।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

नहीं-नहीं उनको भिजवा दीजिए, बाकी हाउस चलने दीजिए।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

तब तक इन बिटविन।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

इन बिटविन किसी माननीय सदस्य किसी और माननीय सदस्य को बुलवा दीजिए उसके बाद माननीय नेता सदन बोल देंगे। मान्यवर, आप ही सदस्य को बुलवा दें।

श्री पारसनाथ यादव-

नहीं-नहीं ऐसा नहीं है। 10 मिनट के लिए स्थगित कर दीजिए।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, उनके माननीय नेता विरोधी दल के चेहरे पर जो पसीना है वह कोई सामान्य बात नहीं है, और इस मौसम में पसीना आना कोई सामान्य बात नहीं है। हाउस के टैंपरेचर ऐसा नहीं है कि सामान्य व्यक्ति को पसीना आ जाए।

श्री अध्यक्ष-

हां, मैंने देखा उनके माथे पर पसीना आया।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

तब तक कोई और माननीय सदस्य बोल दें, जब वे आएंगे तब बोल देंगे। जो माननीय सदस्य अब तक नहीं बोले हैं वे तब तक बोल दें।

श्री अध्यक्ष-

यह बात ठीक है। आप में से जो माननीय सदस्य न बोले हों वे बोले लें। माननीय संजय गर्ग जी पहले बोलने की रिक्वेस्ट किए थे।

***श्री संजय गर्ग-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया मैं आपका आभार प्रकट करना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सतीश महाना जी अगर आप व्यस्त न हों तो आप माननीय नेता प्रतिपक्ष जी के पास चले जाएं और उनका सहयोग करें।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, 10 मिनट के लिए कार्यवाही स्थगित कर दें। माननीय नेता सदन भी देखना चाहते हैं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, सदन की कार्यवाही 10.00 मिनट के लिए स्थगित की जाती है।

(श्री अध्यक्ष ने 03 बजकर 30 मिनट पर सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी)

(03 बजकर 40 मिनट पर डिप्टी मार्शल ने सदन को सूचित किया कि श्री अध्यक्ष ने सदन का स्थगन 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया है)

(03 बजकर 55 मिनट पर डिप्टी मार्शल ने सदन को सूचित किया कि श्री अध्यक्ष ने सदन का स्थगन 04 बजकर 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया है)

(04 बजकर 15 मिनट पर डिप्टी मार्शल ने सदन को सूचित किया कि श्री अध्यक्ष ने सदन का स्थगन 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया है)

(04 बजकर 30 मिनट पर सदन की कार्यवाही श्री अध्यक्ष की अध्यक्षता में पुनः आरम्भ हुई।)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, आज महामहिम श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के समय माननीय नेता विरोधी दल श्री राम गोविन्द चौधरी अचानक अस्वस्थ हो गए और उसके बाद मान्यवर, सदन को स्थगित करना पड़ा लेकिन जैसा कि अभी माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी की डॉक्टर्स से बात हुई जिन्होंने उनका चेकअप किया था। माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी ने माननीय मुख्य मंत्री जी को फोन पर इस बात के लिए अवगत कराया कि माननीय राम गोविन्द जी फिलहाल ठीक हैं। प्रथम दृष्टया जो उनकी जॉच हुई है उसमें किसी प्रकार की अभी कोई गंभीर बात सामने नहीं आई है। मान्यवर, ये खुशी की बात है लेकिन फिर भी जो वर्तमान परिस्थिति पैदा हुई उसमें सभी दलीय नेताओं की बैठक में माननीय मुख्य मंत्री जी ने और हम सब ने यह तय किया है कि आज इस चर्चा का समापन न किया जाए और इसको आगे के लिए स्थगित कर दिया जाए। कल की कार्यवाही अपनी जगह पर यथावत् रहे और जो आज की बाकी कार्यवाही है उसको स्थगित करते हुए 26 तारीख को ये एजेण्डा ले लिया जाए। माननीय नेता सदन 26 तारीख को महामहिम श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का उत्तर देंगे।

[04:33 बजे] कल (दिनांक 16 फरवरी 2018) का एजेण्डा यथावत रखते हुए श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा को स्थगित करके दिनांक 26 फरवरी 2018 को लिये जाने का प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, आप इससे सम्बन्धित प्रस्ताव प्रस्तुत कर दें।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मैं आपकी अनुज्ञा से यह प्रस्ताव करता हूँ कि आज की शेष कार्यवाही जो महामहिम श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा से संबंधित है उसे स्थगित करते हुए दिनांक

26 फरवरी, 2018 को ले ली जाए। कल का एजेण्डा यथावत् रहे और अभिभाषण पर चर्चा का उत्तर 26 तारीख को प्रश्नकाल के तुरन्त बाद ले लिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि माननीय संसदीय कार्य मंत्री ने जो प्रस्ताव प्रस्तुत किया है कि ''आज की शेष कार्यवाही जो महामहिम श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा से संबंधित है उसे स्थगित करते हुए दिनांक 26 फरवरी, 2018 को ले ली जाए। कल का एजेण्डा यथावत् रहे और अभिभाषण पर चर्चा का उत्तर 26 तारीख को प्रश्नकाल के तुरन्त बाद ले लिया जाए।'' इससे यह सदन सहमत है।

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ)

[04:35 बजे] नियम-51 के अन्तर्गत सूचनायें

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 15.02.2018 को नियम-51 के अन्तर्गत कुल 49 सूचनायें प्राप्त हुईं।

पहली सूचना श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही जनपद बुलन्दशहर के आवास विकास कालोनी में लिंक मार्ग पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। दूसरी सूचना श्री संजय गर्ग जी0एस0टी0 लागू होने के उपरान्त भी मण्डी शुल्क समाप्त न किये जाने के सम्बन्ध में है। तीसरी सूचना सुश्री अदिति सिंह जनपद रायबरेली के सदर विधान सभा क्षेत्र में इन्दिरा उद्यान, बेहटा पुल एवं शहीद स्मारक का सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है। चौथी सूचना श्री अगयश रामसरन वर्मा जनपद पीलीभीत के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में फर्जी नियुक्ति किये जाने के सम्बन्ध में है। पांचवीं सूचना श्री संत प्रसाद जनपद गोरखपुर के कतिपय राजस्व ग्रामों में किसानों की भूमि नदी के कटान से प्रभावित होने के सम्बन्ध में है, वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई। छठवीं सूचना श्री अजय कुमार 'लल्लू' जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र तमकुहीराज में बी0एम0सी0टी0 मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। सातवीं सूचना श्री श्याम सुन्दर शर्मा जनपद मथुरा में हो रही लूट, डकैती एवं हत्या को रोके जाने के सम्बन्ध में है। आठवीं सूचना श्री जन्मेजय सिंह जनपद औरैया स्थित तिलक, महाविद्यालय से सेवानिवृत्त एसो0 प्रो0 (शा0शि0) को सामान्य भविष्य निधि का भुगतान कराये जाने के सम्बन्ध में है। नवीं सूचना श्री प्रभुनारायण सिंह यादव प्रदेश के राजस्व विभाग भू-लेख अधिष्ठान समूह 'घ' के अन्तर्गत मौलिक रूप से नियुक्त चैनमैनों का समूह 'ग' के लेखपाल के पद पर अवशेष लोगों की पदोन्नति किये जाने के सम्बन्ध में है। दसवीं सूचना श्री प्रकाश द्विवेदी जनपद बांदा में दिनांक 12 एवं 13 फरवरी, 2018 को हुये ओलावृष्टि से किसानों को हुये नुकसान का मुआवजा दिलाये जाने के सम्बन्ध में है, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई है। ग्यारहवीं सूचना श्री संजीव दिवाकर जनपद एटा के विधान सभा क्षेत्र जलेसर में खारे पानी की समस्या के समाधान के सम्बन्ध में है तथा बारहवीं सूचना श्री उमाशंकर सिंह जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र रसड़ा में कृषकों को सिंचाई हेतु समुचित व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत हुई।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनायें अस्वीकार की गयीं :-

क्रमांक	नाम	क्रमांक	नाम
1	श्री अमनमणि त्रिपाठी	20	श्री लालजी वर्मा
2	श्री सोहिल अख्तर अंसारी	21	श्री रामअचल राजभर
3	श्रीमती सरिता भदौरिया	22	श्री रितेश पाण्डेय
4	श्री मसूद अखतर	23	श्री सुखदेव राजभर
5	श्री प्रभात कुमार वर्मा	24	श्री शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली
6	श्री राम प्रताप सिंह	25	श्री असलम
7	श्री सत्यवीर त्यागी	26	श्री संजय प्रताप जायसवाल
8	श्री जगन प्रसाद गर्ग	27	श्रीमती जयदेवी
9	श्री दलवीर सिंह	28	श्रीमती शुचिस्मिता मौर्य
10	श्री अवस्थी बाला प्रसाद	29	श्री जवाहर लाल राजपूत
11	श्री तसलीम अहमद	30	श्री मनोज कुमार पारस
12	श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा	31	श्री डा0 अनिल कुमार मौर्य
13	श्री दुर्गा प्रसाद यादव	32	श्री आर0के0 सिंह पटेल
14	श्री अबरार अहमद	33	श्री रोशन लाल वर्मा
15	श्री धनन्जय कनौजिया	34	श्री रमेश चन्द्र मिश्र
16	श्री नाहिद हसन	35	श्री रामचन्द्र यादव
17	श्री नफीस अहमद	36	श्री अभिजीत सिंह सांगा, तथा
18	श्री प्रमोद उटवाल	37	श्री कपिल देव अग्रवाल।
19	श्री वीर विक्रम सिंह 'प्रिन्स'		

[04:35 बजे] जनपद फैजाबाद के विधान सभा क्षेत्र अयोध्या के अन्तर्गत परिक्रमा मार्ग पर अर्द्धनिर्मित प्रवेश द्वार के निर्माण कार्य को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वेद प्रकाश गुप्ता द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य

लोक निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, उप मुख्य मंत्री (श्री केशव प्रसाद मौर्य)-

माननीय अध्यक्ष जी, राज्य योजना के अंतर्गत अयोध्या जनपद फैजाबाद में सत्संग भवन, रैन बसेरा....

श्री पारसनाथ यादव-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाय।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(वक्तव्य उप मुख्य मंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री ने दिया जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

[प्रवेश द्वार तथा यात्री सहायता केन्द्र के निर्माण कार्य की स्वीकृति पर्यटन विभाग के शासनादेश दिनांक 31-03-2013 द्वारा रु0 242.04 लाख की निर्गत की गयी है तथा कार्य अक्टूबर, 2013 में अनुमोदित मानचित्रों के आधार पर प्रारम्भ कर दिया गया था। इस कार्य की तकनीकी स्वीकृति पत्र संख्या-184/टी0एस0-फैजाबाद अं0/म0प्र0(तक0)/आर0एन0एन0/2015-16, दिनांक 20-08-2015 द्वारा निर्गत की गयी, जिसमें प्रवेश द्वार हेतु रु0 53.53 लाख स्वीकृत किया गया।

उक्त स्वीकृत कार्यों में से रैन बसेरा तथा यात्री सहायता केन्द्र का निर्माण कार्य पूर्ण कर इन्वेन्ट्री ग्राहक को प्रेषित की जा चुकी है। सत्संग भवन का स्ट्रक्चर का कार्य पूर्ण है। वर्तमान में गेट धनुषाकार आकृति में ढलाई किया जा चुका है। निर्माणाधीन गेट के निर्माण कार्य पर स्वीकृत लागत रु0 53.53 लाख के सापेक्ष अब तक कुल 32.90 लाख की धनराशि व्यय की गयी है।

आयुक्त, फैजाबाद मण्डल, फैजाबाद द्वारा प्रवेश द्वार की चौड़ाई बढ़ाये जाने के निर्देशों के क्रम में उच्चस्तरीय निरीक्षण कराकर निर्माणाधीन प्रवेश द्वार को पूर्व में स्वीकृत आगणन के अनुसार बनाये जा रहे 06 मी0 चौड़ाई के स्थान पर अधिकतम 09 मी0 चौड़ाई के प्रवेश द्वार का निर्माण कराये जाने हेतु समिति गठित की गयी। गठित समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि पूर्व में किये गये निर्माण को आंशिक रूप से भूतल के ऊपर निर्मित पेडैस्टल को तोड़कर निर्मित राफ्ट फाउण्डेशन पर दोनों तरफ 1.5-1.5 मी0 का विचलन कर 09 मी0 के चौड़ाई का प्रवेश द्वार बनाया जाये।

रामनवमी, रामलीला एवं विभिन्न आयोजनों तथा स्नान इत्यादि पर्वों के कारण 10 से 15 दिन पूर्व कार्य बन्द कर दिया जाता है। निर्माणाधीन प्रवेश द्वार मुख्य मार्ग पर होने के कारण आवागमन अधिक होता है जिससे कार्य की प्रगति बाधक होती है। उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम की स्थानीय इकाई के पत्र दिनांक 23-10-2017 द्वारा कार्य का पुनरीक्षित आगणन रु0 490.64 लाख का प्रस्ताव क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी फैजाबाद को प्रेषित किया जा चुका है। निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन कार्य की गुणवत्ता संतोषजनक पायी गयी है।]

नोट : [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

[04:35 बजे] जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत सुनपेड़ा विकास खण्ड के गंग नहर खुर्जा के क्षतिग्रस्त पुल के पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बिमला सिंह सोलंकी द्वारा दिनांक 09 फरवरी 2018 को दी गयी सूचना पर नियम-51 के अन्तर्गत लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य (व्यपगत)

श्री अध्यक्ष-

इस मद से सम्बन्धित वक्तव्य स्थगित है।

[04:36 बजे] जनपद मिर्जापुर के तहसील चुनार विकास खण्ड के अन्तर्गत नरायनपुर के ग्राम शिवपुर को गंगा की कटान से बचाये जाने के सम्बन्ध में श्री अनुराग सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का केवल वक्तव्य

संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, ग्रामवासियों की समस्या से अवगत होते हुए ग्राम शिवपुर को गंगा नदी की....

श्री पारसनाथ यादव-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाय।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(मुख्य मंत्री का केवल वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया जो पढ़ा हुआ माना गया)

[कटान से बचाने हेतु ग्रामवासियों को गंगा की कटान से बचाने में राहत नहीं मिल पा रही है। गंगा की कटान से ग्रामवासियों की अनेकानेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामवासी गंगा की कटान से जहां बेघर हो जाते हैं वहीं खेत-खलिहान भी बरबाद हो रहे हैं।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय व सुनिश्चित विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये जनपद मिर्जापुर के विकास खण्ड नरायनपुर क्षेत्रान्तर्गत स्थित ग्राम-शिवपुर को गंगा की कटान से बचाये जाने हेतु सरकार से सार्थक कदम उठाये जाने की मांग करता हूं।

2-श्री अनुराग सिंह, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा दी गयी उक्त सूचना पर केवल वक्तव्य निम्नवत् है :-

ग्रामवासियों की समस्या से अवगत होते हुये ग्राम शिवपुर को गंगा नदी की कटान से बचाने हेतु विस्तृत सर्वेक्षणोपरान्त परियोजना के गठन की कार्यवाही की जायेगी। परियोजना

नोटः- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

तकनीकी रूप से साध्य पाये जाने एवं सक्षम स्तर से अनुमोदित होने के उपरान्त वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर कार्य कराया जाना सम्भव होगा।]

श्री अध्यक्ष-

अब हम उठते हैं, कल पूर्वाह्न 11.00 बजे पुनः बैठेंगे।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 04 बजकर 37 मिनट पर अगले दिन 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया ।)

लखनऊ :

दिनांक 15 फरवरी, 2018

प्रदीप कुमार दुबे,

प्रमुख सचिव, विधान सभा,

उत्तर प्रदेश।

पी0एस0यू0पी0-एल0 126 विधान सभा (231)-6-11-2018-631 प्रतियां।